हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शनिवार ● 11.04.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 254 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मथुरा में बड़ा हादसा: यमुना में नाव पलटने से 10 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

मथुरा : उत्तर प्रदेश के मथुरा में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां वृंदावन दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं से भरी एक नाव यमुना नदी में पलट गई। इस हादसे में अब तक 10 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 5 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। नाव पर कुल 30 लोग सवार थे, जिनमें से 15 को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने जिला प्रशासन को युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाने और घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी घायलों का इलाज मुफ्त किया जाएगा और अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

प्रशासनिक मुस्तैदी और राहत कार्य

हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी, एसएसपी और डीआईजी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुँचा। एसडीएम ऋतु सिरोही ने बताया कि नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे, जो इस हादसे की मुख्य वजह बनी। वर्तमान में स्थानीय गोताखोरों के साथ-साथ एनडीआरएफ और सेना की टीमें भी लापता लोगों की तलाश में जुटी हैं।

उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया

उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा (वृंदावन) में यमुना नदी में हुई नाव दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, उत्तर प्रदेश के मथुरा में नाव पलटने की घटना से मैं अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना से वह दुखी हैं। अपनों को खोने वाले लोगों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं!

तेज हवा और ओवरलोडिंग बना 'काल'

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंजाब के लुधियाना से 30 श्रद्धालुओं का एक समूह वृंदावन भ्रमण पर आया था। दोपहर करीब पौने तीन बजे, जब ये सभी नाव से यमुना की सैर कर रहे थे, तभी अचानक तेज हवाओं के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया। अनियंत्रित होकर नाव नदी में बने पैंटून पुल से जा टकराई और पलट गई। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग और गोताखोर तुरंत बचाव कार्य में जुट गए।

मप्र के ओंकारेश्वर में नाव पलटने से झारखंड से आए 10 श्रद्धालु डूबे, रेस्क्यू कर सभी को निकाला

खंडवा : मध्य प्रदेश के खंडवा जिला स्थित प्रसिद्ध तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में शुक्रवार को नर्मदा नदी में नाव पलटने से झारखंड के रहने वाले 10 श्रद्धालु डूब गए, जिन्हें रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर है। जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खंडवा के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने ने बताया कि झारखंड के रांची से करीब 52 लोगों का जत्था शुक्रवार को ओंकारेश्वर आया हुआ था। दोपहर करीब 12 बजे अलग-अलग नाव से सभी लोग नर्मदा नदी में नौका विहार कर रहे थे। इसी दौरान एक नाव में सवार 10 लोग ब्रह्मपुरी घाट से संगम घाट की तरफ जा रहे थे।

एक नजर

उपराष्ट्रपति ने जारी किया सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर सिंधी भाषा में भारत के संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया। यह दो लिपियों- देवनागरी और फारसी में प्रकाशित किया गया है। राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विभाजन के बाद के कठिन समय में सिंधी भाषा ने दृढ़ता और एकता के प्रतीक के रूप में कार्य किया। सिंधी में संविधान का प्रकाशन भाषाई समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से लोग संविधान को अपनी मातृभाषा में समझ सकेंगे, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी और विश्वास मजबूत होगा।

आईएसआई-बीकेआई मॉड्यूल का भंडाफोड़

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय आतंकी, हथियार तस्करी और जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मॉड्यूल का सीधा संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से बताया जा रहा है। दो अलग-अलग ऑपरेशन में कुल 11 आरोपितों को दिल्ली और पंजाब से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि समय रहते कार्रवाई कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया। जांच में पता चला है कि आरोपित पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर काम कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की गतिविधियां देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा थीं और समय रहते कार्रवाई कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया।

बोरवेल में गिरे मासूम की नहीं बच पाई जान, मौत

भोपाल : मध्य प्रदेश के उज्जैन जिला मुख्यालय से करीब 75 किमी दूर बड़नगर इलाके के पास ग्राम झालरिया में गुरुवार देर शाम बोरवेल के खुले गड्ढे में गिरे दो साल के मासूम की जान नहीं बचाई जा सकी। करीब 22 घंटे चले बचाव अभियान के बाद एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने 200 फीट गहरे बोरवेल में 75 फीट पर फंसे बच्चे को लोहे की छड़, रस्सी और बोरवेल की मोटर निकालने वाली मशीन की मदद से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन लोक भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों के मध्य राज्यहित से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। भेंट के क्रम में राज्यपाल को मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड मंत्रालय में सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राजकीय चैत्र पर्व-सह-छऊ महोत्सव- 2026 में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया यह महोत्सव 11 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक बिरसा मुंडा स्टेडियम, सरायकेला में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने इस महोत्सव के आयोजन से संबंधित तैयारियों से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

नीतीश कुमार, हरिवंश ने ली राज्यसभा की सदस्यता की शपथ

एजेंसी

नयी दिल्ली : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में उनको शपथ दिलाई।

इस अवसर पर सदन के नेता और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

69 वर्षीय हरिवंश का पिछला कार्यकाल 09 अप्रैल को पूरा होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज उनको मनोनीत किया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल पूरा होने के बाद एक सीट रिक्त हो गयी थी।

राज्यसभा में कुल 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नीतीश कुमार, हरिवंश को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपने संदेश में नीतीश कुमार और हरिवंश को शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि नीतीश कुमार देश के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। सुशासन को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की हर तरफ सराहना हुई है। उन्होंने बिहार के विकास में अमिट योगदान दिया है। उन्हें एक बार फिर संसद में देखना बहुत सुखद होगा। सांसद और केंद्रीय मंत्री के रूप में भी उन्होंने कई वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार पर विश्वास जताते हुए कहा कि कि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव से संसद की गरिमा और बढ़ेगी। अंत में उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने पर उन्हें बधाई और आगे के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने हरिवंश के पत्रकारिता और सार्वजनिक जीवन में अमूल्य योगदान के लिए कहा कि वे एक सम्मानित बुद्धिजीवी और विचारक हैं। उन्होंने अपने गहन विचारों और अंतर्दृष्टि से पिछले कुछ वर्षों में सदन की कार्यवाही को समृद्ध किया है।

पाकिस्तानी रक्षामंत्री के बयान पर इजराइल की तीखी प्रतिक्रिया

आतंकियों से देश की रक्षा करते रहेंगे

एजेंसी

तेल अवीव : अमेरिका और ईरान के बीच शनिवार को इस्लामाबाद में प्रस्तावित बैठक से पहले इजराइल और पाकिस्तान ने एक-दूसरे के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका-ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान के रक्षामत्री की टिप्पणी ने इजराइल को असहज कर दिया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने लेबनान पर हमले के संदर्भ में इसराइल को 'कैंसर राष्ट्र'

कहा, जिसे इजराइल ने 'शर्मनाक और निंदनीय' कहा है। खास बात यह है कि पाकिस्तान ने अभी तक इजराइल को एक देश के रूप में मान्यता नहीं दी है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं।

तेल अवीव और इस्लामाबाद के बीच बयानों की कड़वाहट नये सिरे से उस समय बढ़ी जब गुरुवार को पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में इजराइल को शैतान और मानवता पर धब्बा बताते हुए लिखा- 'जहां इस्लामाबाद में शांति की बातें हो रही हैं वहां वो लेबनान में जनसंहार कर रहा है। पहले गाजा में निर्दोष लोगों को मार रहा था और अब लेबनान में यही कर रहा है। जिन लोगों ने यूरोपीय यहूदियों से छुटकारा पाने के लिए फिलिस्तीनियों की जमीन पर इस कैंसरनुमा देश को बनाया है वो जहन्नुम में जलें।'

छत्तीसगढ़ : दो कारों की टक्कर में मासूम सहित 6 की मौत

कांकेर : छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में नाथिया नवागांव के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे यह हादसा हुआ। परिवार कांकेर के उड़कुडा का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि सभी चीवरांज में शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव उड़कुडा लौट रहे थे।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को भेजा इस्तीफा

एजेंसी

नयी दिल्ली : इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज जस्टिस वर्मा ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। जस्टिस वर्मा ने अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा है। जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू हो चुकी है। लोकसभा स्पीकर ने इस मामले में जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत जांच कमेटी कमेटी गठित कर दिया है। लोकसभा स्पीकर की

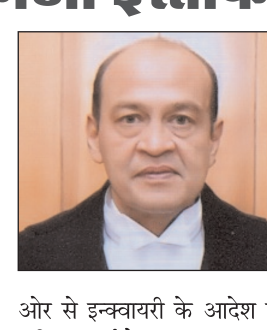

ओर से इन्क्वायरी के आदेश को जस्टिस वर्मा ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्चतम न्यायालय ने जस्टिस वर्मा की याचिका खारिज कर दी थी।

ईरान से बातचीत के लिए पाकिस्तान रवाना हुए अमेरिकी वीपी जेडी वेंस, कहा

तेहरान ने धोखा दिया तो खैर नहीं

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के लिए रवाना हो गए हैं. वहां वे ईरान के साथ होने वाली अहम बातचीत में शामिल होंगे. वेंस ने रवानगी से पहले साफ कर दिया कि वे इस मीटिंग को लेकर काफी पॉजिटिव हैं, लेकिन उन्होंने ईरान को चेतावनी भी दी है. व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के अनुसार, वेंस के साथ इस डेलिगेशन में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हैं.

जेडी वेंस ने पत्रकारों से कहा कि अगर ईरान ईमानदारी से बातचीत करना चाहता है, तो अमेरिका भी दोस्ती का हाथ बढ़ाने को तैयार है। लेकिन अगर ईरान ने कोई गेम खेलने या चालबाजी करने की कोशिश की, तो अमेरिकी टीम बिल्कुल भी नरम नहीं रहेगी। वेंस ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बातचीत के लिए उन्हें कुछ साफ दिशा-निर्देश दिए हैं। बता दें कि ईरान ने कथित तौर पर बातचीत के लिए वेंस को प्राथमिकता दी है, क्योंकि उनका मानना है कि विटकॉफ और कुशनर उनकी बातों को सही तरह से पेश नहीं करते।

यह मीटिंग पश्चिम एशिया में पिछले एक महीने से चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए हो रही है। हाल ही में दोनों देशों के बीच दो हफ्ते के लिए सीजफायर यानी युद्ध रोकने का समझौता हुआ था। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा था कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को पूरी तरह से और सुरक्षित तरीके से खोलता है, तो वे दो हफ्ते तक ईरान पर हमले रोक देंगे।

पश्चिम बंगाल चुनाव: भाजपा का बड़ा दांव, महिलाओं को 3000 रु. और गर्भवती महिलाओं को 21,000 रु. देने का वादा

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपना 'संकल्प पत्र' जारी कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जारी इस घोषणापत्र में पार्टी ने ममता बनर्जी की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की काट के रूप में महिलाओं और युवाओं के लिए बड़े वित्तीय वादों की झड़ी लगा दी है।

भाजपा ने वादा किया है कि सत्ता में आने पर मध्यम और निचले वर्ग की महिलाओं को हर महीने 3000 रु. की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही, स्वास्थ्य

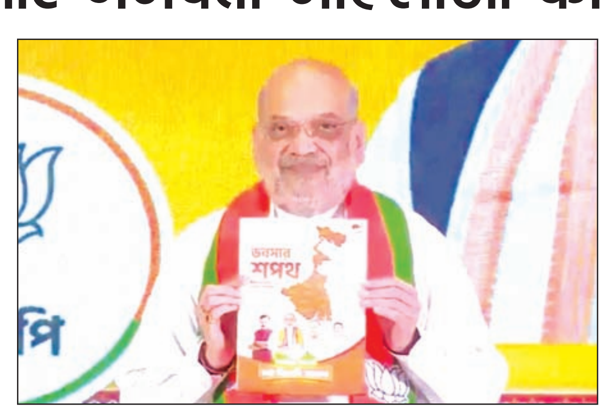

और पोषण को प्राथमिकता देते हुए गर्भवती महिलाओं को 21,000 रु. की एकमुश्त सहायता राशि देने का भी ऐलान किया गया है।

शिक्षित बेरोजगारों को साधने के लिए, भाजपा ने टीएमसी की 'युवा साथी' योजना (1500 रु.) के मुकाबले दोगुनी राशि का वादा किया है। पार्टी के अनुसार, जब तक युवाओं को रोजगार नहीं मिल जाता, उन्हें 3000 रु. प्रति माह दिए जाएंगे। साथ ही, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15,000 रु. की वित्तीय मदद का भी प्रस्ताव रखा गया है।

वर्तमान में ममता सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत सामान्य वर्ग को 1500 रु. और एससी/एसटी वर्ग को 1700 रु. मिलते हैं। भाजपा ने इस राशि को सीधे 3000 रु. तक पहुँचाने का वादा कर महिला वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है।

रोजगार: अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ नई नौकरियों और स्वरोजगार के अवसरों का सृजन।

भर्ती प्रक्रिया: सरकारी नौकरियों में अटकी हुई भर्तियों को तेज करने का आश्वासन।

सुरक्षा और विकास: अमित शाह ने जोर दिया कि भाजपा का फोकस राज्य को 'टीएमसी के आतंक' से मुक्त कर सुरक्षा और कल्याणकारी शासन स्थापित करना है।

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि यदि उनकी सरकार बनती है, तो शपथ ग्रहण के 45 दिनों के भीतर इन योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। अब देखना यह है कि क्या भाजपा का यह 'कैश ट्रांसफर' कार्ड बंगाल की सत्ता की चाबी बन पाता है या नहीं।

हैनिमैन जयंती पर विश्व होम्योपैथी दिवस धूमधाम से संपन्न

▸ चिकित्सकों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों की उपस्थिति में होम्योपैथी के सिद्धांतों पर मंथन जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शहर के प्रधान कैफेटेरिया हॉल में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के प्रख्यात चिकित्सकों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनोबाभावे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ प्रो चंद्र भूषण शर्मा, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, एचएमएआई के जिला अध्यक्ष डॉ गणेश शंकर, सचिव डॉ आनंद शाही, प्रो बंशी रुखरियार,प्रो अखौरी गोपाल, प्रोफेसर चंदन सिंह समेत अन्य गन्यमान्य अतिथियों के द्वारा द्वीप प्रज्वलन एवं डॉ. हैनिमैन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित सभी चिकित्सकों एवं अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। समारोह के दौरान वक्ताओं ने डॉ. हैनिमैन के जीवन, उनके योगदान तथा होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आयोजन होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की हजारीबाग इकाई द्वारा किया गया। जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष 10 अप्रैल को विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है, जो न केवल हैनिमैन की जयंती का प्रतीक है, बल्कि होम्योपैथी की प्रभावशीलता और जनहित में इसकी उपयोगिता को उजागर करने का अवसर भी है।वही विशिष्ट अतिथि सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बताया कि भारत में होम्योपैथी का व्यापक प्रभाव है और देश में करोड़ों लोग इस चिकित्सा पद्धति पर भरोसा करते हैं। देशभर में लाखों पंजीकृत होम्योपैथिक चिकित्सक अपनी सेवाएं दे रहे हैं, वहीं सैकड़ों अस्पताल और हजारों औषधालय ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सुलभ और किफायती इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। विनोबाभावे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने कहा की ऐसा कार्यक्रम विश्वविद्यालय में होना चाहिए। स्कूल और कॉलेज में बच्चों के बीच होमियोपैथी की चर्चा होनी चाहिए और ऐसा कार्यक्रम सालो भर चलना चाहिए। वीसी डॉ प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने विश्वविद्यालय में कार्यक्रम करने के आमंत्रित किया। प्रो बंशी रुखरियार,प्रो अखौरी गोपाल, प्रोफेसर चंदन सिंह ने भी होमियोपैथी के वैज्ञानिक आधार, इसके "समरूपता के सिद्धांत" तथा आधुनिक चिकित्सा पद्धति में इसके समावेश पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि यह चिकित्सा प्रणाली "रोग नहीं, रोगी का उपचार" के सिद्धांत पर आधारित है, जो इसे अन्य पद्धतियों से अलग बनाता है। इस दौरान कई विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार साझा करते हुए होम्योपैथी के इतिहास, भारत में इसके प्रसार और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी न केवल सस्ती और प्रभावी चिकित्सा पद्धति है, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य की अवधारणा को भी सशक्त करती है।कार्यक्रम का संचालन हेमंत कुमार मिश्रा उनकी टीम के द्वारा किया गया। कार्यकम में टीम ने संगीत के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना दिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा अतिथियों को सम्मानित किया गया तथा उपस्थित चिकित्सको को मेमंटो देकर सम्मानित किया गया। सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही, होम्योपैथी के व्यापक प्रचार-प्रसार और जन-जागरूकता बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

एक नजर

बरही के मलकोको में दिखा लुप्त हो चुके गिद्धों का झुंड

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत मलकोको के खुले आसमान में लंबे समय के बाद विशालकाय गिद्धों का झुंड देखा गया है। कभी विलुप्त की कगार पर पहुंच चुके इन पक्षियों की वापसी से पर्यावरण प्रेमियों, वन विभाग और शोधकताओं में उत्साह है। गिद्धों को ' प्रकृति का सफाईकर्मी ' कहा जाता है। ये मृत पशुओं के अवशेषों को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाते है। वहीं मलकोको में गिद्धों का झुंड देखे जाने से ग्रामीणों में कौतूहल का विषय बन गया। करीब 40 – 50 की संख्या में उपस्थित विलुप्त प्रया गिद्धों को देखने के लिए आस – पास के साथ राहगीरों की भीड़ उमड़ पड़ी, जानकारों का मानना है कि गिद्धों की मौजूदगी वायुमंडल के स्वच्छ होने का प्रतीक है। गिद्धों की मौजूदगी लोगों में कई तरह – तरह के कयास लगाते है। गिद्धों की यह वापसी पर्यावरण के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि उचित प्रयासों और सहयोग से पारिस्थितिकी तंत्र को पुनः स्थापित किया जा सकता है। गिद्ध पर्यावरण से मृत जानवरों के अवशेषों को हटाकर बीमारियां फैलने से रोकते हैं।भारत में पिछले कुछ दशकों में इनकी आबादी में 90% से अधिक की भारी गिरावट आई है। डिक्लोफेनाक जैसी दवाओं का पशुओं में उपयोग इनकी मौत का एक प्रमुख कारण रहा है।

दहेज की भेंट चढ़ी एक और बेटी संदिग्ध मौत के बाद परिजनों का हंगामा

बोकारो : बोकारो में एक बार फिर दहेज प्रथा पर सवाल खड़े हो गए हैं। एक विवाहिता की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। मृतका के मायके वालों ने इसे सीधा–सीधा दहेज हत्या करार देते हुए जिला समाहरणालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और न्याय की गुहार लगाई। परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी को ससुराल वालों ने दहेज के लिए प्रताड़ित किया और अंततः उसकी हत्या कर दी। पिता ने कहा कि ससुराल पक्ष ने इसे हादसा बताते हुए कहा था कि उनकी बेटी सीढ़ी से गिर गई थी। लेकिन जब मायके वाले मौके पर पहुंचे, तो उनकी बेटी मृत अवस्था में पड़ी थी—जिसके बाद संदेह और गहरा गया।
मृतका का मायका जैनामोड़ में है वहीं चाचा ने घटना के बारे में बताते हुए कहा कि उनकी भतीजी की शादी पुपुनकी गांव में हुई थी। शादी के बाद से ही दहेज को लेकर विवाद होता रहा। घटना के दिन उन्हें फोन पर सिर्फ "गिरने" की सूचना दी गई, लेकिन सच्चाई कुछ और ही निकली। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एमएमसीएच में अंधेरे में मोबाइल की रौशनी से इलाज, लिफ्ट भी खराब

पलामू : मेदिनीनगर स्थित एकमात्र सरकारी चिकित्सा संस्थान मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की व्यवस्था गंभीर सवालों के घेरे में हैं। हालात ऐसे हैं कि कई ओपीडी में न तो पर्याप्त लाइट की व्यवस्था है और न ही बुनियादी संसाधन उपलब्ध हैं। मजबूरी में डॉक्टरों को मरीजों का इलाज मोबाइल की रोशनी में करना पड़ रहा है।

मनरेगा कर्मियों की हड़ताल विकास कार्य ठप, बढ़ी परेशानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड मुख्यालय से लेकर पंचायत स्तर में मनरेगा कर्मी बीते 12 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं । जिसका असर पूरे प्रखंड में देखने को मिल रहा है हड़ताल के कारण प्रखंड से लेकर पंचायत और गांव स्थल तक मनरेगा योजना के तहत चल रहे विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़ गए हैं। बड़कागांव प्रखंड में इसका असर देखने को मिल रहा है। बगवानी, मेड़बंदी, डोभा निर्माण और तलाब खुदाई जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो गए हैं ।इसे ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी समाप्त हो गए हैं और मजदूरों को काम नहीं मिल पा रहा है। मनरेगा कर्मी अपनी मांगों को लेकर 12 मार्च से हड़ताल पर हैं। इससे पहले 9 मार्च से ही रोजगार सेवक, बीपीओ , मनरेगा ऑपरेटर अपने बकाया मानदेय भुगतान और स्थायीकरण की मांग को लेकर आंदोलन पर हैं। हड़ताल के कारण जियोटेक ,मास्टर रोल , ऑनलाइन डाटा एंट्री जैसे कार्य पूरी तरह बंद हो गए हैं। जिससे मनरेगा योजना संचालन बाधित हो गया है। इसका सीधा असर मजदूरों पर पड़ रहा है। जिन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा है ।इस मुद्दे पर मुख्य प्रतिनिधि दीपक दास एवं वर्तमान मुखिया सुनीता देवी ने कहा कि मनरेगा कर्मियों की मांगे पूरी तरह जायज है, उन्हें सरकार जल्द से जल्द उनकी मांगों पर पहल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रखंड कर्मियों की प्रमुख मांगों में वेतन वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा की गारंटी एवं लंबित भुगतान की निपटारा शामिल है ।

जीवनदान का महाअभियान, 13 को हजारीबाग यूथ विंग का रक्तदान शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग यूथ विंग द्वारा 13 अप्रैल, दिन सोमवार को लक्ष्मी सिनेमा हॉल कैंपस में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस महाअभियान को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं और अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह 9:00 बजे से कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। इस बार भी आयोजन की विशेषता यह रहेगी कि संस्था के सदस्य सफेद जर्सी में उपस्थित रहकर आने वाले रक्तदाताओं का अभिवादन करते नजर आएंगे, जिससे पूरे कार्यक्रम में अनुशासन, एकरूपता और सेवा भावना का सजीव दृश्य देखने को मिलेगा। रक्तदान शिविर में 20 बेड एवं

5 चेयर की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग सहज और सुरक्षित तरीके से रक्तदान कर सकें। संस्था ने इस वर्ष 500 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे लेकर सभी सदस्य पूरी निष्ठा के साथ जुटे हुए हैं। शिविर को सफल बनाने के लिए शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न समाज के प्रतिनिधिगण, विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों को निमंत्रण पत्र देकर इस पुनीत कार्य में शामिल होने का आग्रह किया गया है। इस अभियान को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में लोग रक्तदान के लिए आगे आ रहे हैं।

चतरा में तीसरी कक्षा की छात्रा गर्भवती प्रिंसिपल पर दुष्कर्म का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज में अनुसूचित जाति प्राथमिक बालिका आवासीय विद्यालय की छात्रा को गर्भवती करने वाले प्रधानाध्यापक शंकर प्रसाद सिन्हा को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है. विद्यालय की तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा ने विद्यालय के ही प्रधानाध्यापक शंकर प्रसाद सिन्हा पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है।

छात्रा के परिजनों का विद्यालय में हंगामा

मिली जानकारी के अनुसार, छात्रा दो दिन पहले जब घर गई, तो उसके माता-पिता ने शरीर की बनावट में आए बदलाव का कारण पूछा. माता-पिता के द्वारा पूछे जाने पर उसने बताया कि प्रधानाध्यापक ने ही उसके साथ दुष्कर्म किया है।

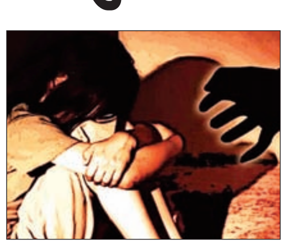

जानकारी मिलने के बाद परिजन ने गुरुवार को विद्यालय पहुंचकर हंगामा करना शुरू कर दिया।

परिजनों का विद्यालय में हंगामा

परिजनों के हंगामे की सूचना पाकर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और प्रधानाध्यापक शंकर प्रसाद सिन्हा समेत छात्रा को थाने ले आए। इसके साथ ही, इसकी सूचना एसडीओ को दी गई। एसडीओ जहूर आलम ने भी हंटरगंज थाना पहुंचकर छात्रा और प्रधानाध्यापक शंकर प्रसाद सिन्हा से पूछताछ की। जिले की उपायुक्त कृति श्री जी को भी इस घटना की जानकारी मिली।

उपायुक्त ने बनाई जांच टीम

इस घटना की जांच के लिए उन्होंने पांच सदस्यीय टीम का गठन किया। उन्होंने टीम को दो दिनों के अंदर जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इस घटना ने शिक्षा विभाग को शर्मसार कर दिया है। उधर, प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। छात्रा को मेडिकल जांच के लिए चतरा सदर अस्पताल भेजा गया है।

पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

छात्रा ने प्रधानाध्यापक पर जबरन दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। थाना में पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर प्रधानाध्यापक को जेल भेजा गया।

इस घटना की जांच के लिए उपयुक्त उपयुक्त कृति श्री जी ने जांच टीम बनाई है।

कोनार नहर सिंचाई परियोजना के अवशेष कार्य का विधायक ने किया भूमिपूजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

विष्णुगढ़ : कोनार नहर सिंचाई परियोजना का अवशेष कार्य पार्ट 'ए' का भूमिपूजन शुक्रवार को प्रखंड अंतर्गत जोबर पंचायत के बंदखारो तथा करगालो पंचायत के ज्ञानगढ़ा में किया गया। बतौर मुख्य अतिथि मांडू विधायक तिवारी महतो ने नारियल फोड़कर तथा शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य की शुरूआत की। कार्य की शुरूआत होने से ग्रामीणों एवं किसानों ने खुशी का इजहार किया। विधायक ने कहा कि कोनार नहर सिंचाई परियोजना क्षेत्र एवं सरकार की महत्वाकांक्षी सिंचाई परियोजना है। इसका कार्य पूर्ण हो जाने के बाद किसानों को सिंचाई के लिए सोचना नहीं होगा। सालोंभर खेतों में पटवन की सुविधा मिलेगी। इलाके के सभी खेतों में हरियाली रहेगी। इससे किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी और वे समृद्ध होंगे। अप्रत्यक्ष तौर पर इसका लाभ

क्षेत्रवासियों को भी मिलेगा। कहा कि इस महत्वपूर्ण योजना के तहत नहर को नए सिरे से मरम्मति एवं पाइपलाइन से सिंचाई जल की आपूर्ति होगी। स्थानीय लोगों को कार्य की गुणवत्ता की देखरेख करने तथा किसी तरह की अनियमितता की शिकायत होने पर सीधे संपर्क करने की बात कही। मौके पर आजसू प्रखंड अध्यक्ष अजय मंडल, पूर्व प्रमुख अशोक गुप्ता, पंसस कैलाश महतो, रंजीत गुप्ता, राजू श्रीवास्तव, सुखदेव रजवार, सुशील मंडल, पंकज महतो, प्रवीण मंडल, हेमलाल महतो, जयनारायण महतो एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गरमी में जल संकट निवारण को लेकर नीर चौपाल का हुआ आयोजन

जन सहभागिता के सहयोग से नीर चौपाल कार्यक्रम को सफल बनाना है : बीडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग जिला में आगामी ग्रीष्मकालीन में उत्पन्न जल संकट के कारण आम जनों को पीने का पानी की समस्या को जानने एवं इसके निवारण के लिए आज बड़कागांव प्रखंड सभागार भवन में बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल की अध्यक्षता में कार्य योजना को लेकर नीर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जन सेवक भास्कर राज ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख फुलवा देवी ने कहा कि सभी अपने-अपने क्षेत्र की समस्या को लिस्टिंग कर प्रखंड मुख्यालय को उपलब्ध करावें। उन्होंने कहा कि नल जल योजना पूरे प्रखंड में ठेकेदारों की लापरवाही के कारण शोभा की

वस्तु बन कर रह गई है।आज भी आंगो पंचायत , इंदिरा , पसरिया , पंचडा एवं गरसूला आदी गांव में लोग चूवां से पानी पीने के लिए मजबूर है। यह बड़ी ही दुर्भाग्य की बात है। सभी को इलेक्ट्रॉनिक तकनीकी के भरोसा में नहीं रहना चाहिए नहीं तो पानी के अभाव में मर जाएंगे।पुराने पद्धति की वैकल्पिक व्यवस्था सभी को रखना चाहिए। बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने कहा कि जिला द्वारा पानी की समस्या सूचीबद्ध कराने के लिए एक ऐप जारी की गई है।इस ऐप पर कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या सूचीबद्ध कर सकता है।उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों एवं जल सहिया को तत्काल निजात पाने के लिए समस्या का सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है, ताकि समस्या का समाधान हो सके। यह प्रथम चरण की बैठक है। लगातार कई चरणों में इसकी मॉनीटरिंग की जाएगी ताकि लोगों को गर्मी में पेयजल की समस्या उत्पन्न ना हो। उन्होंने इस योजना को अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करते हुए जन सहभागिता के माध्यम से कार्य योजना बनाए जाने की बात कही। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने पंचायत में दिए गए टैंकरों को रिकवरी करने सहित अपने-अपने पंचायत की पेयजल की समस्या को गिनाने का काम किया। पंचायत समिति सदस्य सुनीता देवी ने बुढ़वा महादेव स्थित पानी टंकी 3 माह से बंद होने की जानकारी दी।बैठक में मुख्य रूप से जिप सदस्य याशमीन निशा एवं सुनीता देवी, मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार, मुखिया तकरीमुल्ला खान, कविता देवी, कमला देवी, पंचायत समिति सदस्य रितेश कुमार, सांसद प्रतिनिधि सह पंचायत समिति सदस्य कृष्णा राम, विधायक प्रतिनिधित्व खेमलाल महतो, प्रभारी मुखिया राजदेव महतो, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नवीन कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी पंकज कुमार गुप्ता, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी इंदु शेखर प्रहलाद, वास कोऑर्डिनेटर त्रिदेव कुमार, संबंधित लिपिक दीपक कुमार जल सहिया प्रभावती देवी, माधुरी देवी, रेखा देवी, रत्नावती देवी, उर्मिला देवी, अंजू कुमारी, सूरजमनी देवी, गीता कच्छप, सुमन कुमारी, नमिता कुमारी, सावित्री देवी, पिंकी देवी, मीना देवी सहित संबंधित पंचायत सचिव उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल में वैक्सीनेशन शुरू

बरही : बरही अनुमंडलीय अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन शुरू किया गया। शुक्रवार को अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि 14 से 15 वर्ष के किशोरियों को इससे बचाव का वैक्सीन दिया जा रहा है। यह वैक्सीन सभी तरह से सुरक्षित है और सिर्फ एकबार ही दिया जाता है। डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव का कारगर उपाय है वैक्सीनेशन। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जानकारी तीसरे स्टेज में ही हो पाती है और तब बहुत देर हो चुकी होती है। तीसरे स्टेज में सर्वाइकल कैंसर का इलाज बहुत ही मुश्किल है। उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन बरही अनुमंडलीय अस्पताल में 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को दिया जा रहा है। किशोरियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन किशोर घायल

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़–गोमियां रोड में नवादा पेट्रोल पंप के पास गुरूवार की शाम हुए सड़क हादसे में तीन किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कुसुंभा निवासी चंदन कुमार राम पिता बासुदेव राम, पियूष कुमार राम पिता राजेश राम तथा राजेन्द्र कुमार राम पिता भूखलाल राम है। तीनों की उम्र 17 वर्ष के करीब है। बताया जाता है कि तीनों किशोर एक बाइक पर सवार होकर बनासो से अपने गांव कुसुंभा की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान बनासो की ओर जा रही एक बोलेरो वाहन से बाइक की सीधी टक्कर हो गई। हादसे के बाद चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर विष्णुगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को इलाज के लिए विष्णुगढ़ सीएचसी लेकर आई। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए तीनों को एसबीएमसीएच, हजारीबाग रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों ने बताया कि तीनों के पैर और शरीर के अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें आई है।

केरेडारी प्रखंड में उद्यान विभाग हजारीबाग के द्वारा 700 केले का पौधा वितरण

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत उद्यान विभाग हजारीबाग के द्वारा केरेडारी में 700 केला का पौधा का वितरण किया गया। केरेडारी उद्यान मित्र एवं केरेडारी के पूर्व मुखिया तपेश्वर साहू के द्वारा लोगों के 700 से अधिक लोगों के बीच केले का पौधा वितरण किया एवं उद्यान मित्र एवं केरेडारी के पूर्व मुखिया तपेश्वर साहू ने कहा कि हमारे यहां से जो भी बीज पौधा आता है मैं किसानों के बीच हमेशा वितरण करता हूं। इस कार्य से ग्रामीण लोगों ने बहुत ही खुशी जाहिर किया। इस मौके पर हबीब इक्का, सिकंदर महतो, अयोध्या साव, मीरा देवी, जूली देवी, प्रमोद महतो एवं सैकड़ो लोग मौजूद रहें।

हुदूवा उत्क्रमित विद्यालय में बच्चों के बीच पोशाक का किया गया वितरण

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत चेपाकला पंचायत के अति सुदूर ग्रामीण क्षेत्र हुदवा गांव में उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में पोशाक का वितरण किया गया। बतौर मुख्य अतिथि सांसद सह प्रतिनिधि पंसस कृष्णा राम के हाथों 25 विद्यार्थियों को जूता, मौजा,शर्ट पेंट,इत्यादि दिया गया। कृष्णा राम ने कहा कि आप सभी लोग विद्यालय पोशाक पहनकर आवे और पढ़ाई में मन लगाए। पानी की ।समस्याएं के लिए बीडीओ से बात करके बहुत जल्द टंकी की व्यवस्था किया जायेगा ।मौके पर उपस्थित विद्यालय प्रभारी उमेश कुमार, सहायक शिक्षक महेश महतो, विद्यालय अध्यक्ष पवन कुमार तूरी ,रीता देवी, मंजू देवी ,गुड़िया देवी, अंजली देवी, रेशमी देवी ,सोनिया देवी ,सुकरी देवी एवं सभी विद्यार्थी गण उपस्थित थे ।

संघ के नियमों का पालन नहीं करने के कारण संघ से स्कूटीव इंजीनियर को हटाया गया

बड़कागांव : बड़कागांव मनरेगा प्रखंड कर्मचारी संघ के सचिव सहायक अभियंता ओमप्रकाश को संघ के नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में संघ से 6 माह के लिए हटा दिया गया। रोजगार सेवक सुबोध सिंह ने बताया कि मनरेगा कर्मचारी संघ प्रखंड इकाई बड़कागांव के द्वारा 12 मार्च से अपनी मांगों को लेकर प्रखंड के तमाम मनरेगा कर्मी के द्वारा आंदोलन किया जा रहा है । जिसमें सभी मनरेगा कर्मी ने बढ़–चढ़कर आंदोलन को मदद करने का काम कर रहे हैं।
परंतु मनरेगा कर्मचारी संघ के प्रखंड सचिव स्कूटीव इंजीनियर ओमप्रकाश ने संघ के नियमों का पालन नहीं किया, संघ के नियम का उल्लंघन करते हुए कार्य में लग गए ।जिसके कारण प्रखंड अध्यक्ष हीरो महतो ने उन्हें संघ से ही हटा दिया है। उनके स्थान पर कनीय इंजीनियर सीताराम दीवान को बड़कागांव प्रखंड मनरेगा कर्मचारी संघ के नए सचिव मनोनीत किया गया है।

एक नजर

नक्सली राम मोहन सिंह मुंडा की जमानत याचिका खारिज

रांची : पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में 2016 से जेल में बंद नक्सली राम मोहन सिंह मुंडा की जमानत याचिका एनआईए की विशेष कोर्ट ने खारिज कर दी। राम मोहन सिंह मुंडा उर्फ मोचू नक्सली साजिश रचने और हत्या मामले में आरोपित है। उल्लेखनीय है कि मामला बुंडू थाना कांड संख्या 65/2008 से जुड़ा है। 9 जुलाई 2008 को तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा की नक्सलियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसकी जांच एनआईए को सौंपी गई थी। आरोपित राम मोहन सिंह मुंडा को 8 जुलाई 2016 को गिरफ्तार किया गया था। तब से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। एनआईए ने राम मोहन सिंह मुंडा को 23 नवंबर 2017 को एप्रूवर (गवाह) बनाया है। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी अब गवाह बन चुका है। बयान पूरा हो चुका है और ट्रायल लंबा चल रहा है। वहीं एनआईए ने कहा कि कानून के अनुसार एप्रूवर को ट्रायल खत्म होने तक हिरासत में रखना अनिवार्य है। मामले में पूर्व मंत्री राजा पीटर और कुख्यात नक्सली कुंदन पाहन ट्रायल फेस कर रहे हैं।

रिश्वत लेने के आरोपित पंचायत सचिव को नहीं मिली जमानत

रांची : रिश्वत लेने के आरोपित पंचायत सचिव किरण कुसुम खलखो की जमानत याचिका एसीबी की विशेष कोर्ट ने खारिज कर दी। किरण कुसुम खलखो ने 19 मार्च को याचिका दाखिल कर अदालत से जमानत की गुहार लगाई थी। किरण कुसुम खलखो गुमला जिला के बिशुनपुर प्रखंड के चट्टी सेरका के पंचायत सचिव थीं। दरअसल परमेश्वर सिंह को ग्रामसभा की ओर से एक कुएं की मरम्मत कार्य का काम मिला था। काम पूरा होने के बाद बकाया पैसे की भुगतान के लिए परमेश्वर सिंह ने आवेदन दिया था। लेकिन पंचायत सचिव ने बिल पास करने के एवज में 8000 रुपए रिश्वत की मांग की थी। जिसकी शिकायत एसीबी से की गई थी। एसीबी ने 12 मार्च को जाल बिछाकर पंचायत सचिव को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था, तब से वह जेल में बंद है।

गांजा तस्करी मामले में सुनवाई पूरी, आदेश 15 को

रांची : 1.50 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने के मामले से संबंधित आरोप में अपर न्यायायुक्त शैलेन्द्र कुमार की अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा है। अदालत 15 अप्रैल को अपना आदेश सुनाएगा। दरअसल यह मामला 24 अगस्त 2022 का है। मामले में पिस्का नगड़ी निवासी वसीम अंसारी आरोपित है। नगड़ी थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी मादक पदार्थ की खरीद बिक्री कर रहे हैं। मामले के सत्यापन के बाद पुलिस नगड़ी जिला परिषद के पास पहुंची तो पुलिस को देखकर वसीम अंसारी भागने लगा, जिसे खदेड़कर पकड़ा गया। उसके बैग की तलाशी ली गई तो उसमें से 1.50 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ था।

शैक्षणिक भ्रमण कर लौटी रांची विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की टीम

रांची : दक्षिण भारत का शैक्षणिक भ्रमण कर रांची विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की टीम शुक्रवार को वापस लौटी। भूगोल विभाग के 81 विधार्थियों ने 12 दिनों तक भौतिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत दक्षिण भारत का भौगोलिक भ्रमण किया। टीम ने 30 मार्च से 10 अप्रैल तक भौगोलिक भ्रमण किया। इनमें एनार्कुलम , मुनार स्थित केरला फार्म, स्पाइस गार्डन, टाटा टी म्यूजियम, यूको पॉईंट कुंडाला लेक, बोटॉनिकल गार्डन, रामेश्वरम स्थित पमबन ब्रिज, ज्योतिर्लिंग, विभीषण मंदिर, धनुष कोटी, राम सेतु, कलाम हाउस, कन्याकुमारी स्थित सनराईज, विवेकानंद रॉक, कन्याकुमारी मन्दिर, कैथोलिक चर्च, सनसेट, कन्याकुमारी स्टेशन, पोवार बैक वाटर बोटिंग, कोबलम सी बीच, त्रिवेन्द्रम स्थित पद्मनाभ स्वामी मंदिर, केरला जू सहित अन्य शामिल है।

एसआइआर को लेकर चुनाव आयोग ने की तैयारी, दिए गए कई निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियां तेज हो गई हैं. भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य निर्वाचन विभाग ने सभी स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है.

शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण बैठक की. बैठक में रक्फ्रशुरू होने से पहले की जाने वाली तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई और कई जरूरी निर्देश दिए गए.

बीएलओ की कार्यप्रणाली की भौतिक समीक्षा होगी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर खुद बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की जानकारी वाले स्टिकर लगे हैं या नहीं, इसकी भौतिक जांच करें. उन्होंने कहा कि बीएलओ उन घरों को नोशनल (काल्पनिक) नंबर अवश्य दें जहां अभी मकान संख्या नहीं है. साथ ही बीएलओ रजिस्टर में हर घर का हाउस नंबर, 18 वर्ष पूर्ण कर चुके सदस्यों के नाम और घर के मुखिया का नाम अनिवार्य रूप से दर्ज होना चाहिए.

पैरेंटल मैपिंग पर विशेष जोर

बैठक में पैरेंटल मैपिंग को लेकर सबसे ज्यादा जोर दिया गया. के. रवि कुमार ने निर्देश दिए कि बीएलओ डोर-टू-डोर स्टिकर चिपकाते समय उन मतदाताओं को चिन्हित करें जिनकी अभी तक मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हुई है और तुरंत मैपिंग पूरा करें. एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ और डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची तैयार की जाए. डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्रों को सिस्टम के माध्यम से 100 प्रतिशत चिन्हित कर हटा दिया जाए. एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ एवं डुप्लिकेट की सूची को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 से अनिवार्य रूप से प्रमाणित कराया जाए.

राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बढ़ाने के निर्देश

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ मतदान केंद्रों के नजरी नक्शे की सॉफ्ट कॉपी साझा की जाए. उन्होंने जोर देकर कहा कि एक भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से न छूटे इसे लक्ष्य बनाकर काम किया जाए.

के. रवि कुमार ने आगे निर्देश दिया कि मैपिंग का बचा हुआ कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए. मैपिंग के दौरान कहीं कोई गलत मैपिंग तो नहीं हुई है, इसकी सघन जांच की जाए ताकि गहन पुनरीक्षण के दौरान लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी न्यूनतम रहे. बुक ए कॉल के माध्यम से आने वाले सभी कॉल का 48 घंटे के अंदर कॉल बैक कर मतदाताओं की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए.

बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ट्रेनिंग नोडल अधिकारी देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर समेत सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे.

छात्रों के बीच नशीली दवाओं की बिक्री करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नशीली टैबलेट और सिरप बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नशे के तस्करों के खिलाफ रांची पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है. इसी क्रम में रांची पुलिस ने कॉलेज के छात्र- छात्राओं के बीच नशे के कैप्सूल और शिरफ की सप्लाई करने वाले गिरोह के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तस्कर के पास से नशे में इस्तेमाल होने वाले टैबलेट और शिरफ बरामद हुए हैं.

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अनिल रजक नाम के एक शख्स के द्वारा रांची के रेडियम रोड के कुमार मार्केट में प्रतिबंधित नशीली दवाओं को कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच बिक्री की जा रही है, प्राप्त सूचना के आधार पर एक स्पेशल टीम का गठन किया गया. मामले में मिली सूचना के आधार पर सिटी डीएसपी रांची के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया. पुलिस टीम के द्वारा अनिल रजक उम्र करीब 42 पता रेडियम रोड कुमार मार्केट गली थाना लालपुर जिला रांची के घर पर औचक छापेमारी कर विधिवत तालाशी ली गई. तलाशी के क्रम में अनिल रजक के पॉकेट से मादक प्रदर्श को बरामद किया गया, जिसके संदर्भ में इनसे पूछताछ करने पर इनके द्वारा मादक पदार्थों को कॉलेज के विद्यार्थियों के पास बिक्री करने की बात स्वीकार की गई. मामले उसको गिरफ्तार करते हुए लालपुर थाना में कांड दर्ज किया गया.

प्रो. सरोज शर्मा बनी रांची विश्वविद्यालय की नयी कुलपति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल सह राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय को नया कुलपति दे दिया है. लोकभवन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रो. सरोज शर्मा को रांची विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है.

यह नियुक्ति झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुच्छेद 10 (2) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए की गई है. ऐसे समय में यह नियुक्ति हुई है जब विश्वविद्यालय लंबे समय से सेशन लेट की समस्या से जूझ रहा है.

प्रो. सरोज शर्मा वर्तमान में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), द्वारका, नई दिल्ली में स्कूल ऑफ एजुकेशन के प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं. शिक्षा के क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव रहा है और उन्होंने अकादमिक व प्रशासनिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण योगदान दिया है. उनके पास उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध, शिक्षण और संस्थागत विकास का व्यापक अनुभव है, जिसे रांची विश्वविद्यालय के संचालन में उपयोगी माना जा रहा है.

सिल्ली विधायक ने किया हाथी वॉच टॉवर, चेक डैम का शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शुक्रवार के दिन संध्या में सिल्ली विधायक अमित महतो की उपस्थिति में चातमबाड़ी धर्मपुर सड़क किनारे हाथी वाच टावर निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तहत कैम्पा योजना अन्तर्गत पिस्का पंचायत के गड़गांव वन में पक्का चेकडैम निर्माण कार्य का शिलान्यास मो.कलावती देवी के द्वारा किया गया।शिलान्यास के दौरान स्थानीय विधायक ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इन योजनाओं से ग्रामीण लाभान्वित होंगे।आने वाले दिनों में भी विकास को लेकर कई योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लोगों को लाभ मिल सके। इस मौके पर वन विभाग की ओर से जयप्रकाश साहू, गौतम बॉस, सनसन सक्सेना, अखिल महतो, सिल्ली मुखिया भरत मुंडा, किसलय महतो, राजू कुमार महतो, राजकुमार महतो, हरिदास महतो, रंजीत महतो, जुगा महतो, लखींदर महतो,श्रवण मुंडा, ठाकुरदास महतो, शक्ति महतो, उमेश मुंडा, रमेश सिंह, प्रकाश कुशवाहा, बनमाली महतो एवं शेखर महतो समेत आसपास के ग्रामीण उपस्थित रहे।

बायो-मेडिकल वेस्ट निस्तारण के लिए बनेगी नई गाइडलाइन : अजय सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में बायो-मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक हुई।

इस दौरान मुख्य रूप से झारखंड में बायो-मेडिकल वेस्टल निस्त्रण करने के लिए एक नई कॉम्प्रिहेंसिव गाइडलाइन तैयार करने का ठोस निर्णय लिया गया। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप एक व्यापक गाइडलाइन बनाई जाए, जिसका पालन राज्य के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के लिए जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि इससे पर्यावरण और जन-स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

मौके पर डीआईसी डॉ सिद्धार्थ सान्याल और डॉ रंजीत ने बताया कि वर्तमान में राज्य में पांच कॉमन बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट फैसिलिटी संचालित हैं, जहां बायो-मेडिकल कचरे का सुरक्षित निस्तारण किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि नई गाइडलाइन के तहत कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया को और सुदृढ़ किया जाएगा। कचरे के उठाव से लेकर अंतिम निस्तारण तक बारकोडिंग और जीपीएस ट्रैकिंग व्यवस्था मजबूत होगा। बिना उपचार वाले कचरे को 48 घंटे से अधिक समय तक संग्रहित करने पर रोक लगाई जाएगी।

बैठक में कहा गया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें पर्यावरण मुआवजा दंड लगाने के साथ-साथ संबंधित संस्थान का पंजीकरण रद्द करने तक की कार्रवाई शामिल होगी।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने फर्जी निकासी मामले में सभी जिलों से मांगी वित्तीय निकासी की जांच रिपोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में पुलिस कार्यालयों से संदिग्ध वित्तीय निकासी का मामला सामने आने के बाद पुलिस मुख्यालय ने कड़ा कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार सभी जिलों और इकाइयों को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह कदम प्रधान महालेखाकार की रिपोर्ट में बोकारो पुलिस कार्यालय से वेतन मद में अनियमित भुगतान उजागर होने के बाद उठाया गया है।

मुख्यालय की ओर से रांची, जमशेदपुर और धनबाद के एसएसपी, सभी जिलों के एसपी, विभिन्न पुलिस इकाइयों के समादेष्टा, रेंज डीआईजी और जोनल आईजी को पत्र भेजकर अपने-अपने कार्यालयों में हुई वित्तीय निकासी की जांच करने को कहा गया है। साथ ही वित्त और गृह विभाग के स्तर से प्राप्त पत्रों का हवाला देते हुए रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने को कहा गया है। मिली जानकारी के अनुसार बोकारो एसपी कार्यालय से मई

2024 से दिसंबर 2025 के बीच वेतन मद में करीब 3.15 करोड़ रुपये का भुगतान संदिग्ध पाया गया है। वहीं समीक्षा के दौरान हजारीबाग एसपी कार्यालय से पिछले आठ वर्षों में 15.41 करोड़ रुपये से अधिक की अनियमित निकासी का मामला भी सामने आया है। प्रारंभिक जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि सेवानिवृत्त कर्मियों या ऐसे व्यक्तियों को भुगतान किया गया, जो वास्तविक रूप से संबंधित कार्यालय में कार्यरत नहीं थे। कुछ मामलों में अभिलेखों का मिलान किए बिना वेतन जारी किया गया। बोकारो मामले में तो एक सेवानिवृत्त व्यक्ति के जीपीएफ विवरण में जन्मतिथि में बदलाव कर उसे कार्यरत दिखाकर भुगतान करने की बात भी सामने आई है।

जांच के दौरान यह भी पाया गया कि कई मामलों में स्वीकृत वेतन से अधिक राशि का मासिक भुगतान किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में निचले स्तर के लिपिकीय कर्मचारियों से लेकर वरीय अधिकारियों तक की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस मुख्यालय को आशंका है कि इसी तरह की अनियमितताएं अन्य जिलों में भी हो सकती हैं, इसलिए सभी इकाइयों से रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त

इटखोरी : चतरा जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के नगवा बिहडियाटाड जंगल में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध अंग्रेजी शराब का खेप पकड़ा है। साथ ही तस्करी में शामिल गिरोह का भी भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर की गई है। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि इटखोरी थाना क्षेत्र के नगवा बिहडियाटाड में अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप तैयार की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह को तत्काल जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। निर्देश के बाद थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने टीम के साथ नगवा बिहडियाटाड अवैध शराब भट्ठी पर डाका डाला। वहां पूरी तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। एसपी नें बताया कि पुलिस द्वारा जब्त की गई शराब में कई नामी ब्रांड शामिल हैं। उन्होंने बताया कि रॉयल स्टेज कंपनी का 375 एमएल का 16 पेटी रॉयल स्टेज कंपनी का 375 एमएल 384 बोतल का 01 पेटी 20, रॉयल स्टेज 180 एमएल पेटी 48बो तल स्टर्लिंग रिजर्व के 180 एमएल के 22 पीस, आइकॉनिक वाइट के एमएल के 24 पीस, ब्लेंडर्स प्राइड के स्ट्रीकर एमएल के 7 पीस, स्टर्लिंग रिजर्व 375 एमएल के 24 पीस शामिल हैं। इसके अलावा सभी कंपनियों का ढक्कन भी बरामद किया गया है। इस मामले में इटखोरी थाना में भारतीय न्याय संहिता और उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य ऐसे सिंडिकेट को पूरी तरह समाप्त करना और तस्करों की आर्थिक कमर तोड़ना है। उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि अवैध शराब के कारोबार से दूर रहें और इस तरह की गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दें, ताकि समाज को सुरक्षित और स्वच्छ बनाया जा सके। इस अभियान में थाना प्रभारी के साथ सशस्त्र बल के जवान भी शामिल रहे।

डीसीए प्रीमियर लीग में अचीवर्स ने जीजीसीए को हराया

रांची : धुर्वा क्रिकेट अकादमी की ओर से आयोजित डीसीए प्रीमियर लीग के दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को जीजीसीए और द अचीवर्स के बीच मुकाबला खेला गया। इस दौरान खास तौर पर अचीवर्स टीम के सक्षम सिंह के शानदार प्रदर्शन से चार ओवर में 21 रन देकर चार विकेट झटके। इसके साथ ही अचीवर्स की टीम ने जीजीसीएको हरा कर फाईनल में पहुंच गई है। इसके पूर्व खेल के दौरान जीजीसीए ने टॉस जीतकर सबसे पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जीजीसीए की टीम 19 .5 ओवर में 102 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से आयुष ने 25 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में सक्षम सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार ओवर में 21 रन देकर चार विकेट झटके। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए द अचीवर्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 13 .2 ओवर में दो विकेट खोकर 106 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से यश राज ने 54 रन और उत्सव ने 30 रनों की बेहतरीन पारी खेली। सक्षम सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। पूरी तरह से फाइनल मुकाबला अब रेलवे यूथ और द अचीवर्स के बीच आगामी 12 अप्रैल को खेला जाएगा।

एनएचएआई की 303 करोड़ की दो परियोजनाओं का रक्षा राज्य मंत्री ने किया शिलान्यास

रांची : झारखंड की राजधानी रांची की विकास यात्रा में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में शुक्रवार को रांची में दो महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री सेठ ने कहा कि उनके प्रयासों से स्वीकृत लगभग 303 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग–33 पर रामपुर चौक (रांचीझ्रजमशेदपुर रोड जंक्शन) के समीप ओवरब्रिज और विकास चौक, इरबा (रांचीझ्रहजारीबाग जंक्शन) के पास आधुनिक भूमिगत टनल का निर्माण होना है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का भूमिपूजन कर शुभारंभ करना, मेरा परम सौभाग्य रहा। दोनों परियोजनाएं रांची शहर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात को सुगम बनाने, जाम की समस्या कम करने और तेज एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। सेठ ने कहा कि इसके साथ ही रांची सहित राज्य के कई शहरों की आवाजाही को भी सुगम बनाएगी। रांची की जनता के स्नेह और आशीर्वाद से विकास की यात्रा बेहतर सड़क निर्माण, सुगम यातायात और समृद्ध झारखंड के लक्ष्य के साथ निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में झारखंड में लगभग 17,000 करोड़ की लागत से 450 किमी नई सड़क परियोजनाएं शुरू होंगी। इनमें वाराणसी कोलकाता एक्सप्रेस वे का महत्वपूर्ण हिस्सा भी शामिल है, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और व्यापार को नई दिशा देगा। रांची में 6000 करोड़ रुपये की लागत से आउटर रिंग रोड के निर्माण की घोषणा भी राजधानी के विकास को और विस्तार देने वाला होगा। यह रांची शहर के लिए भी महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर जिस गति से आगे बढ़ रहा है, वह देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की मजबूत नींव तैयार कर रहा है। इस कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद महुआ माजी, विधायक राजेश कच्छप, मेयर रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार, रांची महानगर भाजपाध्यक्ष वरुण साहू, रांची ग्रामीण पूर्वी भाजपा जिलाध्यक्ष धीरज महतो, रांची ग्रामीण भाजपा पश्चिमी जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार, पूर्व विधायक समरी लाल मौजूद रहे।

ह्रदय रोग शिविर में की गयी 126 बच्चों की जांच

रांची : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड और अमृता हॉस्पिटल कोच्ची के सयुंक्त तत्वावधान में जन्मजात ह्रदय रोग (कंजेनाईल हार्ट डिजीज) से पीड़ित बच्चों की पहचान और इलाज के लिए शुक्रवार को सदर अस्पताल रांची में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 170 बच्चों का पंजीकरण किया गया, जिसमें से 126 बच्चों की जांच और स्क्रीनिंग की गई। वहीं 47 बच्चों को सर्जरी की आवशकता होगी। शेष बच्चों की जांच प्रक्रिया जारी है। यह जानकारी शुक्रवार को स्वाकस्ख्श विभाग के अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन शशि प्रकाश झा ने प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने अभिभावकों से अपील किया कि वे जन्मजात ह्रदय रोग के लक्षणों वाले बच्चों को इस प्रकार के शिविरों में अवश्य लाएं, जिससे समय पर जांच एवं उपचार संभव हो सके और बच्चों को स्वस्थ जीवन दिया जा सके।

एक नजर

डोमचांच वार्ड 10 में सड़क पर बह रहा नाला लोगों की बढ़ी परेशानी

कोडरमा : डोमचांच नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10 स्थित जयनगर रोड पर नाला का पानी खुलेआम सड़क पर बह रहा है, जिससे आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क किनारे जलजमाव और कीचड़ फैल जाने से राहगीरों का चलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह स्थिति कई दिनों से बनी हुई है। बदबूदार पानी और गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। इसी रास्ते से स्कूली बच्चे, महिलाएं और श्रद्धालु रोजाना आवागमन करते हैं, जिन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने नगर पंचायत के स्वच्छता दावों पर सवाल उठाते हुए जल्द समस्या के समाधान की मांग की है।

सतगावां में सखी मंडल की दीदीयों को मिला वाहन

कोडरमा : आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के अंतर्गत उपायुक्त कोडरमा समेत अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा समाहरणालय परिसर से वाहन की चाबी सौंपकर एवं हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कोडरमा। पलाश -झारखंड स्टेट प्रमोशन सोसाइटी, कोडरमा के तहत सतगावां प्रखंड के बासोडीह आजीविका महिला संकुल संगठन में महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हेतु आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के अंतर्गत उपायुक्त कोडरमा समेत अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा समाहरणालय परिसर से वाहन की चाबी सौंपकर एवं हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर है, बल्कि पूरे क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी है। AGEY योजना के माध्यम से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती एवं सुरक्षित परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के साथ-साथ महिलाओं को ब्याज मुक्त ऋण देकर उन्हें उद्यमी बनाया जा रहा है।इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती से समाज का समग्र विकास संभव है। DPM प्रकाश रंजन ने विभाग की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हर जरूरतमंद महिला तक योजना का लाभ पहुंचाया जाएगा। इस मौके पर सखी मंडल की दीदियां, BPM सतगावां, जिला के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। यह पहल कोडरमा में महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नई मिसाल बन रही है।

नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन

बोकारो : सहायक आयुक्त उत्पाद, बोकारो के निदेशानुसार गुप्त सूचना के आधार पर बोकारो जिला अंतर्गत सियालजोड़ी ओ.पी. थाना क्षेत्र के मूनदनिया बस्ती में छापामारी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान चारदीवारी से घिरे एक एस्बेस्टस निर्मित मकान में संचालित नकली विदेशी शराब बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया। छापामारी के दौरान उक्त स्थल से भारी मात्रा में तैयार विदेशी शराब के साथ-साथ नकली शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री जैसे खाली बोतलें, विभिन्न ब्रांड के स्टीकर, ढक्कन, कारमेल एवं पंचिंग मशीन आदि बरामद किए गए। इस मामले में पचौड़ा बस्ती, थाना हरला निवासी अभियुक्त इरफान अंसारी (पिता झ वारिश अंसारी) की संलिप्तता पाई गई है। अभियुक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, बोकारो में मामले दर्ज हैं, जिससे उसकी अवैध गतिविधियों में संलिप्तता की पुष्टि होती है। इस सफल छापामारी अभियान का नेतृत्व विनय कुमार सिंह (प्रशिक्षु निरीक्षक, उत्पाद) द्वारा किया गया। टीम में सन्नी विवेक तिर्की (अवर निरीक्षक, तेनुघाट), अमित कुमार गुप्ता (अवर निरीक्षक, सदर अंचल), महेश दास (अवर निरीक्षक, चंद्रपुरा सह बेरमो अंचल) एवं अधीनस्थ उत्पाद बल के जवान शामिल थे।

मरीजों को बेहतर इलाज देने पर जोर उपायुक्त ने चिकित्सकों के साथ की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में सरकारी चिकित्सकों एवं आयुष्मान भारत अंतर्गत नियुक्त चिकित्सकों के साथ एक आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी चिकित्सकों को निर्देश दिया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि चिकित्सक नियमित रूप से वार्ड का भ्रमण करें तथा मरीजों की भर्ती पर्ची एवं अभिलेखों का सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण संधारण करें, ताकि मरीजों का उपचार बेहतर ढंग से किया जा सके।बैठक में न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक एवं सामान्य सर्जन विभाग के चिकित्सकों द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर सुझाव प्रस्तुत किए गए। उपायुक्त ने इन सुझावों पर संज्ञान लेते हुए उपाधीक्षक को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक मरीजों का भर्ती सुनिश्चित किया जाए, ताकि आय एवं व्यय के बीच संतुलन बना रहे। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी मरीजों को समय पर दवा, जांच एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, उपाधीक्षक डॉ. रंजीत कुमार, चिकित्सक पदाधिकारी डॉ. कुलदीप सहित अन्य चिकित्सक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्थापना दिवस पर उपायुक्त ने दी शुभकामनाएं, उपलब्धियों को किया साझा

कोडरमा : 10 अप्रैल 1994 को स्थापित कोडरमा जिले के स्थापना दिवस के अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने सभी जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से लागू करते हुए जिले के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों को साझा करते हुए उपायुक्त महोदय ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में सम्पूर्ण शिक्षा कवच के तहत करीब 4 हजार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं कोचिंग दी जा रही है, वहीं प्रोजेक्ट रेल व प्रोजेक्ट प्रभाव में कोडरमा ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के तहत 12 हजार से अधिक मरीजों का नि:शुल्क उपचार किया गया तथा जिला राज्य में दूसरे स्थान पर रहा। ग्रामीण विकास में मनरेगा, बिरसा हरित ग्राम योजना एवं विभिन्न आवास योजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पोषण 2.0 योजना में जिला लगातार प्रथम रहा तथा प्रोजेक्ट किलकारी को स्कॉच पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। पर्यटन के क्षेत्र में तिलैया डैम को ग्रेड 'ए' का दर्जा मिला, वहीं खेल के क्षेत्र में जिले की बालिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर गौरव बढ़ाया। उपायुक्त ने कहा कि इन उपलब्धियों में जिलेवासियों का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है तथा आप सभी के सहयोग, विश्वास एवं सहभागिता से कोडरमा जिला विकास, समृद्धि और नई उपलब्धियों की ओर निरंतर अग्रसर है। आइए, मिलकर इसे और सशक्त, समृद्ध एवं प्रगतिशील बनाने का संकल्प लें।

रामगढ़ में बीएफसीएल का नि:शुल्क नेत्र शिविर, कर्मचारियों की उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग लिमिटेड (बीएफसीएल) द्वारा अपने एचएएसपी यूनिट परिसर में कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के नेत्र स्वास्थ्य की नियमित जांच सुनिश्चित करना और उन्हें समय पर चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराना रहा। शिविर में थर्ड आई क्लिनिक इरबा राँची के विशेषज्ञ चिकित्सक संकल्प परमार के नेतृत्व में टीम ने भाग लिया। उनके साथ ऑप्टोमेट्रिस्ट नेहा कल्पना और सहयोगी स्टाफ ने आधुनिक उपकरणों की मदद से कर्मचारियों की आंखों की गहन जांच की। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया। जांच के दौरान आंखों से जुड़ी सामान्य समस्याओं की पहचान की गई और जरूरतमंदों को उचित सलाह व उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। विशेष रूप से 45 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों को हर छह महीने में एक बार नेत्र जांच कराने की सलाह दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि समय पर जांच से मोतियाबिंद, दृष्टिदोष और अन्य गंभीर समस्याओं का शुरूआती चरण में ही पता लगाया जा सकता है। शिविर के दौरान कर्मचारियों को आंखों की देखभाल, संतुलित आहार और स्क्रीन टाइम कम करने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए।

मरकच्चो थाना में थाना दिवस पर कई मामलों का निष्पादन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो थाना परिसर में शुक्रवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया,जिसमें क्षेत्र के बिभिन्न गांवों से आये फरियादों की समस्यायों को गम्भीरता से सुना गया। इस दौरान भूमि विवाद, आपसी झगड़े, पारिवारिक विवाद सहित कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। थाना दिवस के मौके पर उपस्थित अंचलाधिकारी परमेश्वर कुशवाहा, थानाप्रभारी नन्दकिशोर तिवारी ने उपस्थित लोगों से कहा कि थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान करना है, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से न्यायालय का चक्कर नही लगाना पड़े। उनलोगों ने उपस्थित लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सीधे थाना में आकर अपनी शिकायत दर्ज कराए।कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने दोनों पक्ष को समझाकर कई मामलों में आपसी सहमति से समाधान कराया। वहीं कुछ मामलों को जांच के लिए सर्म्बंधित पदाधिकारियों को सौप दिया गया।

भदानीनगर पुलिस ने भटके दो मासूमों को परिवार से मिलाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भदानीनगर ओपी क्षेत्र में शुक्रवार को मानवता की एक सराहनीय तस्वीर देखने को मिली, जब पुलिस और स्थानीय लोगों की सतर्कता से भटके दो मासूम बच्चों को सकुशल उनके परिजनों तक पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, मतकमा चौक के पास दो नाबालिग बच्चे-अहान मुंडा (6 वर्ष) और विक्रांत मुंडा (7 वर्ष)- भटकते हुए पाए गए। आसपास के लोगों ने बच्चों को असहाय अवस्था में देखा तो तत्परता दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित भदानीनगर ओपी पुलिस के हवाले कर दिया। बच्चों के ओपी पहुंचते ही पुलिस ने बिना देर किए उनकी पहचान सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पूरे रामगढ़ जिले के थाना और ओपी में दोनों बच्चों की तस्वीर साझा की गई, ताकि परिजनों तक सूचना जल्द पहुंच सके। कुछ ही समय में बच्चों की तस्वीर देखकर उनके पिता अमर मुंडा, जो छतर मांडू आसन टोला क्षेत्र के निवासी हैं, ने भदानीनगर ओपी से संपर्क किया। पुलिस ने उन्हें पूरी जानकारी दी, जिसके बाद वे तुरंत ओपी पहुंचे। ओपी पहुंचने पर दोनों बच्चों ने अपने पिता को पहचान लिया। इस भावुक क्षण के बाद पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए बच्चों को सुरक्षित उनके पिता को सौंप दिया। अमर मुंडा ने बताया कि दोनों बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे और अनजाने में भटकते हुए भदानीनगर क्षेत्र तक पहुंच गए। उन्होंने बच्चों के सुरक्षित मिलने पर स्थानीय लोगों और पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। इस पूरे घटनाक्रम में स्थानीय नागरिकों की जागरूकता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया। यह घटना समाज में सहयोग और जिम्मेदारी की भावना का उदाहरण बनकर सामने आई है।

भुरकुंडा में ट्रेन की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत, ट्रैक पार करते समय हादसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भुरकुंडा क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे ने इलाके को झकझोर कर रख दिया। भुरकुंडा रेलवे स्टेशन के समीप लपंगा इलाके में रेलवे लाइन पार करने के दौरान एक व्यक्ति तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद रेलवे लाइन पर शव पड़े होने की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद भदानीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब पतरातू से बरकाकाना की ओर जा रही शक्तिपुंज एक्सप्रेस की चपेट में व्यक्ति आ गया। यह घटना रेलवे पोल संख्या 112/12 के पास हुई, जहां ट्रैक पार करते समय व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। मृतक की पहचान राकेश कुमार (लगभग 49 वर्ष) के रूप में की गई है, जो पीडब्ल्यूआई मेट के रूप में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि वह स्थानीय बाजार से सब्जी खरीदकर लौट रहा था और लपंगा के पास रेलवे लाइन पार कर रहा था, तभी यह हादसा हो गया। पुलिस के अनुसार, मृतक बिहार के मधुबनी जिले का निवासी था और कार्य के सिलसिले में इस क्षेत्र में रह रहा था। घटना के बाद शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस हादसे के बाद एक बार फिर रेलवे ट्रैक पार करने की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जगहों पर सुरक्षित पारपथ या चेतावनी व्यवस्था की कमी के कारण ऐसे हादसे लगातार होते रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। अचानक हुई इस दुर्घटना ने एक परिवार को गहरा आघात पहुंचाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि रेलवे लाइन पार करते समय थोड़ी सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। ऐसे में जहां लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है, वहीं प्रशासन और रेलवे को भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने की जरूरत है।

चुटूपालू घाटी में थमती नहीं मौत की रफ्तार : 15 दिन में सुधार नहीं तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : चुटूपालू घाटी में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। आए दिन हो रही हादसों में लोगों की जान जाने से यह क्षेत्र अब आम लोगों के बीच मौत की घाटी के रूप में कुख्यात होता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घाटी में सुरक्षा उपायों की भारी कमी है। तेज रफ्तार, तीखे मोड़ और अपर्याप्त ट्रैफिक नियंत्रण के कारण दुर्घटनाएं आम हो गई हैं। हर हादसा किसी न किसी परिवार को गहरा जख्म दे रहा है, लेकिन इसके बावजूद हालात में सुधार नहीं दिख रहा। इस गंभीर स्थिति को लेकर रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति ने कड़ा रुख अपनाया है। संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटुस ने प्रेस बयान जारी कर प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

15 दिन का अल्टीमेटम, नहीं तो होगा चरणबद्ध आंदोलन

धनंजय कुमार पुटूस ने साफ शब्दों में कहा कि प्रशासन को 15 दिनों का समय दिया जा रहा है। इस अवधि के भीतर घाटी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, संकेतक बोर्ड, स्पीड कंट्रोल और अन्य जरूरी उपाय लागू नहीं किए गए, तो संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाएगा।

हस्ताक्षर अभियान से धरना-प्रदर्शन तक की तैयारी

प्रस्तावित आंदोलन के तहत हस्ताक्षर अभियान, धरना, प्रदर्शन और अन्य लोकतांत्रिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगठन का कहना है कि यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और जीवन से जुड़ी है। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद प्रशासन की ओर से ठोस पहल नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब तक कोई बड़ा हादसा सुर्खियां नहीं बनता, तब तक व्यवस्था की नींद नहीं टूटती। सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि चुटूपालू घाटी में तत्काल प्रभाव से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को अपनों को खोने का दर्द न सहना पड़े। आने वाले 15 दिन प्रशासन के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो चुटूपालू घाटी का यह मुद्दा बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

संक्षिप्त खबरें

कोडरमा थाना क्षेत्र के जमीन पर कब्जा, मारपीट और न्याय के लिए दर-दर भटक रही महिला

कोडरमा : थाना क्षेत्र की रहने वाली मंजू देवी, जिनके पति स्वर्गीय विक्रम भुइयां ने अपनी ही जमीन पर दबंगों द्वारा कब्जा किए जाने, मारपीट करने और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने इस मामले में एससी/एसटी थाना में केस भी दर्ज कराया है, लेकिन अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से वह परेशान हैं। मंजू देवी ने बताया कि उनकी लगभग साढ़े छह डिसमिल जमीन पर कुछ लोगों ने जबरन कब्जा कर लिया है और वहां मकान निर्माण भी शुरू कर दिया है। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना के बाद उन्होंने फरवरी माह में एससी/एसटी थाना में मामला दर्ज कराया। पीड़िता का आरोप है कि थाना में पहले समझौते के नाम पर 20 हजार रुपये लेकर मामला खत्म करने का दबाव बनाया गया। उन्होंने समझौता करने से इनकार कर दिया और लिखित रूप से न्याय की मांग की। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाद में उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा 10 हजार रुपये भी ले लिए गए, यह कहकर कि उनका काम करवा दिया जाएगा, लेकिन अब तक न जमीन वापस मिली और न ही आरोपियों पर कार्रवाई हुई। मंजू देवी ने बताया कि उन्होंने एसपी और डीएसपी सहित कई वरीय अधिकारियों से भी गुहार लगाई, लेकिन कहीं से कोई ठोस पहल नहीं हुई। इस बीच आरोपित लोग लगातार जमीन पर निर्माण कार्य कर रहे हैं। पीड़िता की मांग है कि उनकी जमीन उन्हें वापस दिलाई जाए, निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगे और दोषियों की गिरफ्तारी की जाए। उन्होंने प्रशासन से जल्द न्याय दिलाने की अपील की है।

सतपुलिया एनएच-20 पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर, महिला गंभीर

झुमरी तिलैया : सतपुलिया एनएच 20 के पास सड़क पार कर रही एक महिला को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गई। जानकारी अनुसार महिला सड़क पार कर चुकी थी, तभी बाइक सवार ने धक्का मार दिया और मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में महिला के दोनों पैर टूट गए। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर हालत देखते हुए रांची रेफर कर दिया गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर और स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राम सहाय यादव उम्र 85 वर्ष के हृदय गति रुकने से देहांत

जयनगर : प्रखंड अंतर्गत ग्राम दलदलीया पिपचो निवासी इन्हें भाजपा में चचवा के नाम से भी जाने जाते थे। इनका देहांत हृदय गति रुकने से हो गया। इनका देहांत का खबर सुनकर उनके पैतृक आवास पहुंचे विधायक अमित कुमार यादव, जिला परिषद सदस्य केदारनाथ यादव, सांसद प्रतिनिधि किशुन यादव, जिला परिषद प्रतिनिधि देवनारायण यादव, पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम, मुखिया रामेश्वर यादव, बिंदेश्वरी प्रसाद बिहारी,भाजपा मंडल अध्यक्ष परसाबाद चंदन पासवान, जयनगर महावीर यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय राणा, वीरेंद्र मोदी, अरुण राणा, मुन्ना यादव, महेश यादव, उमेश यादव, कौसर खान, लक्ष्मण पंडित, शहादत अंसारी, रामसहाय यादव डीलर, जितेंद्र कुमार यादव,राजकुमार यादव, रामेश्वर भूईयां, प्रदीप साव, धनेश्वर चौधरी, सरयू महतो, सरयू यादव,राधेश्याम यादव, सहदेव यादव, रामजी मोदी, सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित किये। विधायक अमित कुमार यादव ने कहे कि भाजपा के एक स्तंभ थे, यह क्षेत्र के अभिभावक के रूप में जाने जाते थे। जिनकी भरपाई करना बहुत ही कठिन होगा।

बालिका उच्च विद्यालय मरकच्चो में शिक्षकों के साथ एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर हुई बैठक

मरकच्चो : प्रखंड में एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर आज प्रखंड अंतर्गत परियोजना बालिका उच्च विद्यालय मरकच्चो में शिक्षकों के साथ एक बैठक की गई । साथ ही साथ संबंधित उम्र की बच्चियों को वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक एवं उन्हें मोटिवेट करने के उद्देश्य से मेडिकल टीम के साथ उन्हें इसके लाभ के बारे में बताया गया। उन्हें यह भी बताया गया कि ये जीवन सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण है। विदित हो कि एचपीवी का वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव एवं सुरक्षा हेतु 14 से 15 वर्ष की बच्चियों को दिया जाना है। इसका शुभारंभ मरकचो प्रखंड में 30 मार्च को हुआ। यह 30 मार्च से लेकर 30 जून तक लगातार चलेगा। इस दौरान जिला प्रशासन का स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी बच्ची छूट न जाए। उन्हें यह भी बताया गया कि प्रतिदिन यह वैक्सीन मरकच्चो स्थित सामुदायिक अस्पताल केंद्र में दिया जा रहा है। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो के साथ संबंधित विद्यालय के शिक्षक गण, मेडिकल टीम एवं सुरक्षा अभियान के बीपीओ उपस्थित रहे।

रामगढ़ में ट्रांसजेंडर प्रतिभागियों को मिला कौशल प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र

रामगढ़ : रामगढ़ समाहरणालय सभाकक्ष में ट्रांसजेंडर समुदाय के सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 16 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक आयोजित ब्यूटीशियन प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद आयोजित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना था। कार्यक्रम के दौरान 14 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समारोह में ममता देवी, फैज अक अहमद मुमताज, आशीष अग्रवाल और गीतांजलि कुमारी सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विधायक ममता देवी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे प्रतिभागियों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ट्रांसजेंडर समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे प्रतिभागी स्वरोजगार के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे। उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के कौशल विकास कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। अपर समाहर्ता गीतांजलि कुमारी ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास और मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें अपने कौशल का बेहतर उपयोग कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

एक नजर

मुख्यमंत्री के नाम प्रतिनिधि मंडल ने बंगला अकादमी के गठन को मांग पत्र सौंपा

पटमदा : पटमदा प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से राज्य के मुख्यमंत्री के नाम एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा बंगला अकादमी गठन करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में अंकित मांगो में विधानसभा सत्र में धनबाद जिला के निरसा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरूप चटर्जी द्वारा राज्य में बांग्ला अकादमी के गठन की मांग उठाया गया था।वही तत्कालीन बिहार सरकार में 1986 साल में बांग्ला अकादमी की स्थापना की गई थी। जो वर्तमान में सक्रिय है। राज्य के 24 जिले में 16 जिले में बंगला भाषा बहुल क्षेत्र में बंगला भाषा बोली जाती है। राज्य गठन के 25 साल पूर्ण होने के बाद भी बंगला भाषा संस्कृति,सभ्यता के रक्षा को लेकर कोई पहल नहीं हुई हैं। वही कई अन्य मांग भी ज्ञापन में शामिल हैं। ज्ञापन सौंपते वालो में गिरजा प्रसाद मिश्रा,मृत्युंजय महतो,गोपाल गोराई,जगदीश मंडल,भीष्म नाथ महतो आदि उपस्थित थे।

घरेलू विवाद में युवक ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के तांतनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत कोकचो गांव में घरेलू विवाद के बाद एक युवक ने फंदे से लटकर कर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान हरिचरण जोंको (32) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरिचरण जोंको मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

बीएसएल के सीटीएस विभाग में केंद्रीकृत ऑफलाइन ऑयल फिल्ट्रेशन यूनिट का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र में ऑयल फिल्ट्रेशन की प्रक्रिया को आधुनिक बनाने तथा परिचालन दक्षता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज 'केंद्रीकृत ऑफलाइन ऑयल फिल्ट्रेशन यूनिट' का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अत्याधुनिक इकाई का उद्घाटन मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक अरविंद कुमार, मुख्य महाप्रबंधक शरद गुप्ता तथा मुख्य महाप्रबंधक पीतांबर चौधरी के साथ सीटीएस विाग के अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। संयंत्र

की इस केंद्रीकृत प्रणाली के प्रथम चरण में हॉट स्ट्रिप मिल, कोल्ड रोलिंग मिल-III, कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स, आरएमएचपी, आरएमपी, ब्लास्ट फर्नेस, सिन्टर प्लांट, टीबीएस, कोल्ड रोलिंग मिल-1 एवं 2 तथा स्टील मेल्टिंग शॉप (न्यू) सहित कुल 10 प्रमुख विभागों को सम्मिलित किया गया है। इस उद्घाटन कार्यक्रम का सफल समन्वय सीटीएस विभाग के वरीय प्रबंधक श्री कृष्ण राय द्वारा किया गया। इस अभिनव पहल के माध्यम से हाइड्रोलिक ब्रेकडाउन में प्रभावी कमी आएगी और मशीनों तथा हाइड्रोलिक प्रणालियों की कार्यक्षमता एवं आयु में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ने से अनुरक्षण लागत में कटौती होगी और तेल की खपत कम होने से कंपनी की प्रत्यक्ष लागत को कम करने में भी सहायता मिलेगी। यह महत्वपूर्ण पहल बोकारो इस्पात संयंत्र की तकनीकी उत्कृष्टता और संसाधनों के इष्टतम उपयोग के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उच्च गुणवत्ता वाले तेल निस्पंदन के माध्यम से मशीनों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करना संयंत्र की समग्र उत्पादकता और परिचालन निरंतरता को बनाए रखने की दिशा में एक दूरगामी कदम सिद्ध होगा।

संक्षिप्त खबरें

हंस चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पटमदा में संचालित होगा निशुल्क प्रशिक्षण केंद्र

पटमदा : पटमदा प्रखंड जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में युवाओं को उच्च शिक्षा में अपना हुनर दिखाने के उद्देश्य से एक जेपीएससी की तैयारी करवाने के उद्देश्य से नि:शुल्क प्रशिक्षण केंद्र संचालित किया जाएगा। जानकारी देते हुए ट्रस्ट के शिव प्रसाद चौबे ने बताया कि कल्याण विभाग के सहयोग से हमारी ट्रस्ट से कोल्हान के सभी जिले में निशुल्क अध्ययन केंद्र संचालित करने का संकल्प किया गया हैं। जिसमें सभी जिले के कुल एक सौ एससी, एसटी ,ओबीसी अभ्यर्थियों को निशुल्क अध्ययन करवाकर तैयार किया जाएगा। वही पूर्वी सिंहभूम के लिए पटमदा प्रखंड का चयन किया गया हैं। आगामी 26 अप्रैल को इंट्रेंस टेस्ट लिया जाएगा। वही 5 मई को परिणाम और दस मई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगा। हंस चेरिटेबल ट्रस्ट के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क अध्ययन केंद्र संचालित करने की पहल को पटमदा अंचलाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास ने सराहना करते हुए मार्ग दर्शन के क्षेत्र में एक बेहतर कदम बताया।

बोकारो एयरपोर्ट और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर हेतु राज्यपाल से मिले कुमार अमित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में नवनिर्मित एयरपोर्ट से यात्री विमान का परिचालन प्रारंभ करने और प्रस्तावित अमृतसर कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को धरातल पर उतारने की मांग को लेकर भाजपा नेता कुमार अमित ने रांची लोकभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की। कुमार अमित ने इस सम्बन्ध में राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया और इस सम्बन्ध में विशेष पहल करने की मांग की। बोकारो स्टील प्लांट के स्थगित विस्तारीकरण को प्रारम्भ करने में लोकभवन के द्वारा महत्वपूर्ण पहल करने हेतु राज्यपाल संतोष गंगवार को कुमार अमित ने मोमेंटो दे कर बोकारो वासियों की ओर से आभार भी प्रकट किया। कुमार अमित ने राज्यपाल से कहा कि 100 करोड़ की लागत से तैयार हुए बोकारो

एयरपोर्ट से यात्री विमान के परिचालन प्रारंभ नहीं होने से नवनिर्मित आधारभूत संरचना रख रखाव के अभाव में खराब हो रहा है। बोकारो सहित आसपास की जनता बेसब्री से यहां यात्री विमान का परिचालन प्रारंभ होने का इंतजार कर रही है। इससे यहां विकास का मार्ग भी प्रशस्त होगा इसी प्रकार बोकारो में प्रस्तावित अमृतसर कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के धरातल पर आने से यहां के विकास को गति और युवाओं को रोजगार मिलेगा। कुमार अमित ने राज्यपाल को बोकारो स्टील सिटी कॉलेज, चास कॉलेज सहित जिलों के अन्य कॉलेज भवनों की जर्जर स्थिति से अवगत कराते हुए इन कॉलेजों में नए भवन निर्माण और अध्यापको की कमी को दूर करने के लिए इसकी नियुक्ति प्रक्रिया तेज करने की मांग की। राज्यपाल संतोष गंगवार ने इन विषयों को गम्भीरता से लेते हुए इस दिशा में आवश्यक पहल करने का आश्वासन भी दिया।

आगुईडांगरा में राधा नाम का श्रवण करने उमड़े श्रद्धालु

पटमदा : पटमदा पंचायत के आगुईडांगरा ग्राम में आखड़ा हरिमंदिर परिसर में आयोजित राधा नाम संकीर्तन में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ा रहा। पंचायत वासियों सहित आसपास के सभी ग्रामों के श्रद्धालु राधानाम का श्रवण करने पहुंचे। इस दौरान प्रमुख बालिका सोरेन,मुखिया परमेश्वर सिंह,समाजसेवी पूर्ण सिंह, पेलाराम सिंह,खगेन महतो, ग्राम प्रधान बाघाम्बर सिंह, कराली महतो, निरंजन रजक ,अमूल्य रजक सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
विशेष कार्य प्रमण्डल भवन निर्माण विभाग, राँची।
Mail:-splworksdivbcdrnc@gmail.com
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–02/2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम :– कार्यपालक अभियंता, विशेष कार्य प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक–23.04.2026 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–24.04.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–24.04.2026 को अपराह्न 3.30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय,छोटानागपुर भवन अंचल संख्या–1, भवन निर्माण विभाग, राँची। (ख)कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग राँची।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
7. निविदाधीन कार्य का विवरण :–

क्र. सं	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0)	अग्रधन की राशि (रू0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Fencing and Additional Repair work of MTNL Residential Quarter No-67,415,479,537,551, 600 & 659 (Type-2) at R.K.Puram, Sector-6, New Delhi	9,53,200/-	19,100/-	1250/-	3Months

8. निविदा की शर्ते prdjharkhand.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है ।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता
विशेष कार्य प्रमण्डल, भ0 नि0 वि0राँची।

PR 377151 Building(26-27)D

श्याम बाबा का सजा भव्य दरबार भक्ति भजनों पर झूमे श्रोता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया स्थित एसीआर गार्डन में गुरुवार की खाटू वाले श्याम का भविष्य दरबार सजाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंत्र उच्चारण के साथ श्याम बाबा का ज्योति जलाए गया। भव्य श्रृंगार के पश्चात सवामणि भोग तथा 56 भोग लगाए गए। तत्पश्चात स्थानीय गायक कलाकार पंकज अग्रवाल द्वारा गणेश वंदना के साथ भजन संध्या की प्रस्तुति प्रारंभ की गई। वही जयपुर से आए भजन कलाकार आयुष सोमानी और कोलकाता से आए राजगुरु की टीम द्वारा एक से एक भक्ति गीत प्रस्तुत की गई। जिसमें कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है; सजा दो घर को गुलशन सा मेरे सरकार आए हैं; भक्तों ने मिलजुल कर दरबार सजाया है; हाथों में लेकर निशान चला रे मैं तो अपने बाबा के द्वारा चला रे जैसे भजनों पर

श्रोता झूम उठे। रात भर भजनों का कार्यक्रम चला रहा। कलाकारों ने अपने भक्ति भजनों से समां बांधे रखा जिस कारण श्रोता रात भर भजनों की बोल पर झूमते रहे। धमाल का प्रदर्शन किया। राजस्थानी परंपरा के अनुसार कलाकारों ने चंग धमाल की आकर्षक प्रस्तुति दी. कार्यक्रम की समाप्ति प्रातः 3:00 बजे महा आरती हुई। महाप्रसाद का वितरण हुआ। लोगों ने श्याम बाबा का आशीर्वाद ग्रहण किया। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा आयोजित इस 15 वें श्री श्याम महोत्सव को सफल करने हेतु हजारीबाग,धनबाद, गिरिडीह, रामगढ़, राजधनवार, इसरी, पारसनाथ बगोदर, आसनसोल, फुसरो सहित विभिन्न शहरों से श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी लगाकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई.मौके पर पूर्व सांसद डॉ रविंद्र कुमार राय, पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह, सरिया नगर पंचायत अध्यक्ष शोभा देवी, उपाध्यक्ष सुशील मंडल, सरिया प्रखंड प्रमुख प्रीति कुमारी, सरिया मध्य जिप सदस्य अनूप कुमार पांडेय ,अंचलाधिकारी संतोष कुमार सहित हजारों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हरी नाम संकीर्तन में शामिल हुए हरेलाल महतो, क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कुकड़ू प्रखंड के कुकड़ू सार्वजनिक हरी नाम संकीर्तन में शुक्रवार को आजसू पार्टी के केन्द्रीय महासचिव हरेलाल महतो उपस्थित हुए। उन्होंने तीन दिवसीय हरी नाम संकीर्तन में माथा टेककर क्षेत्र की मंगल कामना किया। हरी नाम संकीर्तन में बंगाल एवं झारखंड के 6 संकीर्तन मंडली भाग लिया। वहीं आजसू के केन्द्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने कहा कि हरी नाम संकीर्तन से मन को शांति मिलती है, गांव में आपसी भाईचारा एवं मन पवित्र होता है। उन्होंने कहा कि सामुहिक रूप से इस तरह का आयोजन से धार्मिक वातावरण को बढ़ावा देने में बल मिलता है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची

ई0 प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

T. Reference No. :- 01/2026-27 Date 09.04.2026

Si. No.	Name of Work	Estimated Cost (in Lakhs.)	Bid Security	Cost of BOQ (Rs.)	Time of Completion
1.	Supplying, Laying of 150mm dia, 100mm dia D.I. pipe near Jgarnath pur mandir to State Command Control Central Building Sump with all special, fitings air valves, sluice valve, chamber etc Dhurwa Under D.W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	29,83,790.00	60000.00	5000.00	3 Month
2.	Date of Tender Uploading on Website	16.04.2026/02.00 PM.			
3.	Document Download / Sale Start Date	16.04.2026/02.00 PM.			
4.	Bid Submission Start Date	16.04.2026/02.00 PM.			
5.	Document Download / Sale End Date	22.04.2026/04.00 PM.			
6.	Bid Submission End Date	22.04.2026/04.00 PM.			
7.	Date of Opening of Tender	24.04.2026/04.00 PM.			
8.	Name & Address of Office Inviting Tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi East, Ranchi.			
9.	Name & Address of Opening Officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi East, Ranchi.			
10.	Contact No. Of Procurement Office	0651-3560890			
11.	Helpline No. Of e-procurement cell	0651-3560890			

नोटः– 1. निविदा की राशि घट बढ सकती है। विशेष जानकारी के लिये वेबसाईट – http://jharkahndtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची

PR 377187 Drinking Water and Sanitation(26-27)#D

बसंत ऋतु के सुअवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में झुमे दर्शक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : प्रखंड क्षेत्र के तुता ग्रामीणों द्वारा शुक्रवार को बसंत ऋतु के सुअवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, मुर्गा लड़ाई एवं छऊ नृत्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान कार्तिक सिंह मुण्डा, पंसस प्रतिनिधि व्यासदेव महतो, झामुमो नेता गुप्तेश्वर महतो, समाजसेवी विश्वनाथ उरांव, कार्तिक पांडे, एआईएस एमजेडब्लूए पत्रकार संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अरूण माझी आदि ने फीता काट कर किया। वहीं गुप्तेश्वर महतो ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृति हमारी पहचान है, इसे संजोए रखना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम में गोलाप कड़ी झुमर अखाड़ा के सेखा

रानी झाड़ग्राम बंगाल के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। शिल्पी बिप्लव, प्रतिमा, ममता एवं कलाकारों ने एक से बढ़कर एक झुमुर संगीत व नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। झुमर नृत्य व गीत प्रस्तुत कर लोगों को जमकर झुमाया। नृत्य का एक झलक पाने को लोग आतुर देखें गए। वहीं बंगाल के पुरूलिया आदाबना के पद्मश्री नेपाल महतो, बालीगाड़ा के उस्ताद निपेन सहिस एवं दल के बीच मानभूम शैली का छऊ नृत्य का प्रदर्शन किया गया। मौके पर झामुमो नेता गुप्तेश्वर महतो, समाजसेवी विश्वनाथ उरांव, ग्राम प्रधान कार्तिक सिंह मुण्डा, सपन बर, उमेश महतो, लालटू महतो,बिष्णु चरण महतो, शरत बंसरियार,कृष्ण चंद्र महतो, महादेव सिंह मुंडा, मनोहर महतो, खुदीराम महतो, पीतर बर, मनोरंजन महतो, प्रमानंद महतो आदि उपस्थित थे।

कार्यालयः–जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजना हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार का पत्रांक सं0 j–01013/48/2024–Fy दिनांक– 14.01.2025 एवं मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची का पत्रांक सं0 469, दिनांक– 09.04.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए **भारत सरकार द्वारा केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अधीन जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा ''धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्श अभियान (Dharti Aaba Janjatiya Gram Utkarsh Abhiyan-DAJGUA)'' नई योजना वित्तीय वर्ष 2024–25 से 2028–29** के लिए प्रारंभ की गई है। इसमें केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित भारत सरकार के विभिन्न योजनाओं के समन्वित दृष्टिकोण और अभिशरण के माध्यम से बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करके जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों के व्यापक विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य जनजातीय बहुल गाँव और आकांक्षी प्रखण्डों (Aspirational Block) जनजातीय परिवारों को अधिकाधिक कवरेज करते हुए उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। इस योजना हेतु दिनांक– 25.04.2026 तक आवेदन आमंत्रित की जाती है। आवेदन पत्र कार्यालय अवधि में प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन वांछित दस्तावेजों के साथ समर्पित कर सकते हैं। **दस्तावेजों की सूची** (आवश्यकता अनुसार):– जमीन का अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत/सत्यापित भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र, आवेदक के साथ जमीन का GPS फोटो, वंशावली, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय/स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, मत्स्य विभाग से प्रशिक्षण प्राप्त करने का प्रमाण पत्र इत्यादि।

क्र0 सं0	योजना का नाम	इकाई	इकाई लागत (लाख रू0 में)	सरकार द्वारा निर्धारित अनुदान की राशि (लाख रू0 में)	
				अनु0ज0जा0 (इकाई लागत का 90%)	अंशदान (इकाई लागत का 10%)
1	कार्प हैचरी अधिष्ठापन कार्य	सं0 में	25.00	22.50	2.50
2	नए रियरिंग तालाब का निर्माण (नर्सरी/बीज रियरिंग तालाब)	हे0 में	7.00	6.30	0.70
3	नये ग्रो आउट तालाब का निर्माण	हे0 में	7.00	6.30	0.70
4	मिश्रित मत्स्य पालन, पंगेशियस एवं तिलापिया पालन आदि के लिए इनपुट (उपरोक्त अंकित नये ग्रो–आउट तालाबों का निर्माण में)	हे0 में	4.00	3.60	0.40
5	बायोफ्लॉक तालाबों का निर्माण (4 लाख रू0 प्रति हे0 इनपुट सहित)	0.1 हे0	14.00	12.60	1.40
6	बैकयॉर्ड सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछलियों की रियरिंग इकाई	सं0 में	3.00	2.70	0.30
7	माध्यम आकार के सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछलियों की रियरिंग इकाई	सं0 में	8.00	7.20	0.80
8	माध्यम आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (कम से कम 30 घन मीटर प्रति क्षमता वाले 06 टन/ 10 टन/कार्प मछली उत्पादन की क्षमता)	सं0 में	25.00	22.50	2.50
9	04 मी0 व्यास एवं 1 मी0 उँचाई के 25 टैंक वाले माध्यम बायोफ्लॉक की स्थापना कुल क्षमता	सं0 में	25.00	22.50	2.50
10	छोटे आकार के आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (100 घन मीटर क्षमता का 01 टैंक)	सं0 में	7.50	6.75	0.75
11	04 मी0 व्यास एवं 1.5 मी0 उँचाई के 7 टैंक वाले बायोफ्लॉक की स्थापना	सं0 में	7.50	6.75	0.75
12	बैकयॉर्ड मिनी आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना	सं0 में	0.50	0.45	0.05
13	जलाशयों में केज अधिष्ठापन	सं0 में	3.00	2.70	0.30
14	आर0एफ0एफ0/पेन कल्चर द्वारा मत्स्य पालन	हे0 में	3.00	2.70	0.30
15	कम से कम 10 टन क्षमता वाले शीत गृत (कोल्ड स्टोरेज आई सप्लांट निर्माण)	सं0 में	40.00	36.00	4.00
16	रेफ्रिजेरेटर वाहन (6–10 मेट्रिक टन क्षमता)	सं0 में	25.00	22.50	2.50
17	इन्सुलेटेड वाहन (6–10 मेट्रिक टन क्षमता)	सं0 में	20.00	18.00	2.00
18	आईस बॉक्स के साथ मोटर साइकिल	सं0 में	0.75	0.675	0.075
19	आईस बॉक्स के साथ साईकिल	सं0 में	0.10	0.09	0.01
20	मछली बिक्री के लिए आईस बॉक्स के साथ तीन पहिया वाहन (ई–रिक्शा) भी	सं0 में	3.00	2.70	0.30
21	जिंदा मछली बिक्री केन्द्र	सं0 में	20.00	18.00	2.00
22	लघु फीश फीड मिल (प्रतिदिन 02 टन उत्पादन क्षमता प्रतिदिन)	सं0 में	30.00	27.00	3.00
23	फिश कियोस्क का निर्माण (सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछली एवं एक्वेरियम सहित)	सं0 में	10.00	9.00	1.00
24	Bivalve cultivation (पर्ल कल्चर) भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किए जाने पर	सं0 में	0.20	0.18	0.02
25	जलाशयों में मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन @1000 अंगुलिकाएँ प्रति हे0 (3.00 रू0 प्रति अंगुलिकाओं हेतु)	हे0 में	Rs.@03/ Fingerling	Rs.@2.70/ Fingerling	Rs.0.30/ Fingerling
26	मछली का मूल्य सवंर्धित इकाई (फिश वैल्यू एडेड इन्टरप्राइजेज)	सं0 में	50.00	45.00	5.00
27	Traditional Fishermen के लिए नाव (replacement) एवं जाल	सं0 में	5.00	4.50	0.50

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
सिमडेगा।

PR 377185 (Simdega) 26-27 (D)

उपेक्षित आबादी बनाम वैश्विक एजेंडा: असली मुद्दे क्यों ओझल हो रहे हैं?

भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य जितना विशाल है, उतना ही जटिल भी है। इस जटिलता के बीच आज हमारे सामने दो वास्तविकताएँ खड़ी हैं। पहली, भारत के ग्यारह करोड़ से अधिक घुमन्तु, अर्धघुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजाति समुदाय जिन्हें डीएनटी, एनटी और एसएनटी के रूप में भी जाना जाता है, जोकि आज भी पहचान, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवाधिकारों की बुनियादी लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर एलजीबीटीक्यू प्लस समुदाय का मुद्दा है, जिसकी जनसंख्या लगभग पाँच से छह लाख मानी जाती है, किन्तु राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विमर्श में उसकी उपस्थिति अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जा रही है। एक ओर इतनी विशाल आबादी है जो अदृश्य बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर एक छोटा समुदाय वैश्विक एजेंडों और वित्तीय तंत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय बहस को प्रभावित कर रहा है। इस विरोधाभास ने एक बड़ा प्रश्न खड़ा किया है कि क्या हमारे राष्ट्रीय मुद्दों पर वैश्विक एजेंडों का कब्जा हो रहा है। भारत का जनजाति समाज गौरव, संघर्ष और उपेक्षा की एक लंबी कहानी अपने भीतर समेटे हुए है। भारत की जनजातियाँ, चाहे वे अनुसूचित जनजाति हों या घुमन्तु और अर्धघुमन्तु समुदाय, सदियों से भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग रही हैं। उनकी विवाह परम्पराएँ, कृषि-कौशल, वन-ज्ञान, संगीत और नृत्य की परम्परा, आत्मनिर्भर जीवन शैली और सांस्कृतिक स्वायत्तता, ये सभी भारतीय समाज के मूल स्वरूप से ही उत्पन्न हुए हैं, लेकिन औपनिवेशिक दौर में इनके परिचय को लेकर जान-बूझकर भ्रम पैदा किया गया। मैक्समूलर और मैकाले जैसे विद्वानों ने इंडीजिनस, एबोरिजिनल और ट्राइब जैसे विदेशी शब्दों को थोपकर भारतीय जनजाति समाज को मुख्यधारा से अलग दिखाने का प्रयास किया। ब्रिटिश शासन के लिए इसका उद्देश्य स्पष्ट था, वन-संपदा, खनिज और भूमि पर अपना अधिपत्य स्थापित करना। उद्योगों के विस्तार के नाम पर वन समुदायों के अधिकारों को कमजोर किया गया और क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट (1871) जैसे कानूनों ने पूरे के पूरे समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया। यह कलंक आज भी कई क्षेत्रों में सामाजिक व्यवहार का हिस्सा बना हुआ है। स्वतंत्र भारत में भी यह उपेक्षा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। रेंके कमीशन (2008) और इडेट कमीशन (2018) की रिपोर्टों के अनुसार देश में आठ से ग्यारह करोड़ के बीच घुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजातियाँ हैं, किंतु अब तक किसी भी जनगणना में इन्हें अलग श्रेणी के रूप में स्थान नहीं मिला है। सत्तर से अस्सी प्रतिशत लोगों के पास स्थायी पता, पहचान पत्र या आवास संबंधी दस्तावेज तक नहीं हैं। सरकारी योजनाएँ इन तक पहुँच ही नहीं पातीं, जिससे शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। रोजगार और आजीविका के अवसर भी इनके लिए बेहद सीमित हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब इतनी बड़ी आबादी अपनी बुनियादी पहचान तक से वंचित है, तब इसे राष्ट्रीय विमर्श में स्थान क्यों नहीं मिलता? इसके विपरीत एलजीबीटीक्यू प्लस विमर्श का वैश्विक स्तर पर तीव्र उत्थान देखा जा रहा है। यह स्वीकार करना आवश्यक है कि इस समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, सुरक्षा और संवैधानिक अधिकार मिलना चाहिए, क्योंकि यह किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की बुनियादी जिम्मेदारी है, किंतु जब हम तुलना के स्तर पर देखते हैं तो एक स्पष्ट असंतुलन सामने आता है। एक ओर पाँच से छह लाख की अनुमानित आबादी वाला समुदाय है, जिसे राष्ट्रीय विमर्श में अत्यधिक स्थान प्राप्त है, वहीं दूसरी ओर आठ से ग्यारह करोड़ की घुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजातियाँ हैं, जिन्हें लगभग नगण्य स्थान मिलता है। यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? अब इसे गहराई से समझें तो इसका एक उत्तर वैश्विक फंडिंग नेटवर्क में दिखाई देता है। फोर्ड फाउंडेशन, ओपन सोसाइटी फाउंडेशन्स, रॉकफेलर नेटवर्क, ह्यूमन राइट्स फंड, यूएनडीपी इन्क्लूजन फंड और वैश्विक कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व तंत्र जैसी संस्थाएँ भारतीय विश्वविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों, मीडिया मंचों, सांस्कृतिक आयोजनों और डिजिटल अभियानों में भारी निवेश कर रही हैं।

सूडोकु नवताल- 7761

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7760 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

सबरीमाला : संविधान और स्त्री-शक्ति का भारतीय विमर्श

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय समाज में धर्म, परंपरा और संवैधानिक मूल्यों का संबंध अत्यंत गहन और बहुआयामी है। सबरीमाला मामला इसी जटिल संबंध का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जहाँ एक ओर धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रश्न है, तो दूसरी ओर समानता, गरिमा और अधिकारों की संवैधानिक व्याख्या सामने आ खड़ी हुई। यह विवाद भले ही महिलाओं के मंदिर प्रवेश को लेकर शुरू हुआ है किंतु यह अपने आप में कई व्यापक अर्थ रखता है, जिसमें भारतीय स्त्री-विमर्श, सांस्कृतिक चेतना और न्यायिक दृष्टिकोण के बीच संवाद सभी कुछ समाहित है।

इस संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा जो निर्णय सुनाया गया, उस निर्णय के बीच सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं, उनका कहना है कि क्या मासिक धर्म के आधार पर महिलाओं के प्रवेश पर रोक 'अस्पृश्यता' की श्रेणी में आती है? न्यायमूर्ति नागरत्ना कहती है, 'इस मामले में 'अनुच्छेद 17' यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने तीन दिन तक तो महिला को 'अछूत' माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई 'अछूतपन' न रह जाए।'

न्यायमूर्ति नागरत्ना का यह कथन है कि 'भेदभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता' वास्तव में इस पूरे विमर्श का यही केंद्रीय बिंदु है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 17 समानता, भेदभाव-निषेध और अस्पृश्यता उन्मूलन की बात करते हैं, जबकि अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इस प्रकार, सबरीमाला प्रकरण इन संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन का प्रश्न बन जाता है।

इसी तरह से अन्य कुछ प्रश्न उठाने का कार्य यहां न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना दिखाई देती हैं, तब केंद्र सरकार की ओर से तुषार मेहता ने यह तर्क दिया कि सबरीमाला की परंपरा को 'अस्पृश्यता' कहना ऐतिहासिक रूप से उचित नहीं है, क्योंकि अस्पृश्यता मूलतः जाति-आधारित सामाजिक कुरीति रही है। उन्होंने इसे भगवान अयप्पा की नैष्ठिक ब्रह्मचर्य पर आधारित धार्मिक परंपरा बताया, जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। तब इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जिस रूप में सामने आया, वह है नारी का समग्रता से सम्मान।

अब प्रश्न यह है कि क्या भारतीय शास्त्रों में, ज्ञान परंपरा में, हिन्दू व्यवस्था में, सनातन धर्म में स्त्री का स्थान नीचा, ओछा या कमजोर है? इसका उत्तर सहज है कि बिल्कुल भी नहीं, बल्कि विश्व भर की प्राचीन सभ्यताओं में जो अद्यतन है, उनमें तुलनात्मक रूप से हिन्दू सनातन धर्म में स्त्री को अत्यधिक मान, बराबरी का हक दिया गया है। इस संबंध में देवी आराधना को देखा जा सकता है, जोकि भारत में सर्वत्र एक रूप में सर्वव्यापी है। यदि हम दुर्गा सप्तशती का अध्ययन करें, तो स्पष्ट होता है कि स्त्री ब्रह्मांड की मूल शक्ति के रूप में स्वीकार किया गया है। संपूर्ण दुर्गासप्तशती ही स्त्री महात्म, नारी समम्मान, श्रद्धा और उसके प्रति समर्पण से पूर्ण है।

'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥' (दुर्गा सप्तशती, अध्याय 5), इस प्रकार के मंत्रों की पूरी श्रृंखला है। विद्याः समस्तास्तव देवि भेदाः,स्त्रियः समस्ताः सकला जगत्सु। त्वयैकया पूरितमम्बयैतत, का ते स्तुतिः स्तव्यपरा परोक्तिः॥ के माध्यम से कहा गया है कि हे देवी! संसार की समस्त विद्याएं तुम्हारे ही भिन्न-भिन्न स्वरूप हैं। इसी प्रकार, विश्व की समस्त स्त्रियां (सकला जगत्सु - संसार में) तुम्हारा ही रूप हैं। हे अंब (माता)! इस पूरे जगत को तुमने ही आच्छादित (पूरित) किया है। तुम्हारी स्तुति भला कौन कर सकता है? तुम तो स्तुति के योग्य शब्दों से भी परे हो। कुल मिलाकर समस्त जगत में जो कुछ भी है, वह स्त्री-शक्ति से ही व्याप्त है। यही भारतीय दर्शन का मूल तत्व है जो हमें बताता है कि स्त्री ही सृष्टि की आधारभूत ऊर्जा है।

इसी भाव को देवी भागवत पुराण अभिव्यक्त करता है, 'त्वमेव सृष्टिः त्वमेव पालनं, त्वमेव संहारकारिणी।' अर्थात सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार–तीनों स्त्री-शक्ति के अधीन हैं। (स्कंध 1, अध्याय 8) । वैदिक साहित्य में भी स्त्री के इसी उच्च स्थान का उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद (मंडल 10, सूक्त 125) में वाक सूक्त के माध्यम से स्त्री स्वयं को ब्रह्मांड की अधिष्ठात्री शक्ति के रूप में प्रस्तुत करती है-

'अहं राष्ट्री संगमनी वसूनाम' ऋग्वेद (10.125.3) के 'वाक सूक्त' का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्र है, जो ज्ञानशक्ति (देवी वाक) की सर्वोच्चता बताता है। इसका अर्थ हुआ, मैं (वाक/शक्ति) राष्ट्र की स्वामिनी हूँ, समस्त धनों (वसूनाम्) को इकट्ठा करने वाली (संगमनी) हूँ और श्रेष्ठ ज्ञान रखने वाली (चिकितुषी) हूँ। इस प्रकार से यह सर्वोच्च चेतना या वाणी के रूप में स्वयं को राष्ट्र के ऐश्वर्य और ज्ञान का मूल बताती है।

मनुस्मृति में तो यहां तक कहा गया है कि 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।' (अध्याय 3, श्लोक 56)। जहां स्त्री की पूजा होती है, वहीं देवता निवास करते हैं। वस्तुतः कहना होगा कि यह श्लोक भारतीय समाज की मूल संरचना को दशार्ता है। आधुनिक विद्वान पैट्रिक ओलिवेल (Manu's Code of Law, पृ. 78) भी इसे स्त्री के सम्मान का प्रमाण मानते हैं।

हां, यह जरूर है कि अक्सर रामचरितमानस की एक चौपाई को लेकर भ्रम फैलाया जाता है। परंतु गोस्वामी तुलसीदास की भाषा और संदर्भ को समझे बिना उसका अर्थ निकालना उचित नहीं है। उक्त चौपाई में 'ताड़ना' का अर्थ अवधी में 'देखभाल' या 'संरक्षण' होता है। आचार्य रामचंद्र शुक्ल (हिंदी साहित्य का इतिहास, पृ. 214) इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं। अब प्रश्न यह है कि यदि भारतीय परंपरा स्त्री को इतना उच्च स्थान देती है, तो सबरीमाला जैसी परंपराएँ क्यों? इसका उत्तर सामाजिक और जैविक यथार्थ में निहित है। मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसमें महिलाओं को शारीरिक कष्ट, थकान और असुविधा होती है।

इस संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का 2022 का संदर्भ देख सकते हैं, जिसके अनुसार लगभग 70 फीसद महिलाएँ इस दौरान किसी न किसी प्रकार की पीड़ा अनुभव करती हैं। प्राचीन काल में स्वच्छता के साधनों के अभाव के कारण महिलाओं को विश्राम देने के उद्देश्य से कुछ परंपराएँ विकसित हुईं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि 'विश्राम हेतु अलग रखना' और 'अस्पृश्य मानना' दो अलग अवधारणाएँ हैं। भारतीय समाज में मूल भावना संरक्षण और स्वास्थ्य की थी, न कि भेदभाव की।

यहां यह भी समझना होगा कि देवता के दर्शन या उसके पास जाने के लिए तन और मन दोनों की पवित्रता की अनिवार्यता भारतीय परंपरा में अनवार्य बताई गई है, एक बार को हम स्त्री के संबंध में इस विमर्श को छोड़ भी दें तो क्या पुरुषों को यह अनुमति मिल सकती है कि वह मंदिर में जाए, यदि उसके जननांग से रुक-रुक कर मूत्र बूंद-बूद में शरीर के बारह आ रहा है, तो क्या वह स्वयं ही या उसके परिवार जन या मंदिर में यह जानकर की उसका उसके मूल विसर्जन पर अंकुश नहीं, क्या उसे मंदिर में प्रवेश मिलेगा? वैज्ञानिक भाषा में तो वह पानी ही तो है!

इसी तरह से मल त्याग या शरीर से लगातार थूक के निकलने एवं नाक का बहना है, होने को तो यह एक क्रिया ही है, क्या तब मंदिर में प्रवेश मिलेगा? सभी हिन्दू घरों में यह सामान्य परंपरा है जिसके लिए कोई किसी से कुछ नहीं कह रहा, स्नान के बाद पूजा करने से पूर्व घर के सदस्य चाहे जहां, इधर-उधर नहीं बैठते हैं। कोई बिना नहाए उनसे गले लगना भी चाहे तो उसे पूजा सम्पन्न होने तक इंतजार करना होता है। फिर यह सबरीमाला प्रकरण तो करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है।

अतः यहां समझना यही है कि भारतीय दर्शन हमें यह सिखाता है कि स्त्री स्वयं 'शक्ति' है। वह 'जननी' है, 'पालनकर्ता' है और 'सृष्टि की आधारशिला' है। 'स्त्री समस्ता सकला जगत्सु' यही भारतीय जीवन-दृष्टि का सार है। इसलिए आवश्यक है कि सबरीमाला जैसे विषयों पर निर्णय लेते समय संविधान की मर्यादा, शास्त्रों की गहराई और समाज की वास्तविकता इन तीनों को ही साथ लेकर चलना आवश्यक है। यही संतुलन भारतीयता की पहचान है और यही इस विमर्श का वास्तविक समाधान भी है।

भारतीयता में समाहित है वैश्विक कल्याण का मार्ग

प्रो. एस. के. सिंह

वर्तमान में अविश्वास की परतों से घिरी हुई विश्व व्यवस्था अनेक प्रकार के संघर्षों एवं अस्थिरताओं से जूझ रही है। ईरान बनाम अमेरिका-इजराइल युद्ध, अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई असंगत कार्यवाही, लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव एवं बढ़ती असहिष्णुता इस बात का प्रमाण है कि आज विश्व गहरे संकट से गुजर रहा है।

वस्तुतः पिछले कुछ समय की सैन्य गतिविधियों को देखकर तो ऐसा लग रहा है कि विश्व-व्यवस्था पूरी तरह से लड़खड़ा गई है एवं धीरे-धीरे दुनिया "जंगलराज" की ओर बढ़ रही है। टैरिफ को लेकर ट्रंप के अपरिपक्व एवं गैर-जिम्मेदार रवैये तथा पल-पल बदलते उनके बचकाने बयानों ने भूमंडलीकरण के मूल उद्देश्यों पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। जिस भूमंडलीकरण को परस्पर निर्भरता, वैश्विक सहयोग एवं साझा प्रगति का आधार माना गया था, आज वह कमजोर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इन विषम परिस्थितियों में भारतीय दर्शन, भारत की संस्कृति अर्थात "भारतीयता" एक ऐसा विकल्प है जो विश्व में स्थायी शांति, संतुलन, समन्वय एवं सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

हजारों सालों से पूरी पृथ्वी को एक मानने एवं मानवता के समग्र कल्याण पर आधारित "वसुधैव कुटुम्बकम", "सर्वे भवन्तु सुखिनः", "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" जैसे भारतीय सिद्धांतों में विकास और प्रगति का अर्थ किसी एक व्यक्ति या किसी एक राष्ट्र का हित नहीं बल्कि समग्र रूप में पूरी मानवता का कल्याण करना है, अर्थात "स्व" से "सर्व" की यात्रा ही भारतीयता है। भारतीयता के इस मूल भाव को भारतीय जीवन दृष्टि के विभिन्न पहलुओं में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

भारतीयता का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रकृति के साथ निकटता, सामंजस्य एवं संतुलन रखना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में वृक्षों, नदियों, पर्वतों एवं धरती को पूजनीय माना गया है, जिसमें यह मान्यता है कि प्रकृति के साथ समन्वय रखकर ही पृथ्वी को बचाकर जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है। सत्य, परोपकार, त्याग, दया, करुणा, अहिंसा, सहिष्णुता, नैतिकता, भक्ति, समर्पण, संयम और राष्ट्रप्रेम जैसे भारतीय जीवन मूल्य, मूल्य-आधारित भारतीयता की आत्मा हैं। कई तरह की विविधताओं के बावजूद "अनेकता में एकता" भी भारतीयता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। "साईं इतना दीजिए जामें कुटुम्ब समाय" अर्थात हमें उतना ही संचय करना चाहिए, जितना आवश्यक है।

भारतीय मूल्यों की यह गहन अभिव्यक्ति भारतीयता के उस पहलू को उजागर करती है जहां व्यक्तिगत और सामूहिक हित साथ-साथ चलते हैं। इसके विपरीत पाश्चात्य चिंतन के मूल में व्यक्ति, भौतिकता, बाहरी दुनिया एवं बाहरी उपलब्धियां हैं। इसलिए पश्चिम का मूल स्वभाव स्वार्थ है न कि सद्भाव। जिसके कारण कभी-कभी किसी एक व्यक्ति की अनैतिक एवं अनुचित महत्वाकांक्षाओं का खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ता है। ईरान, अमेरिका-इजराइल युद्ध के चलते पूरी दुनिया में इंटरनेट बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। अनगिनत लाभ के बावजूद अनियंत्रित लालच तथा विज्ञान एवं तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता हमारे विनाश का कारण भी बन सकती है। भारत का स्पष्ट मानना है कि विज्ञान का उपयोग मानवता एवं मानव कल्याण के लिए होना चाहिए न कि व्यक्तिगत लाभ तथा भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ एवं प्रभुत्व स्थापित करने के लिए। यही कारण है कि 16 से 20 फरवरी, 2026 को दिल्ली में आयोजित "इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026" की थीम "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" रखी गई थी। इसके पूर्व नई दिल्ली में ही आयोजित जी-20 के शिखर सम्मेलन की मुख्य थीम "वसुधैव कुटुम्बकम" थी, जिसमें वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का नारा दिया गया था।

स्पष्ट है कि भारत को जब भी दुनिया का नेतृत्व करने का अवसर मिला है, भारत ने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। चूंकि विस्तारवादी सोच की शुरूआत हमेशा लालच से होती है, इसलिए भारतीय चिंतन में इस सोच को कभी भी प्रश्रय नहीं दिया गया। आध्यात्मिकता भारतीय चिंतन की मूल विशेषता है, इसलिए भारतीयता के हर पहलू में हमें इसकी झलक दिखाई देती है। सदियों से भारत में शिक्षा को विद्या, छात्र को विद्यार्थी एवं शिक्षक को गुरु कहा जाता था। शिक्षा हमें बाहरी ज्ञान एवं जीवनयापन सिखाती है, जबकि विद्या एक आंतरिक गुण है जो कि हमारे विवेक, संस्कारों एवं आचरण से जुड़ी होती है तथा हमें सही एवं गलत में भेद करना सिखाती है। शिक्षा सिर्फ सफलता तक सीमित रहती है जबकि विद्या हमें सार्थकता तक ले जाती है।

श्री विष्णु पुराण में उल्लेख है कि "तत्कर्म यन्न बन्धाय, सा विद्या या विमुक्तये" अर्थात कर्म वही है जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है जो मुक्त करे। यही कारण है कि भारतीयता में आत्म-बोध अर्थात आत्म-साक्षात्कार पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षा वह है जिसे प्राप्त करने के बाद विनम्रता आए एवं व्यक्ति, व्यक्तिगत लाभ की जगह सामूहिक हित को प्राथमिकता दे, इसलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में कहा गया है कि "विद्या ददाति विनयं" अर्थात सच्ची विद्या से व्यक्ति में विनम्रता आती है। भारतीय ज्ञान परंपरा त्याग, परोपकार एवं आत्मबोध पर आधारित होने के कारण संयम, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यबोध की भावना उत्पन्न करती है, जबकि पाश्चात्य ज्ञान परंपरा तर्क, विज्ञान एवं भौतिकता पर आधारित होने के कारण प्रतिस्पर्धा, अहंकार, श्रेष्ठता-बोध एवं आत्मकेन्द्रित बनाती है।

यहां स्पष्ट है कि दुनिया में यदि स्थायी शांति एवं सद्भाव स्थापित करना है तो हमें भारतीयता के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना होगा। यहां पर यह उल्लेख करना आवश्यक है कि अतीत की ओर लौटना ही भारतीयता नहीं है, बल्कि "नित्य नूतन, चिर पुरातन" की सोच के साथ भविष्य के लिए एक संतुलित एवं मानवीय मार्ग का निर्माण करना भारतीयता का एक प्रमुख गुण है। यह केवल अतीत की धरोहर नहीं बल्कि भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत है।

पर्यावरणीय असंतुलन, नैतिक पतन एवं सामाजिक विघटन के इस दौर में भारतीयता के मूल तत्वों से प्रेरित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के "पंच परिवर्तन" न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि भारतीयता का मूल आधार भौगोलिक सीमाएं नहीं बल्कि समस्त जड़-चेतन एवं मानवता है। संघ के पंच परिवर्तन का किसी भी राजनीतिक दल द्वारा विरोध न किया जाना इसकी व्यापक स्वीकार्यता एवं सहमति का सबसे बड़ा प्रमाण है। भारतीयता एवं संवैधानिक आदर्शों से प्रेरित सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी चेतना एवं नागरिक कर्तव्य ऐसे आधारभूत मूल्य हैं जो न केवल भारत के उत्थान तक सीमित हैं बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक और उपयोगी हैं। स्वार्थ एवं संघर्ष में फंसी दुनिया के लिए भारतीयता ही एक मात्र विकल्प है।

ऐसे में कहना यही है कि वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में आज विश्व जिन समस्याओं से जूझ रहा है, उन सभी का स्थायी समाधान भारतीयता पर आधारित शिक्षा में निहित है। ऐसी शिक्षा जो आधुनिकता को भारतीय पहचान से जोड़े भारतीय शिक्षा है। शिक्षा में भारतीयता का आशय सिर्फ पीछे मुड़कर देखना नहीं बल्कि वर्तमान से सामंजस्य स्थापित कर एक ऐसी जीवन दृष्टि प्रदान करना है जिसमें व्यक्ति यह समझ सके कि केवल विज्ञान नहीं बल्कि विज्ञान एवं आध्यात्मिकता का सामंजस्य ही वैश्विक समस्याओं के स्थायी समाधान का मूल मंत्र है। आध्यात्मिकता एवं स्वीकार्यता भारतीयता की वे सार्वभौमिक विशेषताएं हैं जो भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती हैं। यही कारण है कि आज भारत वैश्विक परिदृश्य में एक नई उम्मीद और विश्वास के केन्द्र के रूप में उभर रहा है।

(लेखक जीवाजी विश्वविद्यालय में वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययनशाला में विभागाध्यक्ष हैं।)

केंद्र की राजनीति में नीतीश, बिहार में भाजपा युग

अजय कुमार

करीब दो दशकों तक बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का राज्यसभा की राह पकड़ना केवल एक राजनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस लंबे दौर का मोड़ है जिसने 2005 के बाद बिहार की राजनीति की दिशा तय की। जिस नेता ने करीब 21 वर्षों तक राज्य की सत्ता को प्रभावित किया, वही अब दिल्ली की राजनीति में नई भूमिका निभाने की तैयारी में हैं। यह बदलाव इसलिए भी अहम है क्योंकि बिहार की राजनीति लंबे समय से एक ही नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमती रही है और अब पहली बार इतने लंबे कार्यकाल के बाद सत्ता में बड़ा संक्रमण दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री कार्यकाल बिहार के इतिहास में सबसे लंबे और प्रभावशाली कार्यकालों में गिना जाता है। नवंबर 2005 में स्थायी सरकार बनने के बाद से अप्रैल 2026 तक, अलग-अलग चरणों को जोड़कर उन्होंने लगभग 18 से 19 वर्षों तक मुख्यमंत्री पद संभाला। इस दौरान वे कुल 10 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड माना जाता है। 2000 में पहली बार वे सात दिन के लिए मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन बहुमत साबित न कर पाने के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद 24 नवंबर 2005 को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के साथ ही बिहार में स्थिर सरकार का दौर शुरू हुआ। राजनीतिक सफर के शुरूआती चरण पर नजर डालें तो 1985 में पहली बार विधायक बनने के साथ उनकी सक्रिय राजनीति शुरू हुई। उसके चार साल बाद, यानी 1989 में वे पहली बार लोकसभा पहुंचे। 1989 से 2004 तक लगातार चार बार लोकसभा सदस्य चुने जाने का रिकॉर्ड उनके नाम रहा। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाईं। 1990 के दशक में कृषि राज्य मंत्री के रूप में काम करने के बाद 1998 से 2004 के बीच रेल मंत्री और भूतल परिवहन मंत्री जैसे अहम मंत्रालय संभाले। रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में कई नई रेल परियोजनाएं शुरू हुईं और यात्री सुविधाओं में सुधार के प्रयास किए गए, जिससे उन्हें प्रशासनिक अनुभव मिला। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तब राज्य की स्थिति कई मायनों में चुनौतीपूर्ण थी। उस समय राज्य की सड़क व्यवस्था कमजोर मानी जाती थी और ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क मार्गों की कमी थी। 2005 के बाद के वर्षों में हजारों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराया गया। आंकड़ों के अनुसार, 2005 से 2020 के बीच राज्य में लाखों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य हुआ, जिससे गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने की प्रक्रिया तेज हुई।

शिक्षा क्षेत्र में भी उनके कार्यकाल को बदलाव के दौर के रूप में देखा गया। 2006 में शुरू की गई साइकिल योजना का प्रभाव सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। इस योजना के तहत अब तक एक करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई गई, जिससे खासकर लड़कियों की स्कूल पहुंच बढ़ी। 2005 में जहां माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन प्रतिशत अपेक्षाकृत कम था, वहीं अगले दस वर्षों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह पोशाक योजना और छात्रवृत्ति योजनाओं ने भी स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने में भूमिका निभाई।पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला उनके शासनकाल की सबसे बड़ी प्रशासनिक पहलों में गिना जाता है। बिहार देश के उन शुरूआती राज्यों में शामिल हुआ, जहां पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी इतनी बड़ी संख्या में बढ़ी। इसके बाद हजारों महिलाएं मुखिया, वार्ड सदस्य और जिला परिषद सदस्य के रूप में सामने आईं। इस फैसले ने ग्रामीण राजनीति का स्वरूप बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई बदलाव दर्ज किए गए। 2005 के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई और जिला अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार की प्रक्रिया शुरू हुई। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई, जिसे स्वास्थ्य सेवाओं तक बढ़ती पहुंच का संकेत माना गया।हालांकि उनकी राजनीति केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं रही। गठबंधन की राजनीति में बार-बार बदलाव उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पहचान बन गई। वर्ष 2013 में उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अलग होकर नई राजनीतिक दिशा अपनाई। 2017 में फिर उसी गठबंधन में वापसी की। 2022 में उन्होंने एक बार फिर दिशा बदली और 2024 में पुनः उसी गठबंधन में शामिल हो गए। लगभग 11 वर्षों के भीतर चार बड़े राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक जीवन की जटिलता को दशार्ते हैं।2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को भी उनके राजनीतिक जीवन का अहम मोड़ माना जा रहा है। राज्य की 243 सीटों वाली विधानसभा में गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला और इसके बाद उन्होंने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। लेकिन चुनाव के चार-पांच महीने के भीतर ही राज्यसभा की ओर बढ़ने का फैसला यह संकेत देता है कि यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

राज्यसभा में जाने के साथ ही एक और अहम रिकॉर्ड उनके नाम जुड़ गया है। वे उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था के चारों सदनों विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा की सदस्यता का अनुभव हासिल किया है। भारतीय राजनीति में ऐसे नेताओं की संख्या बहुत कम मानी जाती है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि दिल्ली में उनकी भूमिका क्या होगी। लंबे प्रशासनिक अनुभव के आधार पर यह माना जा रहा है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण या गठबंधन प्रबंधन में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

दैनिक पंचांग

11 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.57 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	07.37 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.35 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.04 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.16 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.27 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.42 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.58 बजे से
		मकर	01.03 बजे से
		कुंभ	02.49 बजे से
		मीन	04.22 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 101 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण **तिथि** नवमी 00.38 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 13.40 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 18.39 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.02 बजे तदनन्तर गर 00.38 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 22.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872676
जूलियन दिन 2461141.5
कलियुग संवत् 5128
कल्यारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

विक्षिप्त युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

साहिबगंज: बोरियो थाना क्षेत्र के मंजवंय गांव के बेर के पेड़ से पुलिस ने शुक्रवार को एक विक्षिप्त युवक का फंदे से लटका एक शव बरामद किया है। शव की पहचान मोती पहाड़ी पंचायत के मंजवंय गांव के बेटका बेसरा (40) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मृतक विक्षिप्त था। पुलिस ने शुक्रवार की सुबह मृतक के घर आगे अवस्थित बेर के पेड़ से फंदे से लटका हुआ बरामद किया। मृतक शादी शुदा था। मृतक का एक छोटा बच्चा भी है। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते हीं एएसआई सुधीर कुमार तिवारी घटना स्थल पहुँच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु साहिबगंज भेज दिया। थाना प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था।

पति ने पत्नी की पत्थर से हत्या की, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़ : जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 अप्रैल 2026 को सूचना मिली कि 22 वर्षीय महिला बैंदी पहाड़िन की उसके पति द्वारा बेरहमी से पत्थर से सिर पर वार कर हत्या कर दी गई। मृतका के पिता के बयान के आधार पर लिट्टीपाड़ा थाना कांड संख्या 15/2026, दिनांक 09.04.2026 के तहत धारा 103(1)/238 बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पाकुड़ निधि द्विवेदी के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी साक्ष्यों और प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आरोपी बेसगा पहाड़िया (लगभग 23 वर्ष), निवासी पाड़रकोला, थाना हिरणपुर को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त खून लगा पत्थर तथा घटना के समय पहना हुआ खून से सना शर्ट भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। छापेमारी टीम में लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

फरक्का विधानसभा के लिए तनवीर आलम प्रेक्षक नियुक्त

पाकुड़ : पश्चिम बंगाल में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस समिति द्वारा प्रेक्षकों की सूची जारी कर दी गई है। इस सूची में फरक्का विधानसभा क्षेत्र के लिए झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव तनवीर आलम को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व की स्वीकृति के बाद यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। प्रेक्षक के रूप में तनवीर आलम चुनावी तैयारियों की निगरानी करेंगे तथा संगठनात्मक गतिविधियों को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाएंगे। साथ ही वे स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर चुनाव को सफल बनाने में योगदान देंगे। इस नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पाकुड़ सहित आसपास के क्षेत्रों में कांग्रेस नेताओं एवं समर्थकों ने इसे गर्व का विषय बताते हुए तनवीर आलम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

साहिबगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 80 लाख ठगी मामले में यूपी के दो सगे भाई गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 80 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले का उद्भेदन किया है। पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले से दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बीते 26 फरवरी 2026 को साहिबगंज नगर थाना क्षेत्र के भारतीय रोड निवासी सुनील कुमार भारतीय ने पुलिस को आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने उन्हें 'हाउस एवरेस्ट' के नाम पर झांसा देकर 80,09,974 रुपये की ठगी कर ली है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर थाना कांड संख्या 34/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरहरवा के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पीड़ित ने कुल 05 किस्तों में पैसे अलग-अलग खातों में भेजे थे। इसमें से एक बड़ा हिस्सा (25.91 लाख रुपये) आईसीआईसीआई बैंक के एक विशेष खाते में ट्रांसफर किया गया था। छानबीन में यह खुलासा हुआ कि उक्त खाता 'माँ सावित्री ट्रस्ट' के नाम पर पंजीकृत है, जो उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में स्थित है। इस खाते के संचालन में अनुराग दुबे और अंकित दुबे की मुख्य भूमिका पाई गई। पुलिस के अनुसार, ठगी की राशि खाते में आते ही उसे तुरंत निकाल लिया गया था। पुलिस ने यूपी के चंदौली जिले के बलुआ थाना अंतर्गत खण्डवारी गांव में छापेमारी कर दो आरोपियों को अनुराग दुबे व अंकित दुबे, दोनों का पिता उमेश कुमार दुबे को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। छापेमारी दल में बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, साहिबगंज एसडीपीओ किशोर तिर्की, डीएसपी (मुख्यालय) विजय कुशवाहा, राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी सहित नगर थाना के कई पुलिस अधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस का संदेशः साहिबगंज पुलिस ने मामले में संलिप्त अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी रखी है। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे किसी भी अनजान निवेश या 'हाउस एवरेस्ट' जैसे लुभावने झांसों में न आएं।

जमीन विवाद में हिंसक झड़प चाकू बाजी में आठ लोग घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जोंका गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी होते-होते अचानक मारपीट में बदल गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर चाकू और लाठी से हमला कर दिया। इस घटना में एक पक्ष के मोहम्मद ताजदार आलम, उनके भाई मोहम्मद मुकदर हुसैन और उनकी पुत्री समेत कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष के मुकद्दस आलम और उनकी पत्नी नसीमा बीवी भी इस झड़प में जख्मी हुए हैं। घटना के बाद सभी घायलों को परिजनों की मदद से तत्काल राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। घायलों में से एक की हालत नाजुक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और पूरे घटनाक्रम की छानबीन की जा रही है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व होम्योपैथिक दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : सदर अस्पताल स्थित जिला संयुक्त औषधालय पाकुड़ में शुक्रवार को विश्व होम्योपैथिक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जिला आयुष पदाधिकारी डॉ विपिन चंद्र गुप्ता द्वारा होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ सैमुअल हैनीमैन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम के दौरान अध्ययन, अध्यापन एवं रिसर्च विषय पर विशेष चर्चा आयोजित की गई। इसमें उपस्थित चिकित्सकों एवं अधिकारियों ने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के विकास में शिक्षा एवं अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। जिला आयुष पदाधिकारी ने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में कार्यरत चिकित्सकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने केंद्रों पर प्रमाणिकता एवं प्राथमिकता के साथ मरीजों को होम्योपैथिक उपचार उपलब्ध कराएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रभावी चिकित्सा पद्धति का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर जिले के आयुष चिकित्सक, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे, जिनकी सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 : संत जेवियर व बोरियो सुपरकिंग की शानदार जीत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वधान में सिदो कान्हू स्टेडियम में जिला क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट के तहत शुक्रवार को दूसरे दिन दो मैच हुए। पहला मैच जवाहर नवोदय विद्यालय बनाम संत जेवियर स्कूल बी के बीच खेला गया। संत जेवियर स्कूल ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 206 रन का पहाड़ खड़ा कर दिया। संतोष राज ने 3 छक्का व 20 चौके की मदद से 67 गेंद में नाबाद 122 रन की पारी खेली। जबकि रोहित ने 15 व हतिक ने 10 रन बनाए। नवोदय विद्यालय के गेंदबाज प्रीतम व पीयूष ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नवोदय विद्यालय की टीम 12.3 ओवर में 90 रन बना कर ढ़ेर हो गयी। मोहित ने 18 व पीयूष ने 16 रन बनाए। संत जेवियर के गेंदबाज संतोष ने 3 व आदित्य ने 2 विकेट लिए। संत जेवियर ने 116 रन से जीत दर्ज की। संत जेवियर के खिलाड़ी संतोष राज को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि सोनू अग्रवाल ने संतोष को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। दूसरा मैच बोरियो सुपरकिंग बनाम माही स्पोटर्स येलो के बीच खेला गया। बोरियो ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 158 रन का स्कोर बनाया। आदित्य ने 34 व कुणाल ने 25 रन की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स येलो के गेंदबाज विष्णु ने 3, अब्राहम शेक व वमीक नईम ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी माही स्पोर्ट्स येलो की टीम 18.3 ओवर में 136 रन बना कर ऑल आउट हो गई। विराट ने 46 व अब्राहम शेख ने 31 रन की पारी खेली। बोरियो के गेंदबाज देवांशु ने 04 व आदित्य ने 2 विकेट लिए। बोरियो सुपरकिंग ने 22 रन से जीत हासिल की।

पीवीटीजी सर्वे को लेकर बैठक, पहाड़िया समुदाय को योजनाओं से जोड़ने पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड क्षेत्र में पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) इनटाइटलमेंट सर्वे को लेकर सर्वेयरों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी दिलीप टुडू ने की, जिसमें सर्वे कार्य से जुड़े दायित्वों और जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में सर्वेयरों को निर्देश दिया गया कि वे अपने कार्य को गंभीरता एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करें। प्रशासन ने लक्ष्य निर्धारित किया है कि अप्रैल माह के अंत तक पहाड़िया समुदाय के सभी परिवारों का सर्वे पूर्ण कर लिया जाए। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि इस सर्वे का मुख्य उद्देश्य पहाड़िया समुदाय के प्रत्येक पात्र परिवार को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है। इसके तहत राशन कार्ड, लेबर कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, उजाला योजना, यूडीआईडी (दिव्यांग पहचान पत्र), कृषि ऋण, फसल बीमा सहित अन्य योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने सभी सर्वेयरों से अपील की कि वे क्षेत्र में जाकर सही एवं सटीक जानकारी एकत्र करें, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

मॉडल कॉलेज राजमहल में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मॉडल कॉलेज राजमहल, में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के प्रथम दिन का विधिवत शुभारंभ हुआ। सेमिनार का विषय एआई फॉर स्किल डेवलपमेंट इन डेवलपिंग कंट्रीज रखा गया है। कार्यक्रम की शुरूआत सिदो-कान्हु मुर्मू के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह द्वारा अंगवस्त्र, शॉल, स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानपूर्वक किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के कुलपति प्रो. (डॉ.) राम कुमार सिंह ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और अपना संबोधन दिया। अपने वक्तव्य में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में एआई की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। सेमिनार के की-नोट स्पीकर डॉ. हेले (यूके) ने भी ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एआई टूल्स की उपयोगिता आज हर क्षेत्र में है और व्यक्ति अपने पैशन एवं करियर के अनुसार इसका प्रभावी उपयोग कर सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान आईटी युग में अधिकांश कार्य एआई-गाइडेड हो चुके हैं, जिससे कार्यों की गति और दक्षता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।डॉ. राजेश सोलोमन पॉल ने अपने संबोधन में एआई को वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने युवाओं को अपनी रुचि के अनुसार एआई टूल्स का उपयोग कर भविष्य निर्माण की प्रेरणा दी और विकसित भारत की परिकल्पना में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। मो. केताबुद्दीन शेख ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के दौर में हर व्यक्ति के लिए एआई की जानकारी आवश्यक हो गई है। वहीं, शिबू सोरेन जनजातीय महाविद्यालय, बोरियो के प्रभारी प्राचार्य डॉ. नजरुल इस्लाम ने एआई के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पहलुओं पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता बताई, ताकि समाज इसके सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा दे सके।

संक्षिप्त खबरें

एसडीपीओ ने की अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक

साहिबगंज : अनुमंडलीय कार्यालय भवन स्थित एसडीपीओ कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी हुई। इसकी अध्यक्षता सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की। उन्होंने उपस्थित सभी थाना प्रभारी को अपराध नियंत्रण पर विशेष फोकस रखने का निर्देश दिया। कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें। उन्होंने नशा उत्पादों पर रोक लगाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने, रात्रि गश्ती करने, संदिग्ध लोगों की जांच करने, चौक-चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करने, हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने, लंबित कांडों को जल्द से जल्द निष्पादन करने, लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकल कसने, लोगों से बेहतर तालमेल बनाने, थानों में लोगों की समस्या सुनने, सूचना तंत्र को मजबूत बनाने, जमीनी विवाद पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मौके पर नगर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता, मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनीश पांडेय, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि कुमार, मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश यादव, रिवर थाना प्रभारी, महिला थाना प्रभारी व अन्य मौजूद थे।

साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवन ऐप के प्रति जागरूकता अभियान आयोजित

साहिबगंज: मालदा मंडल के मंडल रेलवे प्रबंधक, मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, कार्तिक सिंह के पर्यवेक्षण में, यात्रियों को डिजिटल रेलवे सेवाओं से जोड़ने एवं टिकटिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से 10 अप्रैल 2026 को साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवन ऐप जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत वाणिज्य निरीक्षक एवं वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा स्टेशन परिसर में उपस्थित यात्रियों को रेलवन ऐप के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें ऐप डाउनलोड कर इसके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान बताया गया कि रेलवन ऐप एक एकीकृत एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से यात्री एक ही लॉग-इन आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से विभिन्न सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकते हैं। इस ऐप के जरिए अनारक्षित (सामान्य), आरक्षित एवं प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, पीएनआर स्थिति की जानकारी, कोच एवं प्लेटफॉर्म स्थिति की जानकारी, टिकट निरस्तीकरण एवं धनवापसी की ट्रैकिंग, यात्री फीडबैक एवं सहायता सेवाएँ सहित अनेक सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। साथ ही, डिजिटल भुगतान के माध्यम से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की जा रही है। वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों ने यात्रियों से अपील की कि वे अपनी दैनिक यात्रा में रेलवन ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें, जिससे समय की बचत, नकदरहित लेन-देन एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित हो सके। मालदा मंडल द्वारा इस प्रकार के जागरूकता अभियानों को आगे भी जारी रखा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक यात्री डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकें और स्मार्ट यात्रा को अपनाएं।

महायज्ञ के दूसरे दिन वैदिक मंत्रोच्चारण से गूंजा साहिबगंज, रासलीला ने मोहा मन

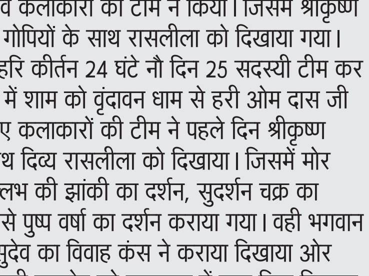

साहिबगंज: शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित श्री श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दुसरे दिन शुक्रवार को सुबह सात बजे से नौ बजे तक वैदिक मंत्रोचारण के साथ मंडप पूजन, नौ बजे से 12 बजे तक सभी देवी देवताओं का वैदिक मंत्रोचारण के साथ आह्वाहन करके पूजन किया गया ओर दोपहर दो बजे से 11 कुंडिय महायज्ञ मंडप में आहुति दी गई। जिससे पूरा क्षेत्र वैदिक मंत्रोचारण से गूंज उठा। वही संध्या बेला में पाठ ओर श्रीकृष्ण रासलीला का आयोजन वृंदावन से आए पुरोहित व कलाकारों की टीम ने किया। जिसमें श्रीकृष्ण राधा रानी के साथ साथ गोपियों के साथ रासलीला को दिखाया गया। वही महायज्ञ परिसर में हरि कीर्तन 24 घंटे नौ दिन 25 सदस्यी टीम कर रही है। महायज्ञ परिसर में शाम को वृंदावन धाम से हरी ओम दास जी महाराज के नेतृत्व में आए कलाकारों की टीम ने पहले दिन श्रीकृष्ण राधा रानी गोपियों के साथ दिव्य रासलीला को दिखाया। जिसमें मोर नृत्य का दर्शन, राधा वल्लभ की झांकी का दर्शन, सुदर्शन चक्र का दर्शन ओर सुदर्शन चक्र से पुष्प वर्षा का दर्शन कराया गया। वही भगवान के माता पिता देवकी वासुदेव का विवाह कंस ने कराया दिखाया ओर उग्रसेन के साथ साथ देवकी वासुदेव को कारागार में डाल दिया दिखाया गया। वही रासलीला देखने सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु यज्ञ मंडप परिसर पहुंच रहे है। नौ दिनों तक रासलीला का आयोजन किया गया है। वही भंडारा प्रसाद स्वरूप हजारों भक्त सुबह शाम खा रहे है। मौके पर अयोध्या धाम यूपी से आए यज्ञ संरक्षक महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास शास्त्री जी महाराज, हरि ओम दास जी महाराज, पंडित भोला पांडे सहित महायज्ञ समिति अध्यक्ष विमल यादव, मुख्य जजमान केदार यादव सहित समिति सदस्य उपस्थित थे।

घाघरजानी में पोषण पखवाड़ा की धूम, रैली के जरिए दिया गया स्वास्थ्य का संदेश

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत घाघरजानी स्थित प्रखंड सभागार में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी दिलीप टुडू के नेतृत्व में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिला पर्यवेक्षिकाओं एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। कार्यक्रम के दौरान कुपोषण की समस्या से निपटने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही दाल, हरी साग-सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मौजूद आवश्यक पोषक तत्वों के महत्व को समझाया गया। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने सेविकाओं को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में जाकर लोगों को संतुलित आहार अपनाने के प्रति जागरूक करें, ताकि कुपोषण को जड़ से समाप्त किया जा सके। पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें प्रतिभागियों ने पोषण के महत्व से जुड़े संदेशों का प्रसार किया।

एक नजर

तीरंदाजी खिलाड़ियों ने सुदेश महतो से लिया आशीर्वाद

सिल्ली : हाल ही में आयोजित 123 खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स रायपुर एवं मिनी सब जूनियर नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप विजयवाड़ा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पदक विजेता खिलाड़ियों ने आज रांची जिला तीरंदाजी संघ के मुख्य संरक्षक माननीय श्री सुदेश कुमार महतो से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों की जानकारी साझा की। ज्ञात हो कि सविता कुमारी ने कंपाउंड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर झारखंड का मान बढ़ाया, वहीं मनीषा कुमारी ने रिकर्व डिविजन के टीम इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल किया। इसके अलावा आवासीय बालिका प्रशिक्षण केंद्र की प्रतिभाशाली खिलाड़ी अंशु पटेल ने मिनी सब जूनियर नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में रिकर्व डिविजन में सिल्वर मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

बाइक चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

खूंटी : खूंटी थाना क्षेत्र में बाइक चोरी के एक मामले का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सफल खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की गई स्प्लेंडर बाइक बरामद की है। जानकारी के अनुसार, खूंटी थाना में 08 अप्रैल 2026 के तहत दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने यह सफलता हासिल की। 06 अप्रैल की रात झोपड़ी मार्केट, खूंटी से एक स्प्लेंडर बाइक चोरी हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पतरा मैदान इलाके में छापेमारी की, जहां से तीनों आरोपितों को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद बाइक का नंबर जेएच01एफआर-7794 है, जबकि उसका चेसिस नंबर एमबीएलएचएडब्ल्यू 223आरएचएफ 69265 बताया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सोनू राम (23), बजरंग कुमार (23) और प्रिंस कुमार उर्फ चिंटू (19) के रूप में हुई है। तीनों आरोपित खूंटी थाना क्षेत्र के ही निवासी हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि 06 अप्रैल की शाम वे जगन्नाथपुर मंदिर के पास ब्राउन शुगर का नशा करने गए थे। देर रात लौटते समय झोपड़ी मार्केट में खड़ी एक स्प्लेंडर बाइक सुनसान जगह पर देख उन्होंने उसे चोरी कर लिया और उसका इस्तेमाल करने लगे। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने किया, जिसमें थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस अब आरोपितों से अन्य मामलों में भी पूछताछ कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

काम दिलाने के नाम पर नाबालिग को ले गया युवक, छोड़कर हुआ फरार

पश्चिमी सिंहभूम : मनोहरपुर प्रखंड के उकीर्यां गांव की रहने वाली नाबालिग पिंकी कौवा (17) को काम दिलाने का झांसा देकर एक युवक अपने साथ खरसावां क्षेत्र ले गया था। हालांकि सामाजिक संगठनों की तत्परता और दबाव के चलते बच्ची को समय रहते सुरक्षित बरामद कर लिया गया। जानकारी के अनुसार पिंकी कौवा रोजगार की तलाश में करीब तीन दिन पहले चाईबासा आई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात खरसावां के एक युवक से हुई, जिसने उसे घर का काम दिलाने का भरोसा दिलाया। भरोसे में आकर नाबालिग उसके साथ चली गई और युवक उसे खरसावां के आमदा क्षेत्र में ले गया। परिजनों को इसकी जानकारी नहीं थी, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। इधर, जब बच्ची की फुआ सरिता कुजूर को इस बात की भनक लगी, तो उन्होंने बिना देर किए आदिवासी उरांव समाज संघ (चाईबासा) के उपसचिव लालू कुजूर को इसकी सूचना दी।

आयोग के सभी निर्देशों का पालन करें अधिकारी : आर रॉनिटा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के सफल, निष्पक्ष और कदाचार मुक्त संचालन को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आर रॉनिटा और एसपी मनीष टोप्पो ने संयुक्त रूप से प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल को ब्रीफिंग दी। इस दौरान परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए जरूरी निर्देश दिया गया। बैठक में बताया गया कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने 12 अप्रैल को जिले में झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जिले में कुल 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 4668 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन तीन पालियों में कराया जाएगा। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा का संचालन पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचार मुक्त वातावरण में सुनिश्चित किया जाए। सभी प्रतिनियुक्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट, पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, माइक्रो ऑब्जर्वर और पुलिस बल को जेएसएससी की ओर से जारी सभी एसओपी का सख्ती से पालन करने को कहा गया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पदाधिकारियों को सतर्क रहते हुए समय पर रिपोर्टिंग करने और अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी से करने का निर्देश दिया गया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के इस्तेमाल पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। उपायुक्त ने सभी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, समय पर प्रश्नपत्र वितरण और परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने का निर्देश दिया। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैनात पुलिस बल को विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी प्रकार की चूक नहीं होने देने की हिदायत दी। ब्रीफिंग में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, परियोजना निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी सहित प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवती ने फांसी लगाकर दे दी जान, प्रेमी विजय पर केस दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सोनारी थाना क्षेत्र पुराना सोनारी की 27 वर्षीय युवती की आत्महत्या के मामले में उसके पिता बैजनाथ प्रसाद ने शुक्रवार को सिदगोड़ा निवासी विजय कुमार के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण (उकसाने) का मामला दर्ज कराया है। पिता का आरोप है कि युवक की बातों और व्यवहार से उनकी बेटी मानसिक रूप से आहत हो गई थी, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। घटना गांधी रोड,पुराना सोनारी की है। मृतका की पहचान पूजा कुमारी के रूप में हुई है। उसके पिता बैजनाथ प्रसाद ने थाना में दिए आवेदन में बताया कि 9 अप्रैल की सुबह करीब 11 बजे पूजा ने घर के एक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिलने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा,जहां वह पंखे से फंदे के सहारे लटकी मिली। इसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के अनुसार,पूजा की शादी की बातचीत चल रही थी और हाल ही में परिवार वाले लड़का देखने गए थे। इस दौरान पूजा भी साथ थी। वहां से लौटने के बाद उसने अपने माता-पिता को बताया कि उसका एक युवक से प्रेम संबंध है और वह उसी से शादी करना चाहती है। बताया जाता है कि दोनों की मुलाकात चाईबासा में बीटेक की पढ़ाई के दौरान हुई थी। घटना से एक दिन पहले पूजा की विजय कुमार से फोन पर बातचीत हुई थी। परिजनों का आरोप है कि इस बातचीत के दौरान युवक ने ऐसी बातें कही, जिससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो गई थी। इसी तनाव में आकर उसने अगले दिन फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बागबेड़ा के सरकारी स्कूल में 80 बच्चों को मिला आयुष्मान भारत कार्ड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के बागबेड़ा क्षेत्र स्थित नया बस्ती रोड नंबर-3 के एक सरकारी विद्यालय में शुक्रवार को एक सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान करीब 80 बच्चों के बीच भारत सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और उनके अभिभावकों को आयुष्मान भारत योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि इस कार्ड के माध्यम से पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष लाखों रुपये तक का मुफ्त इलाज विभिन्न सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में मिल सकता है। इस अवसर पर पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार ने विद्यालय की रसोईया (मिड-डे मील कार्यकर्ता) को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की भी सलाह दी। कार्यक्रम में भाजपा जमशेदपुर महानगर के जिला अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है और इससे स्वास्थ्य खर्च का बोझ काफी हद तक कम हुआ है। इस मौके पर भाजपा जिला मंत्री मनोज राम, भाजपा मुख्यालय प्रभारी सुबोध झा, बागबेड़ा के पूर्व मंडल अध्यक्ष धन्नजय उपाध्याय, संजय सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य पुनीत गिरी, उत्तरी बागबेड़ा की मुखिया गौरी टोप्पो,पूर्व मुखिया बुधराम टोप्पो,उपमुखिया मुकेश सिंह सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे।

सखी वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन महिलाओं को मिलेगी 24 घंटे सहायता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले में महिलाओं को बेहतर सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चक्रधरपुर में शुक्रवार को दूसरे सखी वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन उपायुक्त चंदन कुमार ने किया। जिले में पहले से एक सखी वन स्टॉप सेंटर चाईबासा में संचालित है। दूरदराज क्षेत्रों की महिलाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए चक्रधरपुर में दूसरे सेंटर की स्वीकृति दी गई है। इस सेंटर के माध्यम से हिंसा या मानसिक उत्पीड़न से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी सहायता, चिकित्सा सुविधा, मनो-सामाजिक परामर्श, पुलिस सहायता, आकस्मिक सहायता और पांच दिनों तक अस्थायी आश्रय निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। सखी वन स्टॉप सेंटर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके तहत हिंसा से प्रभावित महिलाओं को विभिन्न प्रकार की सहायता एक ही स्थान पर दी जाती है। इस योजना के अंतर्गत मारपीट, घरेलू हिंसा, एसिड अटैक, यौन शोषण, बाल यौन शोषण, दहेज उत्पीड़न, बाल विवाह, बलात्कार, गुमशुदगी या अपहरण, साइबर क्राइम और महिला तस्करी से पीड़ित महिलाएं सहायता प्राप्त कर सकती हैं। सेंटर से 24 घंटे सहायता के लिए महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्डलाइन 1098 पर संपर्क किया जा सकता है। उद्घाटन कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी पोड़ाहाट चक्रधरपुर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चक्रधरपुर, महिला पर्यवेक्षिका, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सखी वन स्टॉप सेंटर चक्रधरपुर के कर्मचारी और सेविकाएं उपस्थित थे।

बढ़मिता गांव के पास मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित कुमारडूंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत बढ़मिता गांव के समीप शुक्रवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिला। ग्रामीणों ने सुबह गांव के पास संदिग्ध अवस्था में शव देखा, जिसके बाद इसकी सूचना कुमारडूंगी थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक युवक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार युवक ने नीले रंग का पैंट और हल्का पीला-सफेद रंग का गंजी पहन रखा है। शव की स्थिति को देखते हुए मामला संदिग्ध माना जा रहा है, हालांकि पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है,लेकिन फिलहाल कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। कुमारडूंगी थाना प्रभारी सुनील चौधरी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल,चाईबासा भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। साथ ही शव की पहचान के लिए आसपास के थानों को सूचना दे दी गई है और लापता व्यक्तियों के रिकॉर्ड से भी मिलान किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल हत्या या किसी अन्य कारण से मौत होने की पुष्टि नहीं हो सकी है।

मगही और भोजपुरी के लिए भाजयुमो ने निकाला आक्रोश मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले में बोली जानी वाली मगही-भोजपुरी को प्रतियोगिता परीक्षा में क्षेत्रीय एवं स्थानीय भाषा के रूप में शामिल करने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने शुक्रवार मेदिनीनगर में विरोध मार्च निकाला। स्थानीय भारत माता चौक (साहित्य समाज चौक) से छह मुहान तक मार्च करते हुए मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया गया। इस क्रम में झारखंड सरकार पर जमकर हमला बोला गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के अध्यक्ष विपुल गुप्ता ने किया। मौके पर डालटनगंज के विधायक आलोक चौरसिया, पांकी के शशिभूषण मेहता, मेदिनीनगर की मेयर अरुणा शंकर, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी शामिल थे। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि हेमंत सरकार जानबूझकर पलामू के छात्रों के साथ सौतेलापन व्यवहार कर रही है जो भाषा पलामू में बोली ही नहीं जा रही है उसको जानबूझकर यहां के युवाओं पर थोपा जा रहा है। यह छात्रों के साथ अन्याय है, जिसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष विपुल गुप्ता ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। यह पलामू के छात्रों के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। पलामू के युवाओं के साथ इस तरह का सौतेला व्यवहार करने वाली हेमंत सरकार को चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए। विधायक शशि भूषण मेहता ने कहा कि युवाओं की लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से भाजपा सड़क से सदन तक अंतिम दम तक लड़ेगी। पलामू के छात्रों को अपमानित करने का कार्य हेमंत सरकार ने किया है। आने वाले समय में इसका जवाब भी देना पड़ेगा। वहीं विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि युवा देश के भविष्य हैं और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करना हेमंत सरकार को बहुत भारी पड़ेगा। पलामू में जिस भाषा को पढ़ने पढ़िने वाले लोग ही नहीं है, उस भाषा को थोपा जा रहा है, जो निंदनीय है। हम पार्टी के सभी जनप्रतिनिधियों ने इस बात को सदन में भी उठाया था और आज सड़क पर भी संघर्ष कर रहे हैं, ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो सके। महापौर अरुणा शंकर ने कहा कि हेमंत सरकार जानबूझकर पलामू के छात्रों को अपमानित करने का काम किया है। क्षेत्रीय भाषा में जिस भाषा को पलामू में शामिल किया गया है उस भाषा को यहां के न लोग जानते हैं ना बोलते हैं और जिस मगही भोजपुरी को पलामू में बोला समझा जाता है, उसको शामिल ही नहीं किया गया। झारखंड की हेमंत सरकार ने यहां के छात्रों एवं युवाओं को जीते जी मारने का कार्य कर रही है, जो असहनीय है। अन्य वक्ताओं ने चेतावनी दी कि इस तरह का भेदभाव निर्णय वापस लिया जाये। अन्यथा राज्यों के पूरे जिले में व्यापक आन्दोलन छेड़ा जायेगा। मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

हेसल में गोल्डेन ट्रॉफी नाईट टूर्नामेंट का आयोजन

अनगड़ा : हेसल क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में शुक्रवार को 'गोल्डन ट्रॉफी हेसल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2' का भव्य शुभारंभ इस रोमांचक टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप अनगडा इस्लाहे मुआसरा कमिटी के सदर जनाब परवेज खान सेक्रेट्री साकीर अंसारी डॉ गुलजार अंसारी इमरान अंसारी जमील अंसारी आलम अंसारी अब्बास इस्तियाक अंसारी ने खेलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर मैच का उद्घघाटन किया। आयोजकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह टूर्नामेंट 5 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026 तक हेसल, अनगड़ा में आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन के अवसर पर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखने को मिला। उद्घाटन मैच हेसल ओर कठ हर टोला के बीच खेला गया। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष मिनहाज आलम, महमूद अंसारी, जबारूल अंसारी, फिरोज अंसारी, प्रभारी अमीरूल अंसारी, साबिर हसन, जमील अख्तर, मो अंसार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर टूनार्मेंट के संरक्षक समाजसेवी मुस्तफा अंसारी, मधु पहान अफताब आलम अंसारी, सकील अंसारी खलील अंसारी कुदुश अंसारी मोबीन अंसारी अमीरूल अंसारी अजीज अंसारी मैदान में भारी संख्या में दर्शक मैच का आनंद लेने पहुंचे।

फुसरो में अतिक्रमण हटाने के बाद व्यवसायियों का विरोध, पुनर्वास की मांग

बोकारो : बोकारो के फुसरो बाजार में बीते गुरुवार को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी जिसके बाद क्षेत्र में हलचल देखी गई। कार्रवाई के अगले दिन आज प्रभावित व्यवसायियों ने फुसरो नगर परिषद कार्यालय के समक्ष विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में स्थानीय दुकानदारों के साथ व्यवसाय संघ के लोग भी शामिल रहे। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं को रखते हुए कहा कि कार्रवाई से उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हुई है और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत है। प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया गया, जिसमें प्रशासन से मांग की गई कि प्रभावित लोगों के पुनर्वास पर विचार किया जाए और आगे ऐसी कार्रवाई से पहले पर्याप्त सूचना दी जाए। फिलहाल, इस मुद्दे को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है।

कुकडू प्रखंड संसाधन केंद्र में प्रभार ग्रहण विदाई व स्वागत के साथ हुआ गुरू गोष्ठी

ईचागढ़ : कुकडू प्रखंड में पूर्व प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी नवल किशोर सिंह का बिदाई समारोह सह वर्तमान प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी संजय कुमार जोशी का स्वागत कार्यक्रम उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुकडू में आयोजित किया गया, वहीं प्रभार के साथ साथ गुरू गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति, छात्र छात्राओं की ऑनलाइन उपस्थिति,नए सत्र में शिशु पंजी के आधार पर शत प्रतिशत नामांकन और तिथि भोजन पर चर्चा किया गया। शिक्षकों ने कहा कि पूर्व प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एक मिलन सार व्यक्ति थे। वहीं वर्तमान प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी पूर्व में भी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रह चुके हैं और सबको साथ लेकर शिक्षा को आगे बढ़ाने का काम कर चुके हैं। वहीं सभा का संचालन संचालन सन्देश बाहक शिक्षक त्रिलोचन कुमार ने किया मौके पर बीपीओ सुचित्रा महतो, राहुल रंजन, समावेशी शिक्षक दिगम्बर महतो, गुणाधर महतो ,नरेश महतो, राकेश कुमार, गणेश चंद्र महतो, सुधाकर महतो, इंद्रजीत प्रामाणिक, शिक्षक चितरंजन महतो, पप्पू प्रामाणिक, तनुश्री, खेलाराम वेदिया, गजाधर बैठा, कमल महतो आदि शिक्षक उपस्थित थे।

ग्राम प्रधानों की बैठक में पड़हा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने पर जोर

खूंटी : कर्रा प्रखंड क्षेत्र में ग्राम प्रधान पड़हा व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से शनिवार को प्रखंड सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष सह पडहा संयोजक दिशुम गोमके महादेव मुंडा ने की। बैठक में प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए ग्राम प्रधानों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए महादेव मुंडा ने कहा कि ग्राम प्रधानों के कार्यों को व्यवस्थित और जवाबदेह बनाने के लिए सचिव का चयन आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सहायक सचिव के पद पर महिला का चयन किया जाएगा, ताकि प्रशासनिक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके और कार्यों में संतुलन व पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी रजिस्टर के पन्नों का सत्यापन सचिव की ओर से किया जाएगा, जिससे अभिलेखों की विश्वसनीयता बनी रहे। उन्होंने ग्राम प्रधानों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के पड़हा राजा क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन सुनिश्चित करें। साथ ही क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों की संख्या, विद्यालय, मंदिर, गिरजाघर, मस्जिद और सरना स्थलों की विस्तृत जानकारी रजिस्टर में दर्ज करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्रीय संरचना को समझने और विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। महादेव मुंडा ने परंपरागत व्यवस्था को बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि ग्राम प्रधान का चयन रूढ़िवादी परंपरा के अनुसार गांव के पहान के रूप में ही होना चाहिए। यदि किसी अन्य समुदाय से ग्राम प्रधान चुना जाता है, तो उसे प्राप्त मानदेय ब्याज सहित वापस करना होगा और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। बैठक में ग्राम प्रधानों को विकास कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए ग्राम विकास, निगरानी समिति, स्वास्थ्य एवं पेयजल, शिक्षा, कृषि, बाजार, मद्य नियंत्रण, बाल विकास और महिला विकास सहित नौ विभागों की जिम्मेदारी भी सौंपी गई।

संक्षिप्त डायरी

विदेश में फंसे पटना के प्रोफेसर, खुद को जिंदा साबित करने के लिए लड़ रहे हैं लड़ाई

पटना (एजेंसी) पटना के रहने वाले संजीवधारी सिन्हा की कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सिस्टम की जटिलताओं और लापरवाही की भी कहानी है. बीते 14 वर्षों से विदेश में फंसे प्रोफेसर सिन्हा अपने ही अस्तित्व को साबित करने की लड़ाई लड़ रहे हैं. सरकारी आदेश होने के बावजूद उन्हें न पूरा वेतन मिला और न ही उनके अधिकारों को पूरी तरह मान्यता मिल सकी पटना के रहने वाले प्रोफेसर संजीवधारी सिन्हा पिछले 14 वर्षों से एक ऐसी कानूनी और प्रशासनिक भूलभुलैया में फंसे हैं, जहां उनके पास पासपोर्ट, बैंक स्टेटमेंट और दूतावास के पत्र जैसे ठोस सबूत तो हैं, लेकिन सिस्टम उन्हें जीवित और उपस्थित मानने को तैयार नहीं दिख रहा. क्या है पूरा मामला? प्रोफेसर सिन्हा का दावा है कि उनके पास 2014 से लेकर 2021 तक की विभिन्न सरकारी डिक्रियां और कमेटियों की रिपोर्ट मौजूद हैं, जो उनकी सेवा को प्रमाणित करती हैं. इसके बावजूद, उनके 39 महीनों के बकाया वेतन में से मात्र 21 महीनों का भुगतान किया गया. प्रोफेसर सिन्हा ने संयुक्त राष्ट्र से जुड़े दस्तावेजों, भारतीय दूतावास के पत्रों और एनओसी (NOC) के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, उसे प्रशासनिक स्तर पर लापताया अवैध साबित करने की कोशिशें की गईं. उनके पास डोमिसाइल, बैंक स्टेटमेंट, पासपोर्ट, एनओसी, कमेटी रिपोर्ट और अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज जैसे ठोस सबूत मौजूद हैं. इसके बावजूद उन्हें कई बार लापता या वैध करार देने की कोशिश की गई. प्रोफेसर का कहना है कि वे लगातार लेखन, शोध, कोचिंग और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रहे, फिर भी उनकी फाइलों को एक टेबल से दूसरे टेबल तक टालमटोल का शिकार बनाया जाता रहा. बिजली-पानी काटने की धमकी और कानूनी प्रहार प्रोफेसर संजीवधारी सिन्हा के लिए यह लड़ाई सिर्फ दफ्तरों तक सीमित नहीं रही. उनका आरोप है कि उन्हें डराने-धमकाने के लिए बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं काटने की धमकियां दी गईं. वे कहते हैं कि यह महज एक प्रशासनिक चूक नहीं है, बल्कि श्रम अधिकारों का सीधा उल्लंघन है. विदेश में फंसे होने के कारण उनकी आवाज अक्सर दब जाती है, लेकिन अब उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय, अटॉर्नी जनरल और न्याय मंत्रालय का दरवाजा खटखटाया है

बिहार के इस जिले में बनेगा राज्य का पहला फ्लाइंग ट्रेनिंग हब

पटना (एजेंसी) सुपौल के वीरपुर को फ्लाइंग ट्रेनिंग हब बनाने की दिशा में बड़ी पहल शुरू हुई है. एयरो क्लब ऑफ इंडिया की टीम ने एयरपोर्ट का निरीक्षण किया, जिससे बिहार में विमानन प्रशिक्षण और पर्यटन को नई उड़ान मिलने की उम्मीद है. बिहार के सुपौल जिले के वीरपुर को विमानन प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में बड़ी पहल की गई है. बिहार सरकार और भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन एयरो क्लब ऑफ इंडिया (ACI) के बीच अहम समझौता (MoU) हुआ है. इसका उद्देश्य बिहार को देश का फ्लाइंग ट्रेनिंग हब बनाना है. निरीक्षण के लिए पहुंची विशेषज्ञों की टीम इस योजना को जमीन पर उतारने के लिए एयरो क्लब ऑफ इंडिया की 6 सदस्यीय टीम वीरपुर हवाई अड्डे का निरीक्षण करने पहुंची. टीम में महासचिव अरविंद बडोनी समेत विमानन और एयर स्पोर्ट्स से जुड़े कई विशेषज्ञ शामिल थे. टीम ने एयरपोर्ट की स्थिति, संभावनाओं और विकास की दिशा में जरूरी पहलुओं का जायजा लिया. कोटा की तर्ज पर बनेगा ट्रेनिंग सेंटर एसीआई के महासचिव अरविंद बडोनी ने बताया कि योजना के तहत बिहार को विमानन प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा, ठीक उसी तरह जैसे इंजीनियरिंग कोचिंग के लिए कोटा देशभर में प्रसिद्ध है. इस पहल से न सिर्फ देशभर के छात्र और प्रशिक्षु बिहार आएंगे, बल्कि निवेशकों की दिलचस्पी भी बढ़ेगी. एडवेंचर स्पोर्ट्स और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा इस परियोजना के तहत सिर्फ पायलट ट्रेनिंग ही नहीं, बल्कि कई एयर स्पोर्ट्स और एडवेंचर गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाएगा. इनमें पावर्ड फ्लाइंग, ग्लाइडिंग, बैलूनिंग, स्काईडाइविंग, पैराग्लाइडिंग और पैरासेलिंग जैसे खेल शामिल हैं. इससे पर्यटन को भी नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है. 1927 में हुई थी एसीआई की स्थापना एयरो क्लब ऑफ इंडिया की स्थापना 1927 में रॉयल एयरो क्लब ऑफ इंडिया एंड बर्मा के रूप में हुई थी. यह देश का एक प्रमुख विमानन संस्थान है, जो प्रशिक्षण, पायलट सर्टिफिकेशन और एयर स्पोर्ट्स के विकास में अहम भूमिका निभाता है.

बिहार में 42 डिग्री तक पहुंचेगा पारा, पटना-गया समेत इन जिलों में लू का रेड अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में कुछ दिनों तक राहत देने वाली बारिश अब थम चुकी है और तेज धूप ने फिर से लोगों की मुश्किलें बढ़ाने वाली हैं. क्टऊके अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान तेजी से बढ़ेगा और कई जिलों में लू जैसी स्थिति बन सकती है. बिहार में मौसम ने करवट बदल ली है और अब राहत की बूंदें नहीं, बल्कि सूरज की तपिश लोगों का इम्तिहान लेगी. पिछले कुछ दिनों से जारी आंधी और बारिश का दौर अब पूरी तरह थम चुका है. क्टऊ ने चेतावनी जारी की है कि अगले पांच दिनों के भीतर पारा 6 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर चढ़ सकता है. पटना, गया और औरंगाबाद जैसे शहरों में तो स्थिति और भी गंभीर होने वाली है, जहां दोपहर के समय घर से बाहर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं होगा. आसमान से बरसेगी आग, शुष्क हुआ मौसम मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का असर अब खत्म हो चुका है और बारिश का सिस्टम पूरी तरह कमजोर पड़ गया है. इसके चलते अब बिहार के ज्यादातर हिस्सों में मौसम शुष्क रहेगा. अररिया और किशनगंज जैसे इलाकों में जहां कल तक बारिश के आसार थे, वहां भी अब धूप का प्रभाव बढ़ गया है. आने वाले एक हफ्ते के दौरान दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी, जिससे लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ेगा. 42 डिग्री वाला टॉर्चर बारिश के बाद वातावरण में मौजूद नमी अब उमस बनकर लोगों को बेहाल करेगी. क्टऊ का अनुमान है कि गया और दक्षिण बिहार के कुछ हिस्सों में पारा 41 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है.

तैयार हुआ पटना मेट्रो का पहला अंडरग्राउंड स्टेशन,जानें कब शुरू होगा सफर

पटना (एजेंसी) पटना में मेट्रो प्रोजेक्ट अब तेजी से जमीन पर उतरती दिख रही है. पटना मेंट्रो का पहला अंडरग्राउंड स्टेशन मोइनुल हक लगभग तैयार हो चुका है. यह स्टेशन जमीन से करीब 22 मीटर नीचे बनाया गया है और इसका सिविल वर्क लगभग पूरा हो गया है. अब यहां से टनलिंग का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है. पटना में मेट्रो का सपना अब हकीकत के बेहद करीब है. शहर की धड़कन कहे जाने वाले मोइनुल हक स्टेडियम के पास पटना मेट्रो का पहला अंडरग्राउंड स्टेशन लगभग बनकर तैयार हो गया है. जमीन से करीब 22 मीटर की गहराई पर स्थित इस स्टेशन का सिविल वर्क पूरा कर लिया गया है, जो पटना मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है. टनल बोरिंग मशीन की गड़गड़ाहट अब राजेंद्र नगर टर्मिनल के नीचे सुनाई दे रही है, जिससे यह साफ है कि आने वाले कुछ महीनों में शहर की सूरत पूरी तरह बदलने वाली है. 22 मीटर नीचे बन रहा तकनीकी चमत्कार मोइनुल हक स्टेशन से राजेंद्र नगर की ओर टनल बनाने का काम युद्धस्तर पर जारी है.अधिकारियों के मुताबिक, दो टीबीएम मशीनें लगातार खुदाई कर रही हैं. पहली लेन में 705 मीटर के लक्ष्य में से 278 मीटर और दूसरी लेन में 681 मीटर में से 448 मीटर खुदाई पूरी हो चुकी है. सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा राजेंद्र नगर टर्मिनल के नीचे से टनल गुजारना है, जिसकी 24 घंटे कड़ी निगरानी की जा रही है

नीतीश कुमार: दो दशकों में बदली बिहार की तस्वीर, अब दिल्ली की नई पारी की तैयारी

पटना (एजेंसी) बिहार की राजनीति में एक लंबा अध्याय लिखने के बाद नीतीश कुमार अब नई भूमिका की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं. . राज्य में विकास और सुशासन का जो मॉडल खड़ा किया, उसने बिहार की छवि और दिशा दोनों बदल दी. अब उनके राज्यसभा जाने की चर्चा के बीच, उनकी राजनीतिक यात्रा और उपलब्धियां फिर से सुर्खियों में हैं. बिहार की राजनीति में एक युग का अंत हो रहा है और साथ ही एक नए अध्याय की शुरूआत भी. करीब दो दशकों तक मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने बिहार के सामाजिक जीवन में राजनीतिक संस्कृति के एक नए दौर की शुरूआत की कोशिश की, जिसमें बड़बोलापन और अहंकार से मुक्त होकर मौन का सारांश स्थापित किया. राजनीति की आक्रामक शैली के स्थान पर समन्वय के युग का श्रीगणेश किया. करीब 19 साल और 236 दिनों तक बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने वाले नीतीश कुमार अब राज्यसभा जाने की तैयारी में हैं. उनके शासन का मूलमंत्र हमेशा विकास के साथ न्याय और सुशासन रहा. सादगी और ईमानदारी को अपनी ढाल बनाकर उन्होंने न केवल राज्य की तस्वीर बदली, बल्कि भारतीय राजनीति में अपनी एक ऐसी धवल छवि बनाई जिसे उनके विरोधी भी सम्मान की नजर से देखते हैं. बेपटरी बिहार को फिर से ट्रैक पर लाए नीतीश नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने वह बदलाव देखे जो कभी असंभव माने जाते थे. जिस राज्य में शाम ढलते ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता था,बल्कि पूरे देश के लिए एक नजीर पेश की. स्वास्थ्य सेवाओं का आलम यह था कि अस्पतालों के किवाड़ तक उखड़े हुए थे, लेकिन नीतीश कुमार ने व्यवस्था को दुरुस्त कर मरीजों का भरोसा सरकारी तंत्र पर वापस कायम किया. बिजली के क्षेत्र में उन्होंने जो क्रांति की, उसी का नतीजा है कि आज गांवों में भी 22 से 24 घंटे बिजली मिल रही है. संसदीय जीवन के 41 साल और रिकॉर्ड 10 बार शपथ नीतीश कुमार का राजनैतिक जीवन संघर्षों और उपलब्धियों से भरा ै कि उनके द्वारा खींची गई विकास की इस लंबी लकीर को आगे कौन बढ़ाएगा. एनडीए के नेताओं का मानना है कि नई सरकार भी उनके मार्गदर्शन में ही चलेगी, लेकिन बिहार को जिस ऊंचाई पर नीतीश ने पहुंचाया है, उसे बरकरार रखना आने वाले नेतृत्व के लिए एक बड़ी चुनौती होगी. विपक्ष हो या पक्ष, आज हर कोई यह स्वीकार कर रहा है कि नीतीश कुमार ने राजनीति को सेवा और जिम्मेदारी के रूप में परिभाषित किया है. बिहार के विकास की जो इबारत उन्होंने लिखी है, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगी.

विभूति, उपासना एक्सप्रेस समेत इन ट्रेनों से हटा सुपरफास्ट चार्ज

पटना (एजेंसी) : रेलवे की ओर से रेल यात्रियों को राहत दी गई है. 55 किलोमीटर प्रति घंटे से कम स्पीड वाली ट्रेनों पर से सुपरफास्ट चार्ज हटा दिया गया है. इस फैसले से स्लीपर से लेकर एसी तक के यात्रियों को फायदा मिल सकेगा. इसके साथ ही किराया भी कम होगा. : पटना जंक्शन से सफर करने वाले यात्रियों को राहत दी गई है. रेलवे की ओर से फैसला लिया गया है कि कम स्पीड वाली ट्रेनों में सुपरफास्ट के नाम पर अधिक सरचार्ज नहीं लिया जाएगा. रेलवे बोर्ड के आदेश पर पूर्व मध्य रेलवे ने इसका निर्देश वाणिज्य विभाग को जारी कर दिया है. इससे यात्रियों को 15 से 75 रुपए तक का फायदा होगा. इस वजह से हटाया गया सुपरफास्ट चार्ज जानकारी के मुताबिक, औसतन 55 किलोमीटर प्रति घंटे से कम स्पीड वाली ट्रेनों का सुपरफास्ट का दर्जा रेलवे ने हटा दिया है. इनमें हावड़ा-देहरादून, कुंभ एक्सप्रेस समेत चार ट्रेनें शामिल हैं. रेलवे के इस फैसले से स्लीपर से लेकर एसी तक के यात्रियों को फायदा मिलेगा. साथ ही अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन लेट होने के कारण सुपरफास्ट का दर्जा हटाने का निर्णय लिया गया है. कितना कम होगा ट्रेन का किराया? सुपरफास्ट का दर्जा हटने से 5 से 12 प्रतिशत तक किराया कम हो जाएगा. जानकारों का कहना है कि जिन ट्रेनों का सुपरफास्ट का दर्जा हटता है, तो उसकी यात्रा अवधि बढ़ जाती है. जबकि रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि सुपरफास्ट सरचार्ज के एवज में यात्रियों से मूल किराए से लिए जाने वाले स्लीपर में 30 रुपए (8 प्रतिशत), एसी-2 और एसी-3 में 45 रुपए (4 प्रतिशत), एसी-1 में (2 प्रतिशत) और जेनरल क्लास में 15 रुपए (10 से 12 प्रतिशत) कम कर दिए गए हैं. जानकारी के मुताबिक, हाल ही में संसद की एक समिति ने ट्रेनों की स्पीड को लेकर रेलवे बोर्ड के साथ बैठक की थी. इसमें बताया गया था कि दिल्ली-हावड़ा और हावड़ा-देहरादून, जम्मू रूट पर कई ऐसी ट्रेनें हैं, अब ये ट्रैक पर साधारण मेल एक्सप्रेस की तरह ही चलती हैं, जबकि इससे अधिक किराया देने के बाद भी यात्री परेशान रहते हैं. इसको देखते हुए रेलवे पूर्व मध्य रेल के अलावा देश के सभी 17 जोन में कुल 900 ट्रेनों की समीक्षा करा रहा है

बिहार में महंगा होगा बस का किराया, दूरी के हिसाब से तय किया जाएगा भाड़ा

पटना (एजेंसी) बिहार में बस से सफर करना महंगा हो सकता है. परिवहन विभाग की ओर से इसे लेकर प्रस्ताव की अधिसूचना भी जारी की गई है. जानकारी के मुताबिक, दूरी के हिसाब से बस का किराया तय किया जाएगा. लगभग 15 प्रतिशत तक किराया बढ़ सकता है. बिहार में बस यात्रा महंगी हो सकती है. लगभग 15 प्रतिशत तक किराया बढ़ सकता है. , 200 किलोमीटर तक के लिए 12 प्रतिशत, 250 किलोमीटर तक के लिए 11 प्रतिशत और 300 किलोमीटर की अधिक दूरी तक के लिए 10 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा गया है. हर 5 साल पर बस किराए की होती है समीक्षा परिवहन विभाग की ओर से हर 5 साल पर बस के किराए की समीक्षा की जाती है. प्रस्ताव को लेकर बिहार राज्य मोटर फेडरेशन की बैठक में फैसला लिया जाएगा. आपत्ति या सुझाव आने के बाद उस बैठक में चर्चा की जाएगी. इस दौरान बस यात्रियों के साथ-साथ बस संचालकों के हित का भी ध्यान रखा जाएगा. जानकारी के मुताबिक, दूरी के हिसाब से बस का किराया तय किया जाएगा. चार नई इलेक्ट्रिक लग्जरी बसों की मिलेगी सुविधा जानकारी के मुताबिक, परिवहन विभाग ने मई महीने से गांधी मैदान से अटल पथ और जेपी सेतु होते हुए सोनपुर और हाजीपुर रेलवे स्टेशन तक चार नई इलेक्ट्रिक लग्जरी बसें चलाने का फैसला किया है. सबसे खास बात यह है कि इस सेवा के शुरू होने से अटल पथ के दोनों ओर रहने वाली करीब पांच लाख की आबादी को पहली बार पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सीधी सुविधा मिलेगी. यह पहल पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत की जा रही है, जिसका सर्वे इसी महीने पूरा कर लिया जाएगा.

'नीतीश जी का मिशन अधूरा, निशांत कुमार ही करेंगे पूरा', खउग्र ऑफिस के बाहर लगा पोस्टर

पटना (एजेंसी) पटना में जेडीयू ऑफिस के बाहर एक बार फिर पोस्टर लगाया गया है. इस पोस्टर में निशांत कुमार को फ्यूचर सीएम ऑफ बिहार बताया गया. इतना ही नहीं, सीएम नीतीश के अधूरे सपने को निशांत कुमार की तरफ से ही पूरे किए जाने की बात कही गई. बिहार में इन दिनों राज्य के नए सीएम को लेकर चर्चा तेज है. आज दिल्ली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. इस बीच पटना में एक बार फिर जेडीयू ऑफिस के बाहर पोस्टर लगाया गया है. शपथ ग्रहण से पहले फिर निशांत कुमार को फ्यूचर सीएम ऑफ बिहार बताया गया है. इतना ही नहीं, सीएम नीतीश के सपने को पूरा करने के बारे में भी जिक्र किया गया है. पोस्टर में क्या लिखा गया? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण से ठीक पहले खउग्र ऑफिस के बाहर लगे पोस्टर में लिखा, बिहार छोड़कर हम बिहार वासियों को मत कीजिए आप अनाथ. पूछता है आज पूरा बिहार, आप जैसा कौन देगा सुरक्षा, गारंटी और पूरा साथ.आगे लिखा, निशांत निश्चय, नीतीश जी का मिशन अधूरा, निशांत कुमार ही करेंगे पूरा. इस तरह से पोस्टर के जरिए निशांत कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई. पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर के आगे निशांत कुमार की तस्वीर लगाई गई है. पोस्टर के जरिए लगातार निशांत कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाने की मांग की जा रही है. सीएम नीतीश के शपथ ग्रहण से पहले सियासी पारा चढ़ा हुआ है. बिहार में नए सीएम पर दिल्ली में बैठक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण के बाद आज दिल्ली में बीजेपी की कोर कमेटी की बैठक भी होगी. जानकारी के मुताबिक, बैठक का मुख्य एजेंडा बिहार में नई सरकार के गठन और संभावित सीएम के नाम पर चर्चा करना है. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी गुरुवार को ही दिल्ली पहुंचे. वे भाजपा कोर कमेटी की बैठक में शामिल होंगे. लेकिन इससे पहले वे राज्यसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के शपथ ग्रहण के दौरान मौजूद रहेंगे.

हरिवंश नारायण सिंह फिर बने राज्यसभा सांसद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया नामित

पटना (एजेंसी) देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वरिष्ठ पत्रकार और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा का नामित सदस्य बनाया है. उनका कार्यकाल खत्म होने के बाद यह फैसला लिया गया है, जिससे उनकी संसदीय भूमिका आगे भी जारी रहने की संभावना बढ़ गई है. भारतीय राजनीति और संसदीय गरिमा के प्रति अपनी अटूट निष्ठा के लिए पहचाने जाने वाले हरिवंश नारायण सिंह के लिए एक नई और महत्वपूर्ण पारी की शुरूआत हो गई है. देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राज्यसभा के नामित सदस्य के रूप में फिर से नियुक्त किया है. हाल ही में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ था, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में उनके अगले कदम को लेकर कई कयास लगाए जा रहे थे. राष्ट्रपति के इस फैसले ने न केवल उनकी संसदीय यात्रा को विस्तार दिया है, बल्कि सदन में उनके द्वारा निभाए गए संतुलित और निष्पक्ष नेतृत्व पर भी मुहर लगा दी है. 9 अप्रैल को खत्म हुआ कार्यकाल हरिवंश का 9 अप्रैल को ही कार्यकाल समाप्त हुआ था और अगले ही दिन उन्हें नया मौका मिल गया है. पूर्व चीफ जस्टिस रंजन गोगोई का कार्यकाल समाप्त होने के बाद एक मनोनीत सांसद की सीट खाली थी. उसी स्थान पर हरिवंश का मौका मिला है. 69 साल के हरिवंश पहले ही दो बार राज्यसभा में बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. वह उच्च सदन के उपसभापति भी रहे है पत्रकारिता के शिखर से संसद के आसन तक हरिवंश नारायण सिंह का सफर किसी प्रेरणा से कम नहीं है. राजनीति की चकाचौंध में आने से पहले वे पत्रकारिता जगत का एक बहुत बड़ा नाम रहे हैं. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) से शिक्षित हरिवंश जी की लेखनी में हमेशा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की चिंता झलकती थी. साल 2014 में जनता दल यूनाइटेड (JDU) के जरिए बिहार से राज्यसभा पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता और सादगी से सबको प्रभावित किया. तब से लेकर अब तक उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक मजबूत सेतु का काम किया है. शोर-शराबे और हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही को शांत और गरिमापूर्ण तरीके से संचालित करने की उनकी शैली की तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर विपक्षी नेताओं तक ने की है. वे सदन में हर सदस्य को अपनी बात रखने का मौका देने और नियमों के पालन में कभी समझौता नहीं करने के लिए जाने जाते हैं.

पटना के एक दुकान में लगी भीषण आग, 5 फायर ब्रिगेड की पहुंची गाड़ियां, लाखों का नुकसान

पटना (एजेंसी) पटना के दानापुर में शॉर्ट सर्किट से एक दुकान में भीषण आग लग गई. घटना की सूचना पर 5 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची. किसी तरह आग पर काबू पाया गया. इस घटना में लगभग 10 लाख की संपत्ति जलकर खाक हो गई. पटना के दानापुर थाना इलाके के विजय सिंह यादव पथ में शुक्रवार की सुबह एक श्रृंगार दुकान में आग लग गई. शॉर्ट सर्किट से लगी आग के कारण लगभग दस लाख की संपत्ति जलाकर राख हो गई है. घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. कब हुई घटना? इस दौरान किसी तरह अग्निशमन कर्मियों ने किराना और ज्वेलर्स दुकान में आग लगाने से बचा लिया गया. घटना के बारे में बताया जा रहा है कि शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे एक दुकान से धुआं निकलते दिखाई दिया. इसके बाद देखते ही देखते आग की लपटें तेज उठाने लगी और आस-पास के किराना और ज्वेलर्स दुकान को भी अपने चपेट में लेने लगी. घटना के बारे में दुकानदार ने क्या बताया? घटना की सूचना पर आनन-फानन में फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. इस दौरान किराना और ज्वेलर्स दुकान में भी आग लगने से बचा लिया गया. इस घटना में करीब दस हजार नगद राशि और दस लाख की संपत्ति जलाकर राख हो गई है. दुकानदार अमित कुमार ने बताया कि सुबह में सूचना मिली कि दुकान से धुआं निकल रहा है और जब पहुंचे तो आग की लपटें तेज उठाने लगी. अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने क्या बताया? आगे दुकानदार ने बताया कि इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को फोन पर दी. सूचना पर दमकल की गाड़ी पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई. अग्निशमन विभाग के सहायक अधिकारी विजय शंकर यादव ने बताया कि त्रिभुवन मोड़ स्थित एक दुकान में शॉट सर्किट से आग लग गई थी और 5 छोटी और बड़ी दमकल गाड़ी से आग पर काफी मशक्कत से काबू पाया गया है. उन्होंने बताया कि किराना और ज्वेलर्स दुकान में आग लगने से बचा लिया गया है.

बिहार सरकार का अल्टीमेटम, शुक्रवार शाम तक काम पर लौटें CO, वरना जाएगी नौकरी

पटना (एजेंसी) बिहार में हड़ताल पर बैठे अंचल और राजस्व अधिकारियों को सरकार ने कड़ी चेतावनी दी है. तय समय तक काम पर नहीं लौटे तो नौकरी और प्रमोशन पर असर पड़ेगा. आइये जानते हैं विजय सिन्हा ने क्या कहा? बिहार में हड़ताल पर बैठे अंचल और राजस्व अधिकारियों को सरकार ने चेतावनी दे दी है. सरकार ने कहा है कि अगर शुक्रवार शाम तक अधिकारी काम पर वापस नहीं लौटे, तो उनकी नौकरी पर असर पड़ेगा और प्रमोशन के रास्ते भी बंद हो सकते हैं. छह बार हो चुकी है बैठक राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि सरकार लगातार अधिकारियों से बातचीत कर रही है. अब तक छह बार बैठक हो चुकी है. इसमें उनकी समस्याओं को समझने और हल निकालने की कोशिश की गई. विभाग के प्रधान सचिव भी लगातार इस मुद्दे को सुलझाने में लगे हैं. सरकार का कहना है कि अंचल और राजस्व अधिकारी विभाग का अहम हिस्सा हैं और उनकी समस्याओं को दूर करना प्राथमिकता है. इसी वजह से देर रात तक बातचीत भी की गई. लेकिन सरकार ने यह भी साफ कर दिया कि जो मांगें नियमों या नीतियों के खिलाफ हैं. उन्हें मानना संभव नहीं है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें गलत उम्मीद में रहना ठीक नहीं- विजय सिन्हा विजय कुमार सिन्हा ने कुछ लोगों पर दबाव बनाकर राजनीति करने का आरोप भी लगाया. उन्होंने कहा कि इससे समस्या का समाधान नहीं होगा. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार स्थिर है और आगे भी बनी रहेगी, इसलिए किसी तरह की गलत उम्मीद में रहना ठीक नहीं है. मंत्री ने कहा कि अभी भी सैकड़ों अधिकारी काम कर रहे हैं. इससे आम लोगों के जरूरी काम रुक नहीं रहे हैं. हजारों मामलों का निपटारा भी इस दौरान किया गया है. अंत में सरकार ने हड़ताली अधिकारियों से अपील की है कि वे बातचीत में सहयोग करें. जल्द काम पर लौटें, ताकि जनता को परेशानी न हो

'धड़क' के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी कपूर

फिल्म धड़क की रिलीज से ठीक पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की मां श्रीदेवी का निधन हो गया था, जिसने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया। इस गहरे सदमे और फिल्म के बाद मिली आलोचनाओं ने उन्हें डिप्रेशन की ओर धकेल दिया था। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जाह्नवी ने अपने दिल की बात खुलकर रखी। उन्होंने बताया कि साल 2018 में ईशान खट्टर के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद भारी था। एक तरफ मां को खोने का दुख था, तो दूसरी ओर बाहर से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाएं, जिसने उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर दिया। जाह्नवी ने कहा कि भले ही आज लोग 'धड़क' को सफल फिल्म मानते हैं, लेकिन उनके लिए उस दौर की यादें काफी कड़वी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म के बाद वह डिप्रेशन में चली गई थीं और उन्हें लगने लगा था कि लोग उनसे नफरत करते हैं। उनके मन में यह डर बैठ गया था कि उनका करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्हें हमेशा अपनी मां से हौसला और सराहना मिलती थी। मां के जाने के बाद उन्होंने वही उम्मीद दर्शकों से लगा ली, जो पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वह चाहती थीं कि लोग उन्हें तुरंत स्वीकार कर लें, लेकिन ऐसा संभव नहीं था। उनका ध्यान सिर्फ नकारात्मक बातों पर केंद्रित हो गया था, जिसके कारण वह फिल्म की सफलता को भी महसूस नहीं कर पाईं। जाह्नवी ने आगे कहा कि उस समय 'धड़क' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी, लेकिन उन्हें इसका अहसास तक नहीं हुआ। उन्हें लगातार यही लगता रहा कि वह एक खराब कलाकार हैं और लोग उन्हें पसंद नहीं करते। यही नकारात्मक सोच धीरे-धीरे उनकी हकीकत बन गई थी। गौरतलब है कि शशांक खेतान के निर्देशन में बनी 'धड़क' मराठी फिल्म सैराट की आधिकारिक रीमेक थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था।

फिल्म नहीं, एक फोटो ने मचा दिया तहलका

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने पालतू डॉग सुख के साथ कुछ बेहद खास तस्वीरें साझा कर फैंस के बीच तहलका मचा दिया है। आमतौर पर दमदार एक्शन हीरो के रूप में दिखने वाले सलमान का यह सादगी और प्यार भरा अंदाज़ वायरल हो गया है। सलमान ने इन तस्वीरों को 3-55 मॉय सुख कैप्शन के साथ पोस्ट किया, जिसमें वे अपने डॉग के साथ सुकून

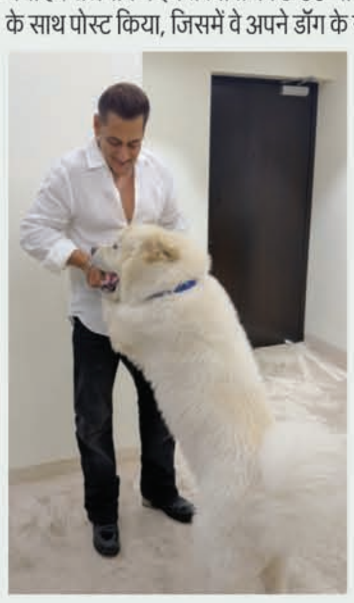

भरे पल बिताते नजर आ रहे हैं। उनका यह प्राकृतिक और दिखावे से रहित रूप उनकी ऑन-स्क्रीन छवि से बिल्कुल अलग है, जिसे फैंस ने प्योर हैप्पीनेस बताया। इन तस्वीरों में कोई ग्लैमर या शूट नहीं है, बस सलमान की निजी जिंदगी की एक प्यारी झलक है, जिसने लाखों दिलों को छू लिया। सोशल मीडिया पर जहां ग्लैमरस तस्वीरें छाई रहती हैं, वहीं सलमान की ये सादगी भरी तस्वीरें अलग पहचान बना रही हैं। फैंस ने इन पर जमकर प्यार बरसाया है, यह साबित करते हुए कि सच्चे रिश्ते और छोटी खुशियां किसी भी फिल्म प्रमोशन से ज्यादा दिल छू लेने वाली होती हैं।

असली हीरो कैमरे के पीछे काम करने वाले लोग: सारा

बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर-द रिवेंज की सफलता के बाद एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने कहा कि किसी भी फिल्म की असली ताकत सिर्फ पर्दे पर नजर आने वाले कलाकार नहीं होते है, बल्कि वे लोग होते हैं जो कैमरे के पीछे रहकर पसीना बहाते हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में उन सभी क्रू मेंबर्स के प्रति आभार जताया, जिनकी मेहनत से यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन पाई। सारा अर्जुन ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तभी उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून नजर आ गया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान यह विश्वास और मजबूत होता गया। लेकिन जब फिल्म पूरी हुई और उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस सपने को साकार करने में पर्दे के पीछे काम करने वाली एक पूरी टीम की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अपने पोस्ट को 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित किया, जिनका योगदान अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। एक्ट्रेस ने सबसे पहले आदित्य धर और उनकी डायरेक्शन टीम का धन्यवाद किया और उन्हें इस प्रोजेक्ट का कप्तान बताया। साथ ही प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की पूरी टीम की सराहना की, जिन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया। सारा ने फिल्म की तकनीकी टीम की भी खुलकर तारीफ की।

उन्होंने डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी और कैमरा टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने हर फ्रेम में फिल्म की भव्यता और आत्मा को जीवंत किया। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और उनकी टीम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने किरदारों के लिए बिल्कुल सही चेहरों का चयन किया। कॉस्ट्यूम डिजाइनर स्मृति चौहान और मेकअप डिजाइनर प्रीति शील के काम की तारीफ करते हुए सारा ने कहा कि उन्होंने कपड़ों और लुक के जरिए कहानी को और गहराई दी। सारा ने लिखा कि भले ही एक्टर्स को पोस्टर पर जगह मिलती है, लेकिन असल में सिनेमा की रीढ़ यही टीम होती है। इसके अलावा सारा ने म्यूजिक टीम, एडिटर शिवकुमार पणिक्कर, वीएफएक्स टीम और ओजस गौतम के योगदान को भी सराहा।

लीजा रे को आफरीन-आफरीन गाने से मिली थी पहचान

कनाडा की खूबसूरत एक्ट्रेस और मॉडल लीजा रहे ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई। घातक कैंसर जैसी बीमारी को हराया और सरोगेसी के जरिए दो प्यारी जुड़वा बेटियों की मां बनीं। लीजा रे की कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि हौसले, संघर्ष और जिंदगी से कभी हार न मानने की मिसाल भी है। लीजा रे का जन्म 4 अप्रैल 1972 को कनाडा के टोरंटो में हुआ था। मात्र 16 साल की उम्र में उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। साल 1996 में नुसरत फतेह अली खान के मशहूर गाने आफरीन-आफरीन में उन्होंने पहली बार स्क्रीन पर धमाल मचाया। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म नेताजी से अभिनय की शुरुआत की। साल 2001 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ जब उन्होंने आफताब शिवदासानी के साथ हिंदी फिल्म कसूर से बॉलीवुड एंट्री की। इस थ्रिलर फिल्म में उनकी एक्टिंग और खूबसूरती दोनों को खूब सराहा गया। गानों में भी वे काफी प्रभावशाली नजर आईं। इसके बाद साल 2004 में दीपा मेहता की फिल्म वॉटर आई, जो ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। इस फिल्म ने लीजा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग स्किल्स को नई ऊंचाई दी। लीजा रे की जिंदगी आसान नहीं रही। साल 2009 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा

नामक ब्लड कैंसर का पता चला। यह बीमारी बहुत खतरनाक होती है और ज्यादातर लोग इससे हार मान लेते हैं। लेकिन लीजा ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने इलाज कराया और साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर इस बीमारी पर जीत हासिल की। कैंसर से उबरने के बाद भी वे दवाइयों पर निर्भर रहीं, लेकिन अपनी जिंदगी को नई दिशा देने में लगी रहीं। कैंसर पर काबू पाने के बाद लीजा ने बॉलीवुड में वापसी की। साल 2015-2016 में रिलीज हुई फिल्म इश्क फॉरएवर से उन्होंने फिर से दर्शकों का ध्यान खींचा।

इसके अलावा उन्होंने वीरप्पन जैसी फिल्म में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी मेहनत और सकारात्मक सोच की वजह से वह आज भी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। निजी जिंदगी में भी लीजा ने कई चुनौतियों का सामना किया। कैंसर के इलाज की वजह से उनकी प्राकृतिक मातृत्व की संभावना प्रभावित हो गई थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2012 में उन्होंने जेसन देहनी से शादी की। इसके बाद दंपति ने सरोगेसी का रास्ता चुना। साल 2018 में जॉर्जिया के टिबिलिसी में सरोगेसी के जरिए उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं, जिनका नाम उन्होंने सूफी और सोलेल रखा। लीजा ने खुद इंस्टाग्राम पर इस खुशी को शेयर किया था। उन्होंने लिखा था कि मां बनने की खुशी शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

टच बडी में नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला : जोनिता गांधी

डकैत अ लव स्टोरी के गाने के बारे में प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने खुलकर बात की है। पवन सिंह के साथ गाए गए नए गाने 'टच बडी' को लेकर जोनिता का मानना है कि इस गाने के जरिए कलाकार के तौर पर एक नए पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि यह गाना उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था, जिसने उन्हें खास तौर पर आकर्षित किया।

जोनिता गांधी इस समय अपनी कलात्मक यात्रा के एक नए दौर में हैं। वे अब सिर्फ आवाज देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि स्क्रीन पर भी पूरी तरह छा जाना चाहती हैं। 'टच बडी' में उन्होंने न सिर्फ गाया है, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ डांस परफॉर्मेंस भी किया है। जोनिता ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। मुझे डांस करना बहुत पसंद है, इसलिए इस गाने की ओर मैं खिंची चली गई। मैंने इसे एक किरदार निभाने के रूप में अपनाया। यह मेरी अपनी असलियत का विस्तार नहीं था, बल्कि एक कलाकार के रूप में मुझे एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कलाकार के तौर पर मैं खुद के और भी कई पहलुओं को एक्सप्लोर कर रही हूं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैंने तो अभी बस शुरुआत की है।

अपना प्यार और साथ बनाए रखिएगा।' गाने में जोनिता एक स्टाइलिश, चंचल और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका 'ग्रूव', एटीट्यूड और सहजता इस ट्रैक का मुख्य आकर्षण है। गाने का तेलुगु वर्जन भी रिलीज हो चुका है, जिसमें उनके साथ राम मिरियाला नजर आ रहे हैं। दोनों भाषाओं के कलाकारों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है। 'टच बडी' गाना फिल्म 'डकैत-अ लव स्टोरी' का गाना है। फिल्म में आदिवि शेष, अनुराग कश्यप और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। यह एक बाइलिंगुअल प्रोजेक्ट है, जिसे हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में शूट किया गया है। कहानी दो पुराने प्रेमियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दोबारा मिलकर कई चोरियां करते हैं।

बच्चों की मासूमियत ने दिल को छू लिया अमिताभ के, हुए भावुक

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अपने घर 'जलसा' के बाहर हर रविवार फैंस से मुलाकात करने की परंपरा निभाते आ रहे हैं। ऐसी ही एक मुलाकात अमिताभ बच्चन के लिए बेहद भावुक पल लेकर आई, जिसका जिक्र उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में किया है। उन्होंने इस दौरान कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें छोटे-छोटे बच्चे नजर आ रहे हैं, जिनकी मासूमियत ने अभिनेता का दिल छू लिया।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा कि जब वह अपने फैंस से मिले तो उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि समझ नहीं आता कि उन्होंने ऐसा क्या किया है कि इतने वर्षों बाद भी लोगों का इतना स्नेह और सम्मान उन्हें लगातार मिलता रहता है।

उन्होंने खास तौर पर बच्चों की मासूमियत का जिक्र करते हुए लिखा कि इन नन्हे चेहरों को शायद यह भी नहीं पता कि वे यहां क्यों आए हैं, लेकिन उनके चेहरे की मुस्कान दिल को गहराई से छू जाती है।

उन्होंने आगे चिंता जताई कि जैसे-जैसे ये बच्चे बड़े होंगे, जीवन की सच्चाइयों से उनका सामना होगा, जो आसान नहीं होगा। अभिनेता ने लिखा कि यह सोचकर दुख होता है कि आने वाले समय में दुनिया कैसी होगी और हम अगली पीढ़ी के लिए कैसा समाज छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि क्या ये बच्चे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर पाएंगे या नहीं। इसी भावुक पोस्ट के अंत में अमिताभ बच्चन ने अपने एक करीबी रिश्तेदार के निधन की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि इस दुखद खबर ने उनके मन को और अधिक व्यथित कर दिया है और अब केवल शोक ही व्यक्त किया जा सकता है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले उन्होंने अपने ब्लॉग में एक 'आलसी' दिन का जिक्र किया था।

उन्होंने लिखा था कि बिना किसी खास वजह के दिनभर काम न करने से उन्हें असहज महसूस होता है। नियमित दिनचर्या में बदलाव से उनकी आदतें भी प्रभावित होती हैं।

भूत बंगला डर के साथ डबल डोज कॉमेडी

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है। चार्ट-बस्टर गानों और टीज़र के बाद आया यह ट्रेलर, डर और कॉमेडी का एक शानदार डबल डोज पेश करता है, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन का वादा कर रहा है। ट्रेलर एक ठोस और दिलचस्प कहानी दिखाता है जहाँ अक्षय कुमार अपनी उसी पुरानी फॉर्म में वापस आ गए हैं जिसमें वो सबसे माहिर हैं। अक्षय, परेश रावल और राजपाल यादव की गोल्डन तिकड़ी के साथ असरानी के कॉमेडी के तड़के ने सबका दिल जीत लिया है। ट्रेलर साबित करता है कि ऐसी कॉमेडी केवल हॉरर-कॉमेडी जॉनर के दिग्गज ही पेश कर सकते हैं, और दर्शक इस अंदाज़ में अक्षय कुमार को काफी मिस कर रहे थे। भूत बंगला 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, क्योंकि यह 14 साल बाद बॉलीवुड की आइकॉनिक एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन को वापस ला रही है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, जीशु सेनगुप्ता और मिथिला पालकर जैसे कलाकार नजर आएंगे।

पुलिस का किरदार निभाना मेरे लिए स्वाभाविक : कविता कौशिक

ज्वालाबाद शहर की पृष्ठभूमि पर आधारित वेब सीरीज 'कप्तान' में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी को प्रमुखता से दिखाया गया है। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का किरदार निभाया है, जो एक सख्त और आत्मविश्वासी महिला पुलिस अधिकारी है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें इस भूमिका में ढलने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि उनका पारिवारिक माहौल ही पुलिस से जुड़ा रहा है, क्योंकि उनके पिता पुलिस अधिकारी थे। बचपन से उसी वातावरण में पली-बढ़ी होने के कारण यह किरदार उनके लिए बेहद सहज और स्वाभाविक बन गया। उन्होंने यह भी कहा कि चाहे उनका लोकप्रिय किरदार चंद्रमुखी चौटाला हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस अधिकारी की झलक उनके अभिनय में अपने आप दिखाई देती है।

अभिनेत्री ने सीरीज की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट से जुड़ना इसलिए आसान लगा क्योंकि इसके पीछे एक मजबूत टीम थी। उन्होंने निर्देशक, निर्माताओं और प्लेटफॉर्म की तारीफ करते हुए कहा कि जब सभी चीजें सही लगती हैं, तो किसी प्रोजेक्ट को हां कहना मुश्किल नहीं होता। साथ ही उन्होंने अपने सह-कलाकारों की मेहनत और अनुशासन की भी खुलकर प्रशंसा की। शूटिंग के अनुभव पर बात करते हुए कविता ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर किसी सीन को करने में ज्यादा कठिनाई नहीं हुई, लेकिन अन्य कलाकारों ने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शानदार एक्शन सीन दिए। उनका समर्पण और फिटनेस देखकर वह काफी प्रभावित हुईं और उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी भूमिका अन्य कलाकारों की तुलना में थोड़ी सहज थी। महिला पुलिस अधिकारियों को कम महत्व दिए जाने के सवाल पर अभिनेत्री ने बेबाकी से कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। उनका मानना है कि उन्हें जो भी अवसर मिलता है, वह उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हैं और स्क्रीन टाइम के बजाय अपने काम के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इस सीरीज में साकिब सलीम के साथ सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

एक नजर

मैं रोजाना 100-150 छक्के मारने का अभ्यास करता हूं: मुकुल चौधरी

कोलकाता : कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स को तीन विकेट से रोमांचक जीत दिलाने वाले मुकुल चौधरी का कहना है कि वह प्रतिदिन 100 से 150 छक्के मारने का अभ्यास करते है। गुरुवार को अपनी टीम को जीत दिलाने के बाद संवाददाता सम्मेलन में मुकुल चौधरी ने छक्के लगाने की अपनी काबिलियत पर कहा, मेरे शरीर में थोड़ी ताकत है और यह स्वाभाविक रूप से मुझे मिली है। मैं प्रतिदिन 100-150 छक्के मारने का अभ्यास भी करता हूं तो इससे आपकी बैट स्पीड अच्छी होती है। पिछले पांच या छह महीनों में मैंने बहुत अधिक अभ्यास किया है तो अब यह मेरे खेल का हिस्सा बन चुका है।

भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा रहे सीडी गोपीनाथ का निधन

चेन्नई : इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा रहे सीडी गोपीनाथ का कल शाम यहां निधन हो गया। भारतीय क्रिकेट के 'ग्रैंड ओल्ड मैन' कहे जाने वाले सीडी गोपीनाथ 1952 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा रहे आखिरी जीवित सदस्य थे। ऑस्ट्रेलिया के नील हार्वे के बाद, वह दुनिया भर में दूसरे सबसे उम्रदराज जीवित क्रिकेटर थे। वह 96 वर्ष के थे।

क्रिसपिन छेत्री की अगुवाई वाली भारतीय महिला फुटबॉल टीम की नजर नई शुरूआत पर

नैरोबी (केन्या) : क्रिसपिन छेत्री की अगुवाई वाली भारतीय महिला फुटबॉल टीम 11 से 15 अप्रैल तक चलने वाली फीफा सीरीज 2026 केन्या में नई शुरूआत करने का प्रयास करेगी। शनिवार से शुरू हो रहे इस टूनार्मेंट में कुल चार मैच खेले जाएंगे । सभी मैच न्यायो नेशनल स्टेडियम में होंगे। भारतीय टीम कल मेजबान टीम केन्या से भिड़ेगी।
ऑस्ट्रेलिया और मलावी इस टूनार्मेंट में हिस्सा लेने वाली अन्य दो टीमें हैं। भारत 67वीं रैंक के साथ दूसरी सबसे ऊँची रैंक वाली टीम है। फीफा विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया इस टूनार्मेंट में सबसे आगे है, जबकि केन्या और मलावी क्रमशः 134वें और 153वें स्थान पर हैं। 2024 में शुरू की गई फीफा सीरीज का मकसद अलग-अलग कॉन्फेडरेशन की टीमों के बीच मैच करवाकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अनुभव देना है। इसके जरिए टीमों को पारंपरिक टूनार्मेंटों से हटकर भी मुकाबले वाले मैच खेलने का अहम अवसर मिलता है।

आयुष शेट्टी ने विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टी को हराया, सेमीफाइनल में बनाई जगह

नयी दिल्ली : भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराया। इस तरह आयुष ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 25वीं रैंकिंग के शेट्टी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में क्रिस्टी को 23-21, 21-17 को हराया। टूर स्तर पर शेट्टी और क्रिस्टी के बीच यह पहला मुकाबला था।
क्रिस्टी एशियाई खेलों और एशियन चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता हैं। इतना ही वह 2020 में थॉमस कप जीतने वाली इंडोनेशियाई टीम का भी हिस्सा थे। यूएस ओपस सुपर 300 के गत चैंपियन शेट्टी ने इससे पहले गुरुवार को राउड ऑफ 16 में चीनी ताइपे के 20वीं रैंकिंग के ची यू जेन को हराया था।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत ने 16 पदकों के साथ अभियान समाप्त किया

विश्वनाथ सुरेश ने जापान के दाइची इवाई को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

नयी दिल्ली : एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक अपने नाम किए। पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश ने जापान के दाइची इवाई को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस संस्करण में स्वर्ण जीतने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष मुक्केबाज बने।

भारत पदक तालिका में पांच स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कजाखस्तान एक स्वर्ण अधिक के साथ शीर्ष पर रहा। हालांकि, कुल पदकों के मामले में भारत सबसे आगे रहा।
पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में सचिन सिवाच को कजाखस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन ओराजबेक असिलकुलोव से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा हर्ष चौधरी (90 किग्रा), आकाश (75 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा) और नरेंद्र (+90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।
महिला वर्ग में भारत की सभी 10 मुक्केबाजों ने पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। जैस्मीन लांबोरिया (57 किग्रा) और अल्फिया पठान (+80 किग्रा) ने रजत पदक जीते, जबकि निकहत जरीन (51 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए।
भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान भारतीय मुक्केबाजी के लिए बेहद शानदार रहा, खासकर महिला मुक्केबाजों ने चार स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने युवा प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है।

पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी जिम्बाब्वे महिला टीम

एजेंसी

नयी दिल्ली : जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम अपने इतिहास में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाने के लिए तैयार है, जहां वह तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मुकाबलों की श्रृंखला खेलेगी। यह सभी मुकाबले कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।
तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 3 मई से शुरू होगी, जो आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2025-29 का हिस्सा है। इसके बाद 12 मई से टी20 श्रृंखला खेली जाएगी।
पाकिस्तान महिला टीम इस समय महिला चैम्पियनशिप तालिका में पांचवें स्थान पर है। टीम को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं जिम्बाब्वे महिला टीम सातवें स्थान पर है और उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में हार मिली थी। जिम्बाब्वे टीम 29 अप्रैल को पाकिस्तान पहुंचेगी और श्रृंखला की तैयारियां शुरू करेगी।

कार्यक्रम इस प्रकार है:

एकदिवसीय सीरीज:-
- 3 मई: पहला एकदिवसीय मुकाबला
- 6 मई: दूसरा एकदिवसीय मुकाबला
- 9 मई: तीसरा एकदिवसीय मुकाबला

टी 20 सीरीज:-
- 12 मई: पहला टी20 मुकाबला
- 14 मई: दूसरा टी20 मुकाबला
- 15 मई: तीसरा टी20 मुकाबला

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स डेलिगेशन ने अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसी

नयी दिल्ली : गुजरात के अहमदाबाद में 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस समय भारत की यात्रा पर है। कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन (भारत) ने शुक्रवार को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह प्रतिनिधिमंडल कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे के नेतृत्व में आया है, जिसमें सीईओ केटी सैडलियर और गेम्स एवं एश्योरेंस डायरेक्टर डैरेन हॉल भी शामिल हैं। टीम ने 8 से 10 अप्रैल के बीच अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा और एकता नगर में प्रमुख खेल स्थलों और बुनियादी ढांचे का

निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महात्मा मंदिर, वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नरेंद्र मोदी स्टेडियम और आईआईटी गांधीनगर जैसे महत्वपूर्ण वेन्यू का दौरा किया। साथ ही गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक कर तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की।
प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय खेल प्रशासन से जुड़े शीर्ष अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। इसमें कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन (भारत), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत शामिल रही, जिसमें गेम्स की योजना, प्रबंधन ढांचा और क्रियान्वयन रणनीति पर विस्तार से विचार किया गया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा कि भारत में तैयारियों का स्तर, खेल स्थलों की गुणवत्ता और केंद्र व राज्य सरकार का सहयोग बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने कहा कि 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स का शताब्दी संस्करण एक ऐतिहासिक अवसर होगा, जिसमें खेलों की विरासत को संजोते हुए भविष्य के लिए नए आयाम स्थापित किए जाएंगे।

केकेआर मेरा घर है : आंद्रे रसेल

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच शेन वॉटसन और पावर कोच आंद्रे रसेल हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक खास बातचीत में शामिल हुए। इस दौरान दोनों ने अपने खेल के दिनों की यादें ताजा कीं और रसेल के कोचिंग करियर में बदलाव पर खुलकर चर्चा की।
बातचीत के दौरान शेन वॉटसन ने रसेल की लंबी और प्रभावशाली क्रिकेट यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में इस स्तर पर निरंतर प्रदर्शन करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है और रसेल ने इसे बखूबी निभाया है।
अपनी नई भूमिका पर बात करते हुए आंद्रे रसेल ने बताया कि 'पावर कोच' के तौर पर उनकी जिम्मेदारी खिलाड़ियों को टी20 क्रिकेट में बाउंड्री, खासकर छक्कों के महत्व को समझाना है। उन्होंने कहा कि उनका काम खिलाड़ियों की तकनीक बदलना नहीं, बल्कि उनके खेल में पावर-हिटिंग की क्षमता को और निखारना है।
रसेल ने स्वीकार किया कि खिलाड़ी से कोच बनने का यह बदलाव उनके लिए भावनात्मक रहा है। मैच के दौरान कई बार उन्हें ऐसा लगता है कि वे खुद मैदान में उतरकर टीम की मदद करें, लेकिन अब उन्हें अपनी नई भूमिका के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है।
उन्होंने अपने पहले मैच के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि कोच के रूप में मैदान पर रहना उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव था और शुरूआत में उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि अपनी भूमिका को कैसे निभाएं। केकेआर के साथ अपने खास रिश्ते पर बात करते हुए रसेल ने कहा कि यह फ्रेंचाइजी उनके लिए घर की तरह है। उन्होंने टीम द्वारा इस सीजन में दिए गए सम्मान को अपने करियर के सबसे भावुक पलों में से एक बताया।
वहीं, शेन वॉटसन ने भी रसेल के साथ अपने पुराने मुकाबलों को याद करते हुए उनके प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया और उन्हें कोचिंग टीम में शामिल होने पर स्वागत किया।

जोएल एम्बीड की आपात सर्जरी प्लेऑफ में खेलना संदिग्ध

एजेंसी

ह्यूस्टन : नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) फ्रेंजाइजी फिलाडेल्फिया 76र्स के स्टार खिलाड़ी जोएल एम्बीड की गुरुवार को ह्यूस्टन में अपेंडिक्स की आपात सर्जरी हुई। टीम ने पुष्टि की कि उन्हें रात में अचानक अपेंडिसाइटिस की समस्या हुई, जिसके बाद तुरंत ऑपरेशन करना पड़ा।
यह सर्जरी उस समय हुई जब फिलाडेल्फिया 76र्स की टीम ह्यूस्टन रॉकेट्स के खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रही थी। टीम के मुख्य कोच निक नर्स ने बताया कि बुधवार के अभ्यास के दौरान एम्बीड बिल्कुल ठीक थे, लेकिन गुरुवार तड़के करीब 3 बजे उन्होंने अस्वस्थ महसूस होने की जानकारी दी। कोच के अनुसार, उन्हें तुरंत डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां जांच के बाद सर्जरी करने का निर्णय लिया गया।
फिलहाल एम्बीड की वापसी को लेकर कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है, लेकिन प्ले-इन टूर्नामेंट और प्लेऑफ के शुरूआती मुकाबलों में उनके खेलने की संभावना कम मानी जा रही है। यह टीम के लिए बड़ा झटका है।
ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में फिलाडेल्फिया 76र्स की टीम आठवें स्थान पर है और प्ले-इन में जगह बनाने की स्थिति में है, जबकि छठे स्थान की टीम से केवल एक मैच पीछे है। एम्बीड ने इस सत्र में केवल 38 मैच खेले हैं, जिसका मुख्य कारण उनके घुटने से जुड़ी समस्या रही है।

हॉकी इंडिया ने टिम व्हाइट को भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

एजेंसी

नयी दिल्ली : हॉकी इंडिया ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में टिम व्हाइट की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा की है। ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी कोच ने हाल ही में जनवरी 2026 में हीरो हॉकी इंडिया लीग में तमिलनाडु ड्रैगन्स टीम के मुख्य कोच के रूप में काम किया था। अब वह भारत की उभरती हुई युवा प्रतिभाओं को निखारने की जिम्मेदारी संभालेंगे।
टिम व्हाइट का कोचिंग करियर काफी प्रभावशाली रहा है। भारत आने से पहले वह बेल्जियम की अंडर-21 महिला टीम के कोच थे, जहां उन्होंने टीम को दिसंबर 2025 में जूनियर विश्व कप में कांस्य

पदक दिलाया। इसके अलावा 2021 से 2024 के बीच वह बेल्जियम की सीनियर महिला टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे, इस दौरान टीम की विश्व रैंकिंग 12वें स्थान से बढ़कर तीसरे स्थान तक पहुंची और 2024 पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के राष्ट्रीय कोच भी रह चुके हैं, जहां उन्होंने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक हासिल किया था।
अपनी नियुक्ति पर टिम व्हाइट ने कहा कि भारत में हॉकी के प्रति जुनून और समृद्ध परंपरा ने उन्हें दोबारा यहां आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वह यहां की युवा प्रतिभाओं को नजदीक से देख चुके हैं और उनका लक्ष्य ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना है, जो तकनीकी रूप से मजबूत हों और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार रहें।
टीम को लेकर अपनी योजना साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वह खेल को सरल रखते हुए टीम की सामूहिक और व्यक्तिगत ताकत पर ध्यान देंगे। उनका लक्ष्य एक ऐसी टीम तैयार करना है जो आक्रामक हॉकी खेले, लेकिन रक्षण में भी अनुशासन बनाए रखे। साथ ही उन्होंने फिटनेस और दबाव में बेहतर प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी। टिम व्हाइट की नियुक्ति को भारतीय हॉकी में आधुनिक रणनीति और अनुशासन लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। उनके पास ऑस्ट्रेलिया और यूरोप में उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों का व्यापक अनुभव है।
हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि टिम व्हाइट का अनुभव और उपलब्धियां जूनियर टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगी। वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि यह कदम जूनियर खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देने की दिशा में अहम है और इससे युवा खिलाड़ियों को सीनियर स्तर के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा।

संक्षिप्त खबरें

पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट में गार्गी, मिरांडा और खालसा कॉलेज की शानदार जीत

नयी दिल्ली : पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट के चौथे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां गार्गी कॉलेज, मिरांडा हाउस, स्टनर अकादमी और एसजीटीबी खालसा कॉलेज ने अपने-अपने लीग मैच जीतकर प्रतियोगिता में मजबूत दावेदारी पेश की। मेजबान एसजीटीबी खालसा कॉलेज के कोर्ट पर खेले गए महिला वर्ग के मुकाबलों में गार्गी कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रामजस कॉलेज को 61-39 के अंतर से हराया। गार्गी की श्रुति को उनके बेहतरीन खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। एक अन्य महिला मुकाबले में मिरांडा हाउस ने मैत्रेयी कॉलेज पर 68-46 की प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस मैच में मिरांडा हाउस की पार्निका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब अपने नाम किया। पुरुष वर्ग में स्टनर अकादमी ने हंसराज कॉलेज के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाते हुए 96-81 से जीत हासिल की। स्टनर अकादमी के अभिनव को उनके शानदार योगदान के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच'घोषित किया गया। दिन के अंतिम पुरुष मुकाबले में एसजीटीबी खालसा कॉलेज ने श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स को 92-81 से पराजित कर जीत दर्ज की। इस मैच में खालसा कॉलेज के तनुज को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। टूर्नामेंट के चौथे दिन के परिणामों ने प्रतियोगिता को और रोमांचक बना दिया है, जहां सभी टीमें अगले चरण में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड से हार के बाद यूईएफए में शिकायत दर्ज कराई

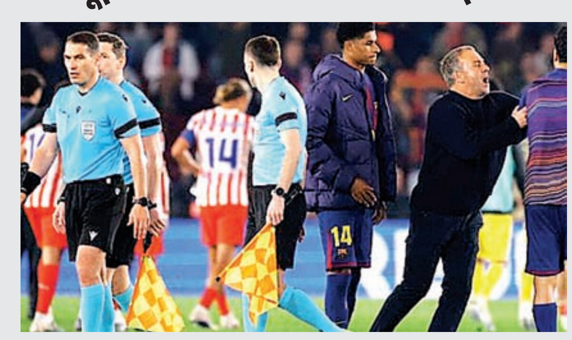

नयी दिल्ली : स्पेन के क्लब बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल के पहले मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड से 0-2 की हार के बाद मैच संचालन को लेकर गुरुवार को यूईएफए में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। विवाद दूसरे हाफ की शुरूआत में हुई एक घटना को लेकर है, जब बार्सिलोना ने पेनल्टी की मांग की थी। आरोप है कि एटलेटिको के गोलरक्षक जुआन मुस्सो ने गोल किक के बाद गेंद को खेल में ला दिया था, लेकिन इसके बाद डिफेंडर मार्क प्यूबिल ने छह गज क्षेत्र के अंदर हाथ से गेंद को छू लिया। मैच के निर्णायक इस्तवान कोवाक्स ने इस पर खेल जारी रखा और वीडियो सहायक प्रणाली ने भी हस्तक्षेप नहीं किया, जिससे बार्सिलोना के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ में नाराजगी देखी गई। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि उनके कानूनी विभाग ने इस मामले को लेकर यूईएफए में शिकायत दर्ज कराई है। क्लब के अनुसार, 54वें मिनट में खेल सही तरीके से शुरू होने के बाद विरोधी खिलाड़ी द्वारा गेंद को हाथ से उठाना स्पष्ट रूप से दंड का मामला था, लेकिन इसे नहीं दिया गया। बार्सिलोना ने इस फैसले को बड़ी त्रुटि बताते हुए जांच की मांग की है। साथ ही निर्णायक और वीडियो सहायक प्रणाली के बीच हुई बातचीत तक पहुंच देने और गलती होने की स्थिति में आधिकारिक रूप से इसे स्वीकार करने की मांग भी की है। इस तरह की घटनाओं में पहले भी अलग-अलग निर्णय सामने आए हैं। अप्रैल 2024 में चैंपियंस लीग के एक मुकाबले में बायर्न म्यूनिख को आर्सेनल के खिलाफ ऐसी ही स्थिति में दंड नहीं मिला था, जब गैब्रियल मगलाएस ने गेंद को छुआ था। वहीं 2024 में ही एक अन्य मुकाबले में वीडियो सहायक प्रणाली ने हस्तक्षेप करते हुए क्लब ब्रुगे को दंड दिया था, जब एस्टन विला के गोलरक्षक एमिलियानो मार्टिनेज और डिफेंडर टायरोन मिंग्स से जुड़ा समान मामला सामने आया था।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 : जावोखिर सिंदारोव शीर्ष पर बरकरार, आर. वैशाली को बढ़त, दिव्या देशमुख को हार

नयी दिल्ली : साइप्रस में चल रहे फिडे कंडीडेट्स टूर्नामेंट 2026 के दसवें दौर में ओपन वर्ग में जावोखिर सिंदारोव ने आर. प्रज्ञानानंद को हराकर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। सिंदारोव अब आठ अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं और उन्होंने प्रज्ञानानंद के खिलाफ दूसरी जीत भी दर्ज की। मुकाबले की शुरूआत में प्रज्ञानानंद ने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन 22वीं चाल में की गई एक गलती (Bd7) उनके लिए भारी साबित हुई। इसके बाद सिंदारोव ने 23. Rf7 चाल चलकर जोरदार हमला किया और आगे की सटीक चालों से स्थिति पूरी तरह अपने पक्ष में कर ली। अंततः प्रज्ञानानंदा को हार माननी पड़ी। अन्य मुकाबलों में अनीश गिरी और हिकारू नाकामुरा के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ, जिससे सिंदारोव को दो अंकों की बढ़त मिल गई। वहीं आंद्रेई एसिपेंको और मथियास ब्लूबाउम के बीच भी बाजी बराबर रही, जबकि फाबियानो कारुआना और वेई यी ने भी अंक साझा किए। महिला वर्ग में आर. वैशाली ने अन्ना मुजिचुक के खिलाफ संतुलित खेल दिखाते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म किया और छह अंकों के साथ बढ़त हासिल की। उन्होंने विरोधी के हमलों को समझदारी से रोका और अंत में स्थिति पूरी तरह संतुलित कर दी। वहीं दिव्या देशमुख को जीती हुई बाजी गंवानी पड़ी। समय के दबाव में हुई गलती का फायदा उठाते हुए अलेक्जेंड्रा गोन्याचकिना ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। अन्य मुकाबलों में कातेरिना लाग्नो और तान झोंगयी के बीच बाजी बराबर रही, जबकि बिबिसारा अस्साउबायेवा ने झू जिनर को हराया।

एक नजर

प्रह्लाद जोशी ने आयातित इलेक्ट्रिक स्टोव की दिखाई एक झलक

नयी दिल्ली : केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को एक ऐसी उन्नत तकनीक वाले आयातित इलेक्ट्रिक स्टोव के बारे में जानकारी दी जो बिजली का उपयोग करके लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की तरह आग की लपटें पैदा करता है। जोशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गुरुवार को एक भारतीय कंपनी ने एक आयातित स्टोव का प्रदर्शन किया, जो बिजली का उपयोग करके एलपीजी जैसी लौ उत्पन्न करता है। यह तकनीक वास्तव में बेहद प्रभावशाली और नवाचारी लगी। मैं चाहूंगा कि भारतीय निमार्ता इस तकनीक को अपनाकर देश में बड़े पैमाने पर इसका उत्पादन करें। जब इसे पीएम सूर्य घर जैसी योजनाओं के साथ जोड़ा जाएगा, जो सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली उत्पादन को बढ़ावा देती हैं, तो यह एलपीजी पर निर्भरता कम करने में एक गेम चेंजर साबित हो सकता है।

छग के बालोद में मजिस्ट्रेट और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी

बालोद : छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के पदस्थ प्रथम न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार देवांगन को बीते 27 मार्च को डाक के माध्यम से एक धमकी भरा पत्र प्राप्त हुआ है। पत्र में अज्ञात व्यक्ति ने 3 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग करते हुए मजिस्ट्रेट और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। पुलिस के अनुसार 27 मार्च की दोपहर करीब 3 बजे दफ्तर में पोस्टमैन ने मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार देवांगन को बंद लिफाफा दिया। लिफाफा खोलने पर उसमें मजिस्ट्रेट और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। साथ ही तीन करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई। पत्र में मजिस्ट्रेट पर रिश्वत लेकर गलत आदेश देने तथा आम जनता, विशेषकर गरीबों को परेशान करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। पत्र भेजने वाले ने स्वयं को नक्सली संगठन से जुड़ा बताते हुए बस्तर, कांकेर, ओडिशा और झारखंड क्षेत्रों में सक्रिय होने का दावा किया है। पत्र में यह भी लिखा है अगर पैसे नहीं दिए गए तो उन्हें और उनके परिवार को जान से मार दिया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए मजिस्ट्रेट ने 8 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई, जिस पर गुंडरदेही पुलिस ने बुधवार शाम को अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुंडरदेही थाना प्रभारी नवीन बोरकर ने शुक्रवार को बताया कि मामले की शिकायत पर बीएनएस की धारा 308 और 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

नेपाल में एक महीने के दौरान तेल की कीमते चौथी बार बढ़ाने का फैसला

काठमांडू : नेपाल में एक महीने के भीतर चौथी बार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में भारी वृद्धि की गई है। नेपाल आयल निगम ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव का हवाला देते हुए पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ा दिए हैं। निगम के निदेशक मंडल के निर्णय के बाद नई दरें आज शुक्रवार से लागू हो गई हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसिन, खाना पकाने वाला एलपीजी गैस और विमान ईंधन—सभी के दाम बढ़ाए गए हैं। संशोधित दरों के अनुसार, पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर 17 रुपये की वृद्धि हुई है, जबकि डीजल और केरोसिन में प्रति लीटर 25-25 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। खाना पकाने वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 100 रुपये की वृद्धि हुई है और घरेलू विमान ईंधन 6 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। नई कीमतों के अनुसार, नेपाल में अब पेट्रोल 219 रुपये प्रति लीटर, जबकि डीजल और केरोसिन 207 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

एनएफआर के महाप्रबंधक का कटिहार से न्यू जलपाईगुड़ी तक व्यापक संरक्षा निरीक्षण

एजेंसी

मालीगांव : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने हाल ही में कटिहार से न्यू जलपाईगुड़ी तक एक व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया, जिसमें परिचालन और बुनियादी ढांचे के कई पहलु शामिल थें। अपने दौरे के दौरान, महाप्रबंधक ने कटिहार-डंडखोरा और मुकुरिया-बारसोई सेक्शनों में रेलवे की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों का गहन निरीक्षण किया। इनमें संरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लेवल क्रॉसिंग, ट्रैक ज्योमैट्री, गैंग कार्य, कर्व्स, बड़े पुलों और स्विच एक्सपेंशन ज्वाइंट्स का जांच करना शामिल था। डालखोला स्टेशन, प्वाइंट मशीनरी और लेवल क्रॉसिंग के बुनियादी ढांचे का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में डालखोला और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच 110 कि.मी. प्रति घंटे की गति से एक गति परीक्षण भी शामिल था, ताकि इस सेक्शन के ट्रैक गुणवत्ता, यात्रा में आराम और समग्र परिचालन तत्परता का मूल्यांकन किया जा सके। निरीक्षण में कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े कई पहलों को भी शामिल किया गया। कटिहार में, कई सुधारों की समीक्षा की गई, जिनमें मंडल रेलवे अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं। अस्पताल में अब रेल कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए एक उन्नत फिजियोथेरेपी केंद्र और आधुनिक दंत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। मान्यता प्राप्त यूनियनों और संघों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत भी की गई, जो कर्मचारियों के साथ जुड़ाव और उनके कल्याण के प्रति प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इसके अतिरिक्त, रेल कर्मियों के जीवन की गुणवत्ता और कार्य वातावरण को बेहतर बनाने के लिए रेलवे संस्थान, सामुदायिक भवन और कर्मचारी कैंटीन में सुधार जैसी कई अन्य पहलें भी की गईं। न्यू पिट लाइन पर स्थित प्रशिक्षण कक्ष और मॉडल कक्ष की भी समीक्षा की गई, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करना है। महाप्रबंधक ने यात्रियों की सुविधाओं और कार्य परिस्थितियों का आकलन करने के लिए क्रू लॉबी का भी विस्तृत निरीक्षण किया। खेल और मनोरंजन गतिविधियों को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत, कटिहार में हुए विकास कार्यों में केआरओसी/कटिहार में एक नवीनीकृत बास्केटबॉल कोर्ट और एक नए क्रिकेट पवेलियन का प्रस्ताव शामिल है। यह रेल कर्मचारियों और स्थानीय उत्साही लोगों के बीच खेलों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 109 एकड़ में फैले इको पार्क के दौरे ने भी पर्यावरणीय स्थिरता और मनोरंजन से जुड़े बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के प्रयासों को उजागर किया। इसके अलावा, कटिहार जंक्शन पर 1111 केडब्ल्यूपी के रूफटॉप सोलर पावर प्लांट को चालू करने जैसी कई अन्य पहलों ने भी नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास के प्रति एनएफआर की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया।

मोरारजी देसाई की पुण्यतिथि पर उपराष्ट्रपति ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी समेत कई नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति भवन में मोरारजी देसाई को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी मोरारजी देसाई को पुण्यतिथि पर विनम्र अभिवादन किया। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर एक पोस्ट में मोरारजी देसाई को सादगी और जनसेवा का प्रतीक बताते हुए उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा के प्रति उनका समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मोरारजी देसाई को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन सादगी, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार और देश के विकास में उनका योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उल्लेखनीय है कि देश के चौथे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई को पुण्यतिथि पर उनके अनुशासित जीवन, ईमानदारी और निःस्वार्थ राष्ट्रसेवा को याद किया जाता है।

मानवाधिकारों पर 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अपनी 12वीं वार्षिक लघु फिल्म प्रतियोगिता के लिए भारतीय नागरिकों से विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों पर आधारित फिल्मों के लिए आवेदन मांगे हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। आयोग के मुताबिक लघु फिल्में अंग्रेजी या किसी भी भारतीय भाषा में हो सकती हैं जिनमें अंग्रेजी उपशीर्षक हों। लघु फिल्म की अवधि न्यूनतम 3 मिनट और अधिकतम 10 मिनट होनी चाहिए। ये फिल्में वृत्तचित्र, वास्तविक कहानियों का नाट्य रूपांतरण या किसी भी तकनीकी प्रारूप में बनी काल्पनिक रचना हो सकती हैं, जिनमें एनीमेशन भी शामिल है। ये फिल्में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक अधिकारों के दायरे में आनी चाहिए और कई विषयों पर आधारित होनी चाहिए। इनमें जीवन, स्वतंत्रता, समानता तथा गरिमा का अधिकार, बंधुआ मजदूरी और बाल श्रम, महिलाओं तथा बच्चों के अधिकारों से संबंधित विशिष्ट मुद्दों को शामिल करना, बुजुर्ग व्यक्तियों के अधिकार और चुनौतियां, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा, शिक्षा का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और एलजीबीटीक्यूआई+ के अधिकार शामिल है। सभी आयु वर्ग के भारतीय नागरिक इसमें भाग ले सकते हैं। प्रविष्टियों की संख्या पर कोई सीमा नहीं है और कोई प्रवेश शुल्क भी नहीं है। विजेता फिल्मों को आयोग द्वारा आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी अपना आवेदन पत्र और फिल्म गूगल ड्राइव के माध्यम से एनएचआरसीशॉर्टफिल्म@जीमेल डॉटकॉम पर भेज सकते हैं।

जासूसी और आतंकी साजिश नाकाम आईएसआई-बीकेआई मॉड्यूल का भंडाफोड़

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय आतंकी, हथियार तस्करी और जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मॉड्यूल का सीधा संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से बताया जा रहा है। दो अलग-अलग ऑपरेशन में कुल 11 आरोपितों को दिल्ली और पंजाब से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि समय रहते कार्रवाई कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया। जांच में पता चला है कि आरोपित पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर काम कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की गतिविधियां देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा थीं और समय रहते कार्रवाई कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया।

दो ऑपरेशन में गिरफ्तारी, कई टीमें रहीं सक्रिय

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि स्पेशल सेल की उत्तरी रेंज और दक्षिण-पश्चिम रेंज की टीमों ने यह संयुक्त कार्रवाई की। पहले ऑपरेशन में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें तीन पंजाब और तीन दिल्ली के रहने वाले हैं। दूसरे ऑपरेशन में पांच आरोपितों को पंजाब से दबोचा गया। इन कार्रवाइयों में कई पुलिस टीमों ने तकनीकी निगरानी और खुफिया इनपुट के आधार पर एक साथ छापेमारी की। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के अनुसार पहले ऑपरेशन में छह आरोपित गिरफ्तार किए गए, जिनमें मनप्रीत सिंह , अनमोल और साहिल , अतुल राठी और रोहित तथा अजय शामिल हैं। वहीं दूसरे ऑपरेशन में पांच आरोपित गुरजीत सिंह , रिम्पलदीप सिंह, सलविंदर सिंह उर्फ कालू, बूटा सिंह और हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी को गिरफ्तार किया गया।

संवेदनशील ठिकानों के पास लगाए सीसीटीवी, पाकिस्तान भेजी जा रही थी लाइव फीड

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपितों ने देश के कई संवेदनशील सैन्य और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास नौ सोलर पावर सीसीटीवी कैमरे लगा रखे थे। ये कैमरे कपूरथला, जालंधर, बीकानेर और अलवर जैसे अहम स्थानों पर स्थापित थे।

नेपाल की पश्चिम एशिया पर नजर, अपने नागरिकों की सुरक्षा पर जोर

काठमांडू : नेपाल सरकार पश्चिम एशिया में बढ़ती स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है और वहां रह रहे नेपाली नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए उच्च प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। विदेश मंत्रालय में शुक्रवार को प्रेस सम्मेलन में प्रवक्ता लोक बहादुर क्षेत्री ने बताया कि सरकार ने हाल ही में हुए दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते का स्वागत किया है और इसे तनाव कम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना है। नेपाल की दीर्घकालीन कूटनीतिक नीति को दोहराते हुए प्रवक्ता ने कहा कि नेपाल अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए संवाद के प्रति प्रतिबद्ध है। हालिया घटनाओं की जानकारी देते हुए छेत्री ने बताया कि पिछले दस दिनों में यूएई में मिसाइल के मलबे के कारण आठ नेपाली नागरिक घायल हुए हैं।

ज्ञान को धन में परिवर्तित करने को तकनीक के साथ कुशल कार्यबल, अनुसंधान भी जरूरी : गडकरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि ज्ञान को धन में परिवर्तित के लिए नवाचार, विज्ञान तथा तकनीक के साथ-साथ कुशल कार्यबल और निरंतर अनुसंधान पर जोर देना आवश्यक है। गडकरी ने निर्माण उद्योग विकास परिषद की ओर से यहां आयोजित 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार और प्रदर्शनी 'विकसित भारत 2047' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा ,"वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता से समझौता न करना और शॉर्टकट से बचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है कि तत्काल निर्णय लिए जाएं, परियोजना योजना अच्छी हो और काम की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसके अलावा अगर हम नई तकनीक अपनाएं और काम करने के तरीके को सुधारें तो परियोजनाओं की लागत काफी कम हो सकती है। इसके लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए भूमि अधिग्रहण और जरूरी मंजूरियों को पहले ही निपटाया जाए क्योंकि पहले की देरी और प्रशासनिक बाधाओं ने प्रोजेक्ट की समयसीमा और ठेकेदारों के बजट को काफी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट में केवल कम लागत ही नहीं बल्कि गुणवत्ता और प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें जैव ईंधन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों को अपनाना चाहिए। इससे न केवल पेट्रोल-डीजल पर हमारी निर्भरता कम होगी बल्कि खर्च भी घटेगा। साथ ही सड़क बनाने में प्लास्टिक कचरे और पुराने टायरों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय अवसंरचना कंपनियों ने दुबई, कतर और कई अफ्रीकी देशों में प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करके वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। गडकरी ने समारोह में विजेताओं को 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार प्रदान किए और निर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्र में गुणवत्ता एवं नवाचार में उनके योगदान के लिए उन्हें बधाई दी।

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र के नासिक की आईटी कंपनी में धर्म परिवर्तन के मामले में कंपनी की मैनेजर गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र के नासिक जिले की आईटी कंपनी में धर्म परिवर्तन और छेड़छाड़ मामले में पुलिस ने शुक्रवार को कंपनी की महिला मैनेजर अश्विनी चेनानी को गिरफ्तार किया है। चेनानी पर महिला कर्मचारियों से छेड़छाड़ और धर्मपरिवर्तन की शिकायतों को दबाने और अंदरूनी तौर पर मामले को दबाने का आरोप है। नासिक शहर के पुलिस कमिश्नर संदीप कार्णिक ने बताया कि एक बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग फर्म के 51 साल के ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर को आज कई कर्मचारियों से जुड़े कथित सेक्सुअल अब्यूज और हैरेसमेंट केस में गिरफ्तार किया गया है। नासिक शहर की पुलिस ने कल पुणे के लुल्लानगर की रहने वाली मैनेजर को एक नोटिस भेजा था, जिसमें उनसे एक ऐसे मामले में उनकी भूमिका के बारे में सफाई मांगी गई थी, जिसमें छह कर्मचारियों को सेक्सुअल अब्यूज और हैरेसमेंट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि फर्म के नौ कर्मचारियों ने मैनेजर समेत कंपनी के सात सीनियर अधिकारियों के खिलाफ कथित सेक्सुअल अब्यूज, हैरेसमेंट और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में गुरुवार को छह आरोपितों को गिरफ्तार किया था और आज शुक्रवार को सातवें आरोपित के रुप में मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि यह मामला सबसे पहले तब सामने आया, जब एक महिला कर्मचारी ने 26 मार्च को देवलाली पुलिस स्टेशन में एक सीनियर सहकर्मी पर रेप का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद आठ और कर्मचारियों, जिसमें एक पुरुष स्टाफ भी शामिल था। उन्होंने मुंबई नाका पुलिस स्टेशन में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं। इसमें आखिरी शिकायत 3 अप्रैल को दर्ज की गई, जिसमें यौन उत्पीड? का आरोप लगाया गया। इन शिकायतों के बाद पुलिस ने महिला पुलिस कर्मियों को सादे वेश में कंपनी में भेजकर शिकायत के तथ्यों का पता लगाया। इसके बाद इन सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी मामलों की छानबीन की जा रही है।

उपराष्ट्रपति ने सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर सिंधी भाषा में भारत के संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया। यह दो लिपियों- देवनागरी और फारसी में प्रकाशित किया गया है। राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विभाजन के बाद के कठिन समय में सिंधी भाषा ने दृढ़ता और एकता के प्रतीक के रूप में कार्य किया। सिंधी में संविधान का प्रकाशन भाषाई समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से लोग संविधान को अपनी मातृभाषा में समझ सकेंगे, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी और विश्वास मजबूत होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि यह पहल हमारी भाषाई विविधता, संवैधानिक जागरूकता और समावेशी भारत के संकल्प को और सशक्त बनाती है जो संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और लोकसभा सांसद शंकर लालवानी सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे।

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री ने ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप के रवैये की आलोचना की

इस्तांबुल : अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरीने ईरान के साथ बढ़ते तनाव को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति पर तीखी आलोचना की है। उन्होंने मौजूदा सीजफायर को ह्लबेहद ढीला-ढालाह्व बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि हालात आगे चलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। पूर्व विदेश मंत्री ने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य की अनिश्चित स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संकट अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की ओर धकेलते रहे हैं, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जो बाइडेन ने ऐसे प्रस्तावों को पहले ठुकरा दिया था। तुर्किए की सरकारी समाचार सेवा अनाडोलू एजेंसी (एए) ने बोस्टन पब्लिक रेडियो पर दिए एक इंटरव्यू के हवाले से बताया कि अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ युद्ध को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रवैया बड़े वैश्विक और आर्थिक नतीजों को जन्म दे सकता है। उन्होंने मौजूदा नाजुक सीजफायर पर भी सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने मौजूदा दो हफ़्ते के सीजफायर पर सवाल उठाते हुए इसे ह्लबेहद ढीला-ढालाह्व बताया। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, जो एक पूर्व सीनेटर भी हैं और साल 2015 में उन्होंने ईरान के साथ परमाणु समझौते में बातचीत में अहम भूमिका निभाई थी। हिलेरी क्लिंटन के बाद, केरी ने 2013 से 2017 तक ओबामा के कार्यकाल में विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया।

उन्होंने बड़े नतीजों की चेतावनी देते हुए कहा कि यह चौंकाने वाला है। मुझे लगता है कि जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा यह और भी गंभीर और खतरनाक होता जाएगा। होर्मुज जलडमरूमध्य अब ईरान के नियंत्रण में है, जो युद्ध शुरू होने से पहले उनके नियंत्रण में नहीं था। पूर्व विदेश मंत्री ने आगे कहा कि इस युद्ध को आगे बढ़ाने वाले अगले कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को होने वाले खतरे के बारे में सोचना भी रोंगटे खड़े कर देने वाला है। इसका आर्थिक असर इतना बड़ा और जटिल हो सकता है, जितना हमने पहले कभी नहीं झेला। वैश्विक तेल परिवहन के एक अहम रास्ते, होर्मुज जलडमरूमध्य का जिक्र करते हुए जॉन केरी ने सीजफायर के पालन को लेकर अनिश्चितता जताई। उन्होंने कहा कि खबरों के मुताबिक, जब से यह संघर्ष-विराम शुरू हुआ है, तब से तेल टैंकरों की आवाजाही सीमित ही रही है। जॉन केरी ने तर्क दिया कि ट्रंप इस संघर्ष को शुरू करने के लिए किसी के प्रभाव में आ गए थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में, यह एक ऐसा युद्ध है जो असल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस पुराने सपने को पूरा कर रहा है, जिसके तहत वह ईरान को उतना नुकसान पहुंचाना चाहते थे, जितना उन्हें करने की इजाजत मिलती। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू ने ट्रंप को सैन्य कार्रवाई की ओर मोड़ा। नेतन्याहू ने पहले भी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन और बराक ओबामा से ईरान पर इसी तरह के हमले करने का आग्रह किया था लेकिन उन दोनों ने ही इन प्रस्तावों को ठुकरा दिया था और तनाव बढ़ाने से इनकार कर दिया था।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**